शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 341 | गुवाहाटी | सोमवार, 10 जुलाई, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

नकली नोट के मामले में एक और व्यक्ति गिरफ्तार पेज 3
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13-14 जुलाई को फ्रांस के दौरे पर रहेंगे पेज 4
योगेश्वरों से प्रेरणा लेकर देश, धर्म लिए योगदान देना सबसे बड़ी... पेज 5
देश की बागडोर प्रधान मंत्री मोदी के हाथों में सुरक्षित : कृष्णपाल गुर्जर पेज 8

राज्य में सब्जियों की कीमतें शतक के करीब पहुंचीं

गुवाहाटी। राज्य में हाल ही में आई बाढ़ के कारण गुवाहाटी में वस्तुओं की कीमतों में भारी वृद्धि हुई है, जिसमें सब्जियों, दवाओं और अन्य की कीमतें शामिल हैं। सब्जियों की कीमतों में भारी बढ़ोतरी के पीछे बाढ़ और कटाव को मुख्य कारण बताया गया है। थोक और खुदरा दोनों कीमतों की तुलना से पता चलता है कि दरें तीन गुना बढ़ गई हैं, जिससे आम आदमी का बजट प्रभावित हो रहा है। विक्रेताओं ने इन आसमान छूती कीमतों के लिए निचले असम में हाल ही में आई बाढ़ के साथ-साथ मेघालय के तुरा में मिट्टी के कटाव के कारण आपूर्ति में कटौती और स्टॉक खत्म होने को जिम्मेदार ठहराया है। उधर सब्जियों की आसमान छूती कीमतों ने गुवाहाटी के निवासियों को बुरी

तरह प्रभावित किया है क्योंकि बाढ़ के कारण आपूर्ति में काफी व्यवधान हुआ है। जिससे सब्जियों की दैनिक खरीदारी का विचार आम आदमी को परेशान कर रहा है और साथ ही मासिक बजट को भी बिगाड़ रहा है। उसमें बाढ़ के पानी से फसलों को होने वाला नुकसान लोगों की परेशानियों को और बढ़ा रहा है। दरंग जिले का खारुपेटिया गुवाहाटी की सब्जियों की दैनिक आवश्यकताओं की अधिकांश आपूर्ति करता है। ग्वालपाड़ा, नलबाड़ी, बरपेटा और मोरीगांव से भी सब्जियों की आपूर्ति की जा रही है। लेकिन राज्य में बाढ़ आने के बाद सड़क संपर्क टूट गया और कई कृषि भूमि क्षतिग्रस्त हो गई, कीमतें बढ़कर 120-150 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई हैं। बेलतला बाजार में एक सब्जी विक्रेता ने कहा कि बाढ़ के कारण आपूर्ति की कमी गुवाहाटी में आसमान छूती कीमतों का कारण है। हम सब्जियां खरीदने में असमर्थ हैं क्योंकि बाढ़ ने विभिन्न स्थानों पर सड़कों को क्षतिग्रस्त कर दिया है, जिससे हमें स्टॉक खरीदने में भारी परेशानी हो रही है। उन्होंने आगे कहा कि कीमतें जल्द ही कम होने वाली नहीं हैं। इसमें थोड़ा वक्त लगेगा। हालांकि, अगर बाढ़ की स्थिति नहीं बिगड़ी तो कीमतें स्थिर रहेंगी। वहीं सब्जियां खरीदने वाले ग्राहकों में से एक ने कहा कि हम बढ़ी हुई दर पर सब्जियां खरीदने में मदद नहीं कर सकते क्योंकि ऐसा केवल यहीं नहीं है, लोग आसमान छूती कीमतों की मार महसूस कर रहे हैं। बाढ़ का असर पूरे राज्य पर पड़ा -शेष पृष्ठ दो पर

रील लाइफ पर ध्यान देने के बजाय रियल बनें राहुल : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने एक बार फिर राहुल गांधी पर निशाना साधा है। शर्मा ने कहा कि राहुल में अचानक पैदा हुई वास्तविक दिखने की इच्छा और उतावलापन *हास्यास्पद* है। वह शनिवार को कांग्रेस नेता के हरियाणा के सोनीपत जिले के मदीना गांव में अचान रुकने का जिक्र कर रहे थे, जहां उन्होंने लोगों से बातचीत की और खेतों में काम करने वाले किसानों के साथ समय बिताया। शर्मा ने दावा किया कि जब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तस्वीरें खिंचवा रहे थे, तब किसानों के साथ धक्का-मुक्की हुई। हरियाणा में कांग्रेस नेताओं ने बताया -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graphy Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

मणिपुर : विरोधी समूह ड्रोन का इस्तेमाल कर एक-दूसरे को बना रहे निशाना

विष्णुपुर। हिंसा प्रभावित मणिपुर राज्य में प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल अच्छे और बुरे दोनों के लिए हो रहा है। एक तरफ हालात सुधारने के लिए सुरक्षा बल ड्रोन का इस्तेमाल कर रहे हैं तो दूसरी ओर कुछ लोग इसके जरिए (ड्रोन या क्वाडकॉप्टर) एक-दूसरे को निशाना बना रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा एजेंसियों को पता चला है कि एक-दूसरे से नफरत रखने वाले कुछ गुट क्वॉडकॉप्टर का इस्तेमाल एक-दूसरे की स्थिति का पता लगाने के लिए कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि मेइती समुदाय के लोग अधिकतर इस क्वॉडकॉप्टर का इस्तेमाल इंफाल घाटी में कर रहे हैं, जबकि कुकी समुदाय के लोग इनका इस्तेमाल पहाड़ी इलाकों में कर रहे हैं। दक्षिण पश्चिमी मणिपुर के फौगाकचाओ, कांगवी बाजार और तोरबंग बाजार में इन क्वॉडकॉप्टर का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल हो रहा है। यहां दोनों समुदायों के गांव आस-पास बसे हुए हैं। उन्होंने बताया कि सुरक्षाबलों की मौजूदगी के बावजूद सेनापति जिले का लोइबोल और विष्णुपुर जिले का लियेमारम हिंसा -शेष पृष्ठ दो पर

हाई कोर्ट के आदेश के बाद इंटरनेट सेवा शुरू

इंफाल (हि.स.)। मणिपुर हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को करीब 63 दिन से लगातार इंटरनेट सेवा पर लगा प्रतिबंध आंशिक रूप से हटाने संबंधी अंतरिम आदेश दिया है। इसके बाद सेवा प्रदाताओं ने आश्वासन दिया है कि इंटरनेट का उपयोग विशेष रूप से इन *श्वेत-सूचीबद्ध* मोबाइल नंबरों तक ही सीमित रहेगा, जिससे कोई अनाधिकृत पहुंच या सूचना का -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य में बाढ़ ने फिर मचाया कहर, 122 गांवों के 29 हजार से अधिक लोग प्रभावित

गुवाहाटी (हि.स.)। असम में बाढ़ का पानी उतर नहीं रहा है। राज्य आपदा प्रबंधन विभाग का कहना है कि राज्य के सात जिलों के 29 हजार 612 से अधिक नागरिक अभी भी बाढ़ प्रभावित हैं। राज्य में तीन नदियां तीन स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं, जिसमें दिसांग (नंगलमुरघाट) और दिखौ (शिवसागर), ब्रह्मपुत्र (निमातीघाट) शामिल हैं। कई नदियों के तटबंध टूट गए और सड़कों को भी नुकसान हुआ है। प्रशासन बाढ़ प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाने के लिए जरूरी कदम उठा रहा है। असम राज्य आपदा प्रबंधन विभाग के शनिवार देर शाम बाढ़ प्रभावित जिलों के जारी आंकड़ों में बिश्वनाथ, चराईदेव, धेमाजी, जोरहाट, कामरूप (ग्रामीण), लखीमपुर और -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य सरकार ने 40,970 स्कूलों को जारी किए 96.21 करोड़ रुपए

गुवाहाटी। असम के शिक्षा मंत्री रनोज पेगु ने आज बताया कि राज्य सरकार ने 40,970 लोअर प्राइमरी (एलपी) और अपर प्राइमरी (यूपी) स्कूलों को अनुदान के रूप में 96.21 करोड़ रुपए जारी किए हैं। पेगु ने यह भी कहा कि 11,480 स्कूलों का अनुदान रोक दिया गया है क्योंकि इन स्कूलों के कुछ शिक्षकों ने शिक्षा सेतु पोर्टल पर अपने स्टाफ प्रोफाइल को अपडेट नहीं किया है। शिक्षा मंत्री ने ट्वीट किया कि एक बार जब वे अपडेट हो जाएंगे, तो अनुदान -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में किसानों की सुरक्षा में लगेगी पुलिस, वीआईपी सुरक्षा हुई कम

इंफाल (हि.स.)। मणिपुर सरकार ने वीआईपी की सुरक्षा कम करने के साथ ही किसानों के लिए सुरक्षा उपाय बढ़ा दिए गए हैं। मणिपुर पुलिस के आईजी आईके मुइवा ने बताया कि राज्य में जारी हिंसा को देखते हुए वीआईपी, विधायकों और मंत्रियों की सुरक्षा कम कर दी गई है। इसके बजाय, खेती के दौरान किसानों की सुरक्षा के लिए सुरक्षा कर्मियों का इस्तेमाल किया -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
अपने से अधिक शक्तिशाली और समान बल वाले से शत्रुता न करें।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

दिल्ली पिकनिक मनाने गए थे 11 दल : एआईयूडीएफ

गुवाहाटी (हि.स.)। एआईयूडीएफ के विधायक करीमुद्दीन बरभुइयां ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस के नेतृत्व में 11 राजनीतिक दल के नेता दिल्ली पिकनिक मनाने गए थे। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि दिल्ली में जाकर फाइव स्टार होटल में रहकर पिकनिक मना कर ये सभी लौट आए। ज्ञात हो कि 11 राजनीतिक दल राज्य के लिए जारी परिसिमन मसौदा सूची का मुख्य चुनाव आयुक्त के समक्ष विरोध दर्ज कराने के लिए दिल्ली पहुंचे थे। विपक्षी दल में एआईयूडीएफ -शेष पृष्ठ दो पर

चुनाव में जानबूझकर केंद्रीय बलों को तैनात नहीं किया गया : दिलीप घोष

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को आरोप लगाया कि राज्य में पंचायत चुनावों के दौरान केंद्रीय बलों को *जानबूझकर* तैनात नहीं किया गया। इसपर, सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने कहा कि इस बात की कोई गारंटी नहीं थी कि यदि केंद्रीय बलों को तैनात किया जाता, तो हिंसा नहीं होती। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिलीप घोष ने कहा कि यदि संवेदनशील स्थानों पर -शेष पृष्ठ दो पर

यूसीसी : केरल में सीपीआईएम को आईयूएमएल ने दिया झटका

मलप्पुरम। समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के मुद्दे पर केरल की सत्तारूढ़ पार्टी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) को झटका लगा है। केरल में कांग्रेस की मुख्य सहयोगी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) ने रविवार को समान नागरिक संहिता से जुड़े सेमिनार में शामिल होने के सीपीआई (एम) के आमंत्रण को अस्वीकार कर दिया। आईयूएमएल ने कहा कि सबसे पुरानी पार्टी (कांग्रेस) को दरकिनार कर कोई भी इस मुद्दे पर आगे नहीं बढ़ सकता। सीपीआई (एम) की राज्य इकाई के सचिव एमवी गोविंदन के प्रस्ताव ने कांग्रेस को नाराज किया था, उन्होंने वाम दल पर राजनीतिक लाभ लेने के -शेष पृष्ठ दो पर

हिमाचल में भारी बारिश-भूस्खलन से पांच लोगों की मौत

शिमला (हि.स.)। हिमाचल प्रदेश में रविवार को भी बारिश का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। भारी बारिश के कारण कई जगह भूस्खलन और बाढ़ की घटनाएं सामने आ रही हैं। बीते 24 घंटे में बाढ़ और भूस्खलन की 27 घटनाओं में पांच लोगों की मौत हो गई। इस दौरान 11 घर क्षतिग्रस्त हुए। कालका-शिमला हेरिटेज रेल मार्ग पर कई जगह भूस्खलन होने से ट्रेनों की आवाजाही ठप है। शिमला, मंडी, कुल्लू और सोलन जिले में कुदरत ने ज्यादा कहर बरपाया है। शिमला में तीन और चंबा एवं कुल्लू में एक-एक व्यक्ति की मौत हो गई। इनमें 11 साल का एक किशोर भी शामिल है। मूसलाधार वर्षा से राज्य की सभी प्रमुख नदियां, उप नदियां एवं नाले उफान पर हैं। कई स्थानों पर -शेष पृष्ठ दो पर

टिपरा मोथा को तोड़ने की हो रही साजिश : प्रद्योत किशोर

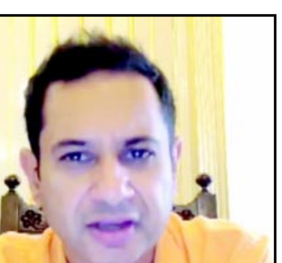

अगरतला। टिपरा मोथा सुप्रीमो प्रद्योत किशोर माणिक्य देबबर्मा ने आरोप लगाया है कि त्रिपुरा में क्षेत्रीय पार्टी के कार्यकर्ताओं के बीच एकता को बिगाड़ने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने पूर्वोत्तर राज्य सरकार पर भी हमला किया और दावा किया है कि उनकी पार्टी द्वारा संचालित त्रिपुरा जनजातीय क्षेत्र स्वायत्त जिला परिषद को बजटीय आउटलेट में केवल दो प्रतिशत के लिए आवंटित किया गया था। देबबर्मा ने शनिवार को पश्चिम त्रिपुरा के मधब्बारी में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि समुदाय -शेष पृष्ठ दो पर

विपक्षी एकता का पहला विकेट गिरने के आसार

अध्यादेश को लेकर आप के रुख से नाराज कांग्रेस

नई दिल्ली। बेंगलुरु में होने वाली विपक्षी एकता की बैठक में हफ्ते भर का वक्त बाकी है, लेकिन आम आदमी पार्टी (आप) के रुख को लेकर संशय बना हुआ है। दरअसल, बेंगलुरु की बैठक के लिए निमंत्रण मिलने बाद अरविंद केजरीवाल ने फिर से अध्यादेश को लेकर बंदूक कांग्रेस की तरफ तान दी है। केजरीवाल ने दावा किया कि पटना वाली बैठक में कांग्रेस ने संसद सत्र से 15 दिन पहले अपना अध्यादेश पर अपना रुख बता देने का वादा किया था। इस बयान के बाद कांग्रेस के सूत्रों ने दावा किया है कि केजरीवाल का रवैया बचकाना है और 15 दिन की बात आदतन झूठ है। कांग्रेस के मुताबिक, विपक्षी एकता की बैठक का उद्देश्य 2024 के लिए रणनीति बनाना है न कि दिल्ली पर आए अध्यादेश पर चर्चा करना। कांग्रेस ने साफ तौर पर केजरीवाल के दावे को नकार दिया है। पटना में हुई बैठक में जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने अनुच्छेद 370 पर केजरीवाल को घेर लिया था। केंद्र सरकार ने जब कश्मीर को लेकर जब ये बड़ा फैसला लिया था तब आम आदमी पार्टी ने इसका समर्थन किया था। बैठक में जैसे ही केजरीवाल ने भाजपा सरकार की तानशाही रवैए पर सभी विपक्षी दलों -शेष पृष्ठ दो पर

अर्धसैनिक बलों के लाखों जवानों को झटका एससी ने पुरानी पेंशन के आदेश पर लगाया स्टे

नई दिल्ली। केंद्रीय अर्धसैनिक बलों (सीएपीएफ) के लाखों जवानों का पुरानी पेंशन मिलने का सपना फिलहाल टूट गया है। इस साल 11 जनवरी को सीएपीएफ में पुरानी पेंशन व्यवस्था लागू करने को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट ने जो बड़ा फैसला दिया था, उस पर केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से स्टे ऑर्डर ले लिया है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस बेला त्रिवेदी की बेंच ने हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता पेश हुए थे। बता दें कि केंद्रीय अर्धसैनिक बलों में *पुरानी पेंशन* लागू करने को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट ने 11 जनवरी को दिए अपने फैसले में कहा था कि *सीएपीएफ* में आठ सप्ताह के भीतर पुरानी पेंशन लागू कर दी जाए। केंद्र सरकार, हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में तो नहीं गई, मगर अदालत से 12 सप्ताह का समय मांग लिया। इसमें खास -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact
97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

जैन मुनि की हत्या में गहरी साजिश भाजपा ने की जांच की मांग

कर्नाटक। कर्नाटक में दिगंबर जैन मुनि आचार्य श्री कामकुमारा नंदी महाराज की हत्या से सनसनी फैल गई है। हत्या के बाद आरोपियों ने उनके शव के टुकड़े कर बोरवेल में फेंक दिए थे। अब भाजपा ने हत्या की गहन जांच की मांग की। भाजपा के राज्य प्रमुख नलिन कुमार कतील ने रविवार को घटना की निंदा की। उन्होंने अपराध से संबंधित सभी पहलुओं को शामिल करते हुए गहन जांच की मांग की। साथ ही राज्य सरकार से साधु-संतों को सुरक्षा मुहैया कराने की भी अपील की। कतील ने कहा कि सरकार को इस मामले को गंभीरता से लेना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि दोषियों पर केस दर्ज किया जाए। वहीं, भाजपा प्रवक्ता एन रवि कुमार ने सरकार से मामले की ठीक से जांच करने की अपील की। उन्होंने कहा हत्या की जांच सख्ती से होनी चाहिए। इस अपराध में और लोग भी शामिल हो सकते हैं। इस बीच, जैन मुनि का अंतिम संस्कार रविवार को हिरेकोड़ी गांव में जैन परंपराओं के अनुसार किया गया। पुलिस ने बताया कि कामकुमारा नंदी महाराज 15 साल से नंदी पर्वत जैन मठ में रहते थे। 6 जुलाई को उनके प्रबंधक बसाड़ी भीमप्पा उगारे ने उनके लापता होने की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने जांच शुरू की तो सामने आया कि मुनि लोगों को ऋण दिया करते थे। संदिग्धों को भी उन्होंने पैसा दिया था, जिसे वापस मांग रहे थे, लेकिन बदले में दोनों ने उनकी हत्या कर दी। लगावी जिले के चिक्कोड़ी तहसील की इस घटना में दो आरोपियों नारायण बसप्पा माडी और हसन दलायथ को गिरफ्तार किया गया है। उनसे पूछताछ के बाद एक बोरवेल से मुनिक के शव के टुकड़े बरामद किए गए।

सीएम ने राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस की 75वीं वर्षगांठ पर दीं शुभकामनाएं

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस की 75वीं वर्षगांठ पर शुभकामनाएं हैं। मुख्यमंत्री ने फेसबुक पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा है, %ज्ञान, शील, एकता% मंत्र के साथ विश्व के सबसे बड़े छात्र निकाय नेशनल स्टूडेंट डे (राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस) के रूप में मनाया जाने वाले राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस की 75वीं वर्षगांठ पर मैं शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने कहा है कि मैं प्रत्येक अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के कार्यकर्ता से आग्रह करता हूं कि संगठन के आदर्श वाक्य का पालन करें और राष्ट्र निर्माण की दिशा में अपने प्रयासों को जारी रखें।

लंका के पूब उदाली में जंगली हाथियों का आतंक

नगांव (हिंस)। नगांव जिले के लंका के पूब उदाली में जंगली हाथियों के आतंक से लोग त्रस्त हैं। बताया जाता है कि रात में जंगली हाथी भोजन की तलाश में लमडिंग रिजर्व फॉरेस्ट से बाहर आए और 6/7 स्थानीय लोगों के घरों में तोड़फोड़ की। जंगली हाथी पक्के घरों सहित अन्य लोगों के घरों को नष्ट कर गए। साथ ही घर में एकत्र कर रखे धान को खा लिया। बागान के पेड़ों और कटहल के पेड़ों को तोड़ डाला। पूरे कठियातली इलाके में जमकर नुकसान पहुंचाया। रात में किसी तरह स्थानीय गांववासी छोटे बच्चों के साथ अपनी जान बचा सके। स्थानीय ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि वन विभाग द्वारा सूचित किए जाने के बाद भी वन विभाग से मौके पर कोई नहीं आया। स्थानीय ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि केवल वन विभाग का एक व्यक्ति आया था और सुबह खबर लेकर चला गया। भुक्तभोगी गांववासियों ने सरकार से जंगली हाथियों से सुरक्षा के कड़े इंतजाम करने का आग्रह किया है।

कोकराझाड़ जिले के बासुगांव रामकृष्ण आश्रम में स्वामी कृपानंद महाराजजी ने विद्यार्थियों के बीच बांटे शैक्षणिक सामग्री।

भारी मात्रा में हेरोइन समेत एक गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के वीआईपी रोड के नारंगी तिनाली इलाके में पुलिस की एक विशेष टीम ने अभियान चलाकर भारी मात्रा में प्रतिबंधित हेरोइन समेत एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। इसकी जानकारी गुवाहाटी के पुलिस कमिश्नर ने दी है। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि रविवार की दोपहर को एडीसीपी सेंट्रल, एसीपी नूनमाटी अपने स्टाफ और एसआई अब्दुल मोमिन के सहयोग से वीआईपी रोड के नारंगी तिनाली के निकट चलाए गए अभियान के दौरान यहीया खान (35, मनीपुर) को भारी मात्रा में हेरोइन समेत गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी के पास से 9 साबुनदानी में छिपाकर रखे गए कुल 109.91 ग्राम हेरोइन जब्त किया गया है। गिरफ्तार आरोपी मणिपुर से इंडिगो एयर बस के जरिए गुवाहाटी पहुंचा था। गुवाहाटी में गिरफ्तार आरोपी हेरोइन को बेचने के लिए पहुंचा था। पुलिस इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार तस्कर से सघन पूछताछ कर रही है।

मंत्र दीक्षा एवं तेयुप शपथ विधि समारोह संपन्न

गुवाहाटी। युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी की विदुषी सुशिष्या साध्वी स्वर्णरेखा ठाणा-4 के पावन सान्निध्य में मंत्र दीक्षा एवं तेरापंथ युवक परिषद, गुवाहाटी (सत्र 2023-24) का शपथ विधि समारोह रविवार दिनांक 09.07.2023 को सुबह 9 बजे स्थानीय तेरापंथ धर्मस्थल में जैन संस्कार विधि से आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ तेयुप साथियों द्वारा प्रस्तुत मंगलाचरण से हुआ। अभातेयुप द्वारा निर्देशित **मंत्र दीक्षा** कार्यक्रम में साध्वी ने बच्चों को मंत्र दीक्षा का संकल्प करवाया। रिहाबाड़ी एवं जीएस रोड ज्ञानशाला के बच्चों द्वारा संवाद *ज्ञानशाला कठघरे में* की प्रस्तुत की गई। मंत्र दीक्षा लेने वाले बच्चों एवं ज्ञानशाला के अन्य बच्चों को तेयुप गुवाहाटी द्वारा मंत्र दीक्षा किट दिए गए। इस अवसर पर अध्यक्ष मनीष कुमार सिंघी ने समारोह में पधारे सभी महानुभावों का स्वागत किया एवं विगत वर्ष में पूरे समाज से मिले सहयोग के लिए तहेदिल से आभार ज्ञापन किया। नवमनोनीत अध्यक्ष जयंत सुराणा को अध्यक्ष मनीष कुमार सिंघी ने शपथ दिलाई।

करंट लगने से पीएचई कर्मी की मौत

सिलचर (हिंस)। लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग की जल आपूर्ति योजना परिसर में रविवार को पानी चढाने की कोशिश में एक कर्मचारी की करंट की चपेट में आ गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान परवेज अहमद बरभुइयां के रूप में हुई है। युवक की मौत की खबर से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। घटना से गुस्साए लोगों ने सिलचर-कलाइन मार्ग पर जाम लगा दिया और प्रदर्शन किया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि विभाग की लापरवाही से घटना हुई है।

पृष्ठ एक का शेष

राज्य में सब्जियों ...

है। देशभर में सब्जियों के दाम बढ़ गए हैं। इसलिए सब्जी विक्रेताओं से भी मोलभाव करने का कोई फायदा नहीं है। हां, हम जितनी सब्जियां खरीदते थे, वह अब कम हो गई है। लेकिन फिर हमें परिवार का पेट भरने के लिए ये सब्जियां खरीदनी पड़ती हैं। टमाटर ही नहीं बल्कि मिर्च, प्याज, आलू, तुरई, भिंडी, स्पाइनी लौकी की कीमतों में भी भारी वृद्धि हुई है।

रील लाइफ पर ...

था कि राहुल ने धान की बुआई की, ट्रैक्टर चलाया और खेतों में काम करने वाली महिला मजदूरों के लिएए लाया गया खाना खाया। किसानों के साथ राहुल के एक शॉर्ट वीडियो को साझा करते हुए अपने ट्वीट में शर्मा ने कहा कि राजकुमार में अचानक पैदा हुई वास्तविक दिखने की इच्छा और उतावलापन हास्यास्पद है। लेकिन भगवान के लिए अपनी फोटो और वीडियो टीम से तस्वीरें खिंचवाने के उत्साह में हमारे अन्नदाताओं की गरिमा से खिलवाड़ न करें। शर्मा ने कहा कि खुद को किसान बताने के लिए किसानों से धक्का-मुक्की करना निंदनीय है मिस्टर गांधी। रील जीवन पर ध्यान देने के बजाय रियल बनें।

मणिपुर : विरोधी समूह ...

का केंद्र बना हुआ है। चिंता की बात यह है कि ये क्वॉडकॉप्टर बाजार में आसानी से उपलब्ध हैं और दिन हो या रात लगातार समूहों द्वारा एक-दूसरे के क्वॉडकॉप्टर को गिराने के लिए गोलीबारी की जा रही है। दूसरी ओर सेना और असम राइफल्स राहत एवं बचाव कार्य के लिए ड्रोन का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसकी मदद से दक्षिण-पूर्वी मणिपुर के काकचिंग जिले में करीब 2000 आम नागरिकों को बचाया भी गया है।

हाई कोर्ट के आदेश...

प्रसार सुनिश्चित नहीं होगा। मणिपुर हाई कोर्ट ने शनिवार को सिफारिश की कि बीरेन सिंह सरकार को मामले-दर-मामले आधार पर घरेलू कनेक्शन के लिए सीमित इंटरनेट पहुंच प्रदान करने के साथ-साथ इंटरनेट प्रतिबंधों की जांच करने वाली विशेषज्ञ समिति के अनुशंसित सुरक्षा उपायों का अनुपालन करने पर विचार करने की आवश्यकता है। विशेषज्ञ समिति के अनुशंसित सुरक्षा उपायों में इंटरनेट की गति को 10 एमबीपीएस तक सीमित करना और गृह विभाग के दिए गए अधिकृत मोबाइल नंबरों को *व्हाइट-लिस्टेड* रखना शामिल है। सेवा प्रदाताओं ने आश्वासन दिया है कि इंटरनेट का उपयोग विशेष रूप से इन श्वेत-सूचीबद्ध मोबाइल नंबरों तक ही सीमित रहेगा, जिससे कोई अनाधिकृत पहुंच या सूचना का प्रसार सुनिश्चित नहीं होगा। इस मामले में अगली सुनवाई 25 जुलाई को होगी। मणिपुर सरकार ने हाई कोर्ट को आश्वासन दिया है कि वह सीमित इंटरनेट पहुंच के लिए परीक्षण करेगी। यह प्रस्तावित सुरक्षा उपायों को लागू करने में प्रगति की रूपरेखा बताते हुए 15 दिनों के भीतर एक रिपोर्ट भी प्रस्तुत करेगा। सरकार ने कहा कि श्वेत-सूचीबद्ध ग्राहक अपने नेटवर्क पर द्वितीयक उपयोगकर्ताओं के किए गए किसी भी अवैध कार्यों के लिए व्यक्तिगत जिम्मेदारी लेते हैं। प्राथमिक ग्राहकों के लिए द्वितीयक उपयोगकर्ताओं और उनके इंटरनेट उपयोग विवरण का लॉग बनाए रखना अनिवार्य होगा। सरकार के इंटरनेट सेवाओं के बंद कर देने से बिल भुगतान, शिक्षा कार्यक्रम और निजी कंपनियों का नियमित संचालन बाधित हो गया है।

राज्य सरकार ने 40,970 ...

जारी कर दिया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि 45,983 सरकारी और प्रांतीय स्कूलों में 2,42,114 शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों में से कुल 2,08,531 ने शिक्षा सेतु पर अपना प्रोफाइल अपडेट किया है। हमारे पास 45,983 सरकारी और प्रांतीय स्कूलों में कुल 2,42,114 शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारी हैं। इनमें से 2,08,531 शिक्षकों ने शिक्षा सेतु में अपनी प्रोफाइल अपडेट कर दी है, और 33583 (प्राथमिक और 7466 माध्यमिक विद्यालयों के 26117) कर्मचारियों ने अभी तक अपनी प्रोफाइल अपडेट नहीं की है। उन्होंने एक अन्य ट्वीट में कहा कि मैं सभी कर्मचारियों से यथाशीघ्र इसे अपडेट करने का अनुरोध करता हूं।

मणिपुर में किसानों की ...

जाएगा। उन्होंने कहा कि लगभग दो महीने की हिंसा के कारण राज्य में कृषि क्षेत्र में काफी व्यवधान हुआ है। इसलिए सरकार ने यह फैसला लिया है। आईजीपी मुइवा ने कहा कि राज्य सरकार ने यह कदम इसलिए उठाया है ताकि कृषि गतिविधियां सघन रूप से चल सकें। वे सुरक्षा बल केवल किसानों की दैनिक कृषि गतिविधियों में सुरक्षा करेंगे। उन्होंने कहा कि हालांकि, किसानों को अपने काम के लिए बाहर जाने से पहले अपने संबंधित जिलों के पुलिस अधीक्षक से संपर्क करना चाहिए। ऐसे में पुलिस महानिरीक्षक ने किसानों से अपील है कि यदि किसी क्षेत्र में सुरक्षा की स्थिति नहीं है तो संबंधित क्षेत्र के किसान खेती के लिए अपने घरों से बाहर न निकलें। उन्होंने कहा कि पहले से ही इंफाल पश्चिम जिले में 822, इंफाल पूर्व में 290, बिष्णुपुर में 236, थौबल में 147, काकचिंग में 204, कांगपोकपी में 200 और चुराचांदपुर जिले में 300 सशस्त्र केंद्रीय सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया गया है। पिछले 48 घंटों में चलाए गए ऑपरेशन के बारे में मणिपुर पुलिस के आईजी मुइवा ने कहा कि उस दौरान राज्य पुलिस और केंद्रीय बलों ने खतरनाक, संवेदनशील और दूरदराज के इलाकों में व्यापक तलाशी अभियान चलाया। जिन क्षेत्रों में अभियान चलाया जा रहा है उनमें ख्वाइजुमांबी के पास लांगजा क्षेत्र की पहाड़ी चोटियां, चुराचांदपुर की पूर्वी और पश्चिमी चिनलांगमेई पर्वत श्रृंखलाएं, उखा ताम्पाक, फुइसनफई, मोइरंग ट्यूरेल मैपल वार्ड 9 और बिष्णुपुर जिले के फुगाकचाओ इखाई अवांग लीकाई, कांगपोकपिजार का सोकोम गांव, नाजारेथ गांव, केइफोम गांव, सहुमफई गांव, खुनबी बाजार क्षेत्र शामिल हैं। हालांकि छापेमारी में कुछ भी बरामद नहीं हुआ।

यूसीसी : केरल में ...

लिए यूसीसी को हिंदू बनाम मुस्लिम में तब्दील करने का आरोप लगाया था। रविवार को यहां पनक्कड़ में आईयूएमएल नेतृत्व की बैठक के बाद पार्टी की राज्य इकाई के प्रमुख सैयद सादिक अली थंगल ने संवाददाताओं से कहा कि आईयूएमएल ने सीपीआई (एम) के प्रस्ताव को अस्वीकार करने का फैसला किया है। आईयूएमएल के इस फैसले को सत्तारूढ़ पार्टी के लिए एक झटके के तौर पर देखा जा रहा है, क्योंकि सत्तारूढ़ दल को उम्मीद थी कि पार्टी उसके सेमिनारों में शामिल होगी। इससे पहले दिन में गोविंदन और शिक्षा मंत्री वी शिवनकुट्टी ने उम्मीद जताई थी कि आईयूएमएल राज्यभर में होने वाले सेमिनारों में भाग लेगी। इन सेमिनारों का मकसद यूसीसी को लेकर जागरुकता पैदा करना है। गोविंदन ने कहा कि कांग्रेस को अपने सेमिनारों में आमंत्रित नहीं किया जा सकता, क्योंकि यूसीसी पर सबसे पुरानी पार्टी का रुख स्पष्ट नहीं है और इस मुद्दे पर हर राज्य में उसका रुख अलग दिखा है। आईयूएमएल नेतृत्व की बैठक के बाद थंगल ने कहा कि इस मुद्दे पर सभी दल सेमिनार या कार्यक्रम आयोजित करने के लिए स्वतंत्र हैं और सभी दलों अथवा धार्मिक संगठनों को उसमें शामिल होने या शामिल नहीं होने की आजादी है। उन्होंने कहा कि हम यूडीएफ के अहम घटक दल हैं और चूंकि सीपीआई (एम) ने अपने सेमिनार में एक भी यूडीएफ सदस्य को आमंत्रित नहीं किया है, इसलिए हम इसमें शामिल नहीं हो सकते। कांग्रेस इकलौती ऐसी पार्टी है, जो राष्ट्रीय स्तर पर यूसीसी के खिलाफ विपक्ष को एकजुट कर सकती है। थंगल ने कहा कि कोई भी कांग्रेस को दरकिनार करके यूसीसी के विरोध में आगे नहीं बढ़ सकता। इसके अलावा, कांग्रेस के बिना सम्मेलनों में हिस्सा लेने से केरल के राजनीतिक भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। इसलिए आईयूएमएल ने वाम दल के निमंत्रण को अस्वीकार कर दिया। सुन्नी मुस्लिम स्कॉलर और मौलवियों का एक प्रभावशाली धार्मिक संगठन समस्त केरल जमियथुल उलमा ने शनिवार को कहा था कि वह सीपीआई (एम) के साथ सहयोग करेगा और यूसीसी पर अगले सप्ताह होने वाले सेमिनार में भाग लेगा।

हिमाचल में भारी...

बारिश से जलभराव और सड़कों का कटाव देखने को मिला है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने भारी वर्षा के मद्देनजर लोगों से सतर्क रहने और नदी-नालों के नजदीक न जाने की अपील की है। उन्होंने राज्य के स्कूलों एवं कॉलेजों में अगले दो दिन यानी 10 व 11 जुलाई को अवकाश का ऐलान किया है। मुख्यमंत्री के आदेश के बाद शिक्षा निदेशालय ने सभी सरकारी एवं निजी कॉलेजों में अगले दो दिन अवकाश की अधिसूचना जारी कर दी है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे भारी वर्षा का येलो अलर्ट जारी किया है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की रिपोर्ट के मुताबिक शिमला जिला के कोटगड़ में एक घर के ध्वस्त होने से दंपति समेत बच्चे की मौत हो गई। चंबा के ककियां में भूस्खलन से एक पुरुष और कुल्लू के लंकाबेकर में एक महिला की मृत्यु हुई। किन्नौर जिले के सांगला में बाढ़ से एक पुल के क्षतिग्रस्त होने से दो वाहन बह गए। आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की रिपोर्ट के अनुसार व्यापक वर्षा से राज्यभर में तीन नेशनल हाइवे समेत 736 सड़कें, 1743 बिजली के ट्रांसफॉर्मर और 138 पानी की स्कीमें बंद हो गई हैं। भूस्खलन से मंडी जिला में मंडी-कुल्लू नेशनल हाइवे-21, सिरमौर जिला में नेशनल हाइवे-707 और लाहौल-स्पीति में नेशनल हाइवे-505 अवरुद्ध है। मंडी जिला में सबसे ज्यादा 172 सड़कें बंद हुई हैं। इसी तरह शिमला में 122, कुल्लू में 120, लाहौल-स्पीति में 88, सोलन में 82, चंबा में 76, सिरमौर में 48, ऊना में 13, बिलासपुर में आठ और किन्नौर में चार सड़कें बाधित हैं। भारी वर्षा से 1743 ट्रांसफार्मरों के बंद पड़ जाने से कई इलाके अंधेरे में डूब गए हैं। सोलन में 720, ऊना में 579, कुल्लू में 488, सिरमौर में 407, मंडी में 311, किन्नौर में 160, शिमला में 111, बिलासपुर में 102, चंबा में 70 और कांगड़ा में तीन ट्रांसफार्मर खराब हुए हैं। राजधानी शिमला में व्यापक वर्षा से जनजीवन अस्त-व्यस्त है। कई जगह पेड़ गिरने से सड़कों के बाधित होने से जहां यातायात प्रभावित हुआ है, वहीं वाहनों को भी नुकसान पहुंचा है। शहर के फागली क्षेत्र में सुबह के वक्त भारी-भरकम पेड़ कार पर जा गिरा। कार में मासूम बच्चे के साथ मां भी मौजूद थी। हादसे में दोनों की जान बाल-बाल बची है। शिमला-मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग- 205 पर घंडल के पास बने लोहे के ब्रिज के नीचे से भूस्खलन हो रहा है जिस कारण पुल पर यातायात एकतरफा किया गया है। शिमला पुलिस ने निर्देश दिए हैं कि शिमला से निचले हिमाचल को जाने वाले वाहन घंडल के पास बने लोहे के ब्रिज से ही गुजरेंगे, जबकि निचले हिमाचल से शिमला की ओर आने वाले वाहनों को वैकल्पिक सड़क कालीहट्टी, नालहट्टी, हरीदेवी का रूट निर्धारित किया गया है। ठियोग में नेशनल हाइवे-पांच पर लोहे के पुल को एहतियातन हर प्रकार के लोड ट्रकों के लिए बंद किया गया है। हालांकि अन्य यातायात के लिए पुल खुला रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार बीते 24 घंटों में ऊना जिला के रामपुर में सर्वाधिक 23 सेंटीमीटर वर्षा रिकार्ड हुई है।

टिपरा मोथा को ...

में *थांसा* (एकता) को बिगाड़ने का प्रयास किया जा रहा है। हममें से कई लोग उपाध्यक्ष, महासचिव, मंत्री और कार्यकारी सदस्य बनने की इच्छा रखते हैं, लेकिन अगर हम व्यक्तिगत आकांक्षाओं के बारे में सोचेंगे, तो अगली पीढ़ी का क्या होगा? शाही वंशज से नेता बने देबबर्मा ने यह भी कहा कि वह पार्टी पद पाने के लिए ब्लैकमेलिंग की अनुमति नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि कई लोगों ने मुझसे फोन पर बात की और पार्टी में पद मांगा। उन्होंने मुझे धमकी भी दी कि अगर उनकी मांग पूरी नहीं हुई तो वे कैंप छोड़ देंगे। मैंने उनसे कहा कि वे जहां जाना चाहें, जाएं। अगर आप में हिम्मत है तो उन लोगों को ब्लैकमेल करें जो कोकबोरोक के लिए जबरदस्ती बांग्ला लिपि लिखते हैं। बता दें कि कोकबोरोक पूर्वोत्तर राज्य की एक स्वदेशी भाषा है। आदिवासी क्षेत्र परिषद के लिए अल्प बजटीय आवंटन के लिए राज्य सरकार की आलोचना करते हुए, देबबर्मा ने कहा कि क्या यह *सबका साथ सबका विकास* का उदाहरण है? गौरतलब है कि त्रिपुरा के वित्त मंत्री प्राणजीत सिंघा रॉय ने शुक्रवार को राज्य विधानसभा में चालू वित्त वर्ष के लिए 27,654 करोड़ रुपए का बजट रखा था। देबबर्मा ने *टिप्रासा* (स्वदेशी लोगों) को यह भी आश्वासन दिया कि वह अपनी मृत्यु तक उनके साथ रहेंगे और कहा कि टिपरा मोथा 15 जुलाई से पार्टी के दो दिवसीय पूर्ण सत्र के बाद टिपरालैंड के लिए एक आंदोलन शुरू करेगा।

अध्यादेश को लेकर ...

का समर्थन मांगा तो उमर ने उन्हें 370 पर उनका बयान याद दिला दिया। यही नहीं केंद्र सरकार पर सत्ता के दुरुपयोग पर वाले तर्क पर उन्हें पंजाब में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के उत्पीड़न वाले सवालों का सामना करना पड़ा। ऐसे में बाकी के विपक्षी दलों के मन में सवाल ये भी है कि जिस तेजी से दिल्ली के अध्यादेश पर केजरीवाल सबका समर्थन चाहते हैं वैसी ही परिपक्वता वो बाकी दलों के लिए दिखा पाएंगे? भाजपा को हटाने के विपक्षी एकता का सबसे बड़ा फॉर्मूला है कि जिस राज्य जिस पार्टी का पलड़ा भारी हो तो बाकी के दल उसे सहयोग करें। लेकिन इसके उलट आम आदमी पार्टी ने राजस्थान और मध्य प्रदेश के लिए चुनावी बिगुल फूंक दिया। अरविंद केजरीवाल ने पटना की बैठक के बाद ग्वालियर से आम आदमी पार्टी के चुनाव प्रचार की शुरुआत कर दी। यही नहीं राजस्थान और छत्तीसगढ़ में आम आदमी पार्टी ने कैंपेनिंग शुरू कर दी है। आम आदमी पार्टी को ये अच्छे से मालूम है कि वो इन राज्यों में चुनाव जीतने की स्थिति में तो नहीं है, लेकिन कांग्रेस की उम्मीदों पर पानी फेरते हुए वोट कटवा जरूर बन जाएगी। अब ऐसे में गुजरात से लेकर गोवा और दिल्ली के चुनावों के ट्रैक रिकॉर्ड को देखते हुए कांग्रेस को के मानना है कि केजरीवाल विपक्षी एकता से बाहर निकलने के लिए रास्ता तलाश रही है। ऐसे में विपक्षी दल के अहम नेताओं ने बीच-बचाव का कोई रास्ता नहीं निकाला तो बंगलुरु में ही विपक्षी एकता का केजरीवाल के रूप में विकेट गिरने के आसार हैं।

अर्धसैनिक बलों के ...

बात ये रही कि केंद्र सरकार ने हाईकोर्ट के समक्ष जो दलील दी, उसमें 12 सप्ताह में ओपीएस लागू करने की बात नहीं कही। इस मुद्दे पर महज सोच-विचार के लिए समय मांगा गया था। मतलब, इस अवधि में केंद्र सरकार, दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में भी जा सकती है या कानून के दायरे में कोई दूसरा रास्ता भी अख्तियार कर सकती है। केंद्र सरकार ने हाईकोर्ट में दी अपनी याचिका में ये सब अधिकार अपने पास सुरक्षित रखे थे। केंद्र सरकार, कई मामलों में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों को सशस्त्र बल मानने को तैयार नहीं थी। पुरानी पेंशन का मुद्दा भी इसी चक्कर में फंसा हुआ था। पहली जनवरी 2004 के बाद केंद्र सरकार की नौकरियों में भर्ती हुए सभी कर्मियों को पुरानी पेंशन के दायरे से बाहर कर दिया गया था। उन्हें एनपीएस में शामिल कर दिया गया। सीएपीएफ को भी सिविल कर्मचारियों के साथ पुरानी पेंशन से बाहर कर दिया। उस वक्त सरकार का मानना था कि देश में सेना, नेवी और वायु सेना ही सशस्त्र बल हैं। बीएसएफ एक्ट 1968 में कहा गया है कि इस बल का गठन भारत संघ के सशस्त्र बल के रूप में किया गया था। इसी तरह सीएपीएफ के बाकी बलों का गठन भी भारत संघ के सशस्त्र बलों के रूप में हुआ है। कोर्ट ने माना है कि सीएपीएफ भी भारत के सशस्त्र बलों में शामिल हैं। इस लिहाज से उन पर भी एनपीएस लागू नहीं होता। सीएपीएफ में कोई व्यक्ति चाहे आज भर्ती हुआ हो, पहले हुआ हो या भविष्य में हो, वह पुरानी पेंशन का पात्र रहेगा। गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 6 अगस्त 2004 को जारी पत्र में घोषित किया गया है कि गृह मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत केंद्रीय बल संघ के सशस्त्र बल हैं। सीएपीएफ के जवानों और अधिकारियों का कहना है कि केंद्रीय अर्धसैनिक बलों में फौजी महकमे वाले सभी कानून लागू होते हैं। सरकार खुद मान चुकी है कि ये बल तो भारत संघ के सशस्त्र बल हैं। इन्हें अलाउंस भी सशस्त्र बलों की तर्ज पर मिलते हैं। इन बलों में कोर्ट मार्शल का भी प्रावधान है। इस मामले में सरकार दोहरा मापदंड अपना रही है। अगर इन्हें सिविलियन मानते हैं तो आर्मी की तर्ज पर बाकी प्रावधान क्यों हैं। फोर्स के नियंत्रण का आधार भी सशस्त्र बल है। जो सर्विस रूल्स हैं, वे भी सैन्य बलों की तर्ज पर बने हैं। अब इन्हें सिविलियन फोर्स मान रहे हैं तो ऐसे में ये बल अपनी सर्विस का निष्पादन कैसे करेंगे। इन बलों को शपथ दिलाई गई थी कि इन्हें जल थल और वायु में जहां भी भेजा जाएगा, ये वहीं पर काम करेंगे।

दिल्ली पिकनिक ...

को शामिल नहीं है। उन्होंने आज मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली में जाकर क्षेत्र पुनर्निर्धारण से संबंधित शिकायतें चुनाव आयोग को देने के बदले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को देकर चले आए। एमएलए बरभुइयां ने आरोप लगाया कि ये सभी नेता चुनाव आयोग कार्यालय के बरामदे में जाकर बोर्ड के साथ तस्वीरें खींचकर वापस आ गए। चुनाव आयुक्त से मिलने की बात तो दूर कार्यालय के अंदर तक नहीं घुसे। विधायक ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा, सांसद अजीत भुइयां, अखिल गोगोई, लुरिन ज्योति गोगोई आदि नेता असम की जनता को भ्रमित कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विस्व शर्मा की सलाह पर ये सभी दिखावे के तौर पर दिल्ली गए थे। बरभुइयां ने आज मीडिया के सामने 11 विपक्षी दलों को जमकर खरी-खोटी सुनाई। उल्लेखनीय है कि विपक्षी दलों के इस गठबंधन में एआईयूडीएफ को शामिल नहीं किया गया है। कांग्रेस और एआईयूडीएफ दोनों के बीच राज्य के मुसलमानों का मसीहा बनने की प्रतिस्पर्धा चल रही है। 2024 के आम चुनाव के दिन करीब आते जाने के साथ ही यह प्रतिस्पर्धा भी तेज होती जा रही है।

चुनाव में जानबूझकर ...

केंद्रीय (सशस्त्र पुलिस) बलों को तैनात किया जाता, तो इतनी हिंसा नहीं होती तथा लोगों ने बिना किसी भय के स्वतंत्र रूप से अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया होता। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बलों को जानबूझकर संवेदनशील क्षेत्रों में तैनात नहीं किया गया। घोष ने आरोप लगाया कि मतदान केंद्रों पर केंद्रीय बलों को तैनात करने के बजाय उनसे राजमार्गों की गश्ती करवाई गई, या उन्हें थानों में रखा गया। उन्होंने दावा किया कि जहां कहीं उन्हें तैनात भी किया गया, वहां हिंसा और मतपत्रों की लूट के बाद ऐसा किया गया। उन्होंने कहा कि कलकत्ता उच्च न्यायालय ने उन्हें सभी मतदान केंद्रों पर तैनात करने का आदेश दिया था, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। इस पर, राज्य में सत्तारूढ़ टीएमसी ने कहा कि इस बात की कोई गारंटी नहीं थी कि यदि केंद्रीय बलों को तैनात किया जाता तो हिंसा नहीं होती। पार्टी के प्रवक्ता कुणाल घोष ने आरोप लगाया कि 2021 के विधानसभा चुनाव के दौरान कूच बिहार में केंद्रीय बलों की गोलीबारी में चार लोगों की जान चली गई थी।

राज्य में बाढ़ ने फिर ...

शिवसागर शामिल हैं। बाढ़ से 17 राजस्व सर्किल अंतर्गत 122 गांवों के 29 हजार 612 लोग प्रभावित हुए हैं। बाढ़ से कुल 1263.07 हेक्टेयर फसल प्रभावित हुई है। बाढ़ प्रभावितों के लिए राहत शिविर स्थापित और 18 राहत वितरण केंद्र खोले गए हैं। राहत शिविरों में कुल 15 लोग आश्रय लिए हुए हैं। बाढ़ से राज्य के कुल 15 हजार 296 पशु धन प्रभावित हुए हैं। इनमें बड़े पशुओं की कुल संख्या 8 हजार 123 और छोटे पशुओं की 5 हजार 319 है जबकि 1 हजार 854 कुक्कुट भी प्रभावित हुए हैं। इन इलाकों में बचाव और राहत अभियान चल रहा है। प्रशासन ने चराईदेव में एक, धेमाजी में एक और लखीमपुर में चार मेडिकल टीमों को तैनात किया है। बाढ़ प्रभावितों के बीच खाद्य सामग्रियों का वितरण किया गया। इनमें 225.33 क्विंटल चावल, 40.67 क्विंटल दाल, 12.86 क्विंटल नमक, 1213.95 लीटर सरसों का तेल, पशुओं के लिए गेहूं का चोकर 120.00 क्विंटल और चावल की भूसी 103.20 क्विंटल शामिल हैं। राज्य सरकार की ओर से बाढ़ प्रभावित इलाकों में सभी तरह के आवश्यक कदम उठाए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

स्वर्वेद भाष्य

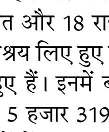

पंचम मंडल **प्रथम अध्याय**

(विविध योग)

योग गुरु जग एक हैं, चारो युग परमान।
परम पुरुष अर्पित किये, मुक्त स्वभाव अमान॥ 13॥

शब्दार्थ : (परमान) साक्षी, लेख (अमान) स्वतंत्र।

भाष्य : संसार में ब्रह्मविद्या योग के गुरु एक हैं, जो चारों युगों में संसार के जीवों के उद्धार के लिए प्रकट होते हैं, जिसका प्रमाण पाया जाता है। वे स्वतंत्र, मुक्त स्वभाव सद्गुरु, परम पुरुष द्वारा जगत के कल्याम के लिए अर्पित किए गए हैं।

योग न वाणी से बने, योग न आसन साध।
योग न प्राणायाम है, कुम्भक विविध न साध॥ 14॥

शब्दार्थ : (साध) साधन (विविध) विविध प्रकार।

भाष्य : योग वाणी से नहीं होता, न योग आसन सिद्ध करने से होता है, न विविध प्रकार के प्राणायाम या कुंभक करने से होता है।

जोराबाट पुलिस ने 61 मवेशी समेत एक पशु तस्कर किया गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के जोराबाट पुलिस चौकी की टीम ने पुलिस चौकी प्रभारी के नेतृत्व में अभियान चलाकर अवैध रूप से 61 मवेशियों को लेकर जा रहे एक ट्रक को जब्त करने के साथ ही एक तस्कर को गिरफतार किया है। पुलिस ने बताया कि आज सुबह 5 बजे जोराबाट पुलिस चौकी प्रभारी कपिल पाठक के नेतृत्व में जोराबट पुलिस चौकी के पास चलाए गए अभियान के दौरान ट्रक (एएस-01ईसी-3219) को जब्त किया गया। जब्त किए गए ट्रक में अवैध तरीके से 61 मवेशियों को धेमाजी जिला से जालुकबारी होते हुए मेघालय के पशु बाजार तक ले जाया जा रहा था। इस मामले में एक पशु तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार पशु तस्कर की पहचान सद्दाम हुसैन के रूप में की गई है। जब्त किए गए वाहन में बड़े ही क्रूर तरीके से सभी पशुओं की तस्करी की जा रही थी। ज्ञात हो कि राज्य में सख्त पशु कानून लागू होने के बावजूद मवेशियों की तस्करी जारी है।

नकली नोट के मामले में एक और व्यक्ति गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। असली नोट लेकर लोगों को दुगुनी राशि लौटा कर देने का झांसा देकर असली के बदले नकली नोट लौटाने के मामले में पुलिस ने आज तड़के एक अन्य अभियुक्त बुलबुल आलम को गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरफ्तारी बरपेटा जिले के आलूगुटी चर क्षेत्र से की गई। पुलिस द्वारा इस अभियुक्त की तलाश 5 जुलाई से ही की जा रही थी। उल्लेखनीय है कि असम पुलिस के डीआईजी पार्थ सारथी महंत ने एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए एसटीएफ की एक टीम के साथ 5 जुलाई को एक अभियान चलाया था। अभियान के दौरान जाली भारतीय मुद्रा नोटों (एफआईसीएन) से संबंधित अवैध गतिविधियों में शामिल सहनूर इस्लाम (28) को गुवाहाटी के आईएसबीटी बाईपास के पास से पकड़ा गया था। मौके पर पूछताछ के बाद अहोम गांव और गुवाहाटी स्थित आरोपी के घर पर तलाशी अभियान चलाया गया था। जहां से 500 मूल्यवर्ग के नकली भारतीय मुद्रा नोटों के बंडल और 500 के भारतीय मुद्रा नोटों के आकार के खाली सफेद कागज के बंडल मिले थे। अब तक की जांच से पता चला है कि आरोपी एक धोखेबाज है, जो लोगों को असली भारतीय मुद्रा नोटों के बदले में दोगुनी राशि प्रदान करने का लालच देता था। जांच में पता चला कि आरोपी लंबे समय से इस अवैध कारोबार में है और उसके गिरोह में और भी लोग हैं। उस गिरोह के एक और व्यक्ति बुलबुल आलम को आज गिरफ्तार करने में पुलिस को सफलता मिली है। इस संबंध में एक मामला केस नंबर 05/2023 यू/एस 120 (बी)/489(ए)/489(सी)/489(डी) आईपीसी के तहत एसटीएफ थाना में दर्ज किया जा चुका है। इस सिलसिले में मोहम्मद सहनूर इस्लाम को गिरफ्तार कर लिया गया था। गिरफ्तार आरोपी द्वारा इस्तेमाल की गई एक मारुति ब्रेजा कार (एएस-01ईके-5644), चार मोबाइल फोन और एक पिस्तौल जैसा दिखने वाला लाइटर भी बरामद किया गया था। इस सिलसिले में और भी सह-आरोपियों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए आगे की जांच जारी है।

शोणितपुर में ड्रैगन फ्रूट की खेती कर रहा युवा किसान

शोणितपुर (हिंस)। जिले के जामुगुड़ीहाट के एक युवा किसान ने इलाके में अपने असाधारण प्रयासों से ड्रैगन फ्रूट की खेती की है। यह आत्मनिर्भरता का एक अच्छा उदाहरण है। खेत भी हमारा, बाजार भी हमारा के नारे के तहत जामुगुड़ीहाट के उत्तरी क्षेत्र के 2 नंबर बरदीकराई गांव के युवा किसान बोसनेट ने ड्रैगन फ्रूट की खेती कर लोगों का ध्यान आकर्षित किया है। इस इलाके में ड्रैगन फ्रूट की खेती की चर्चा खूब हो रही है। बरदीकराई के रहने वाले छात्र बोसनेट ने कृषि कार्य के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने का प्रयास शुरू किया। उसने अपनी एक बीघा जमीन पर ड्रैगन फ्रूट की खेती करके दिखा दिया कि मेहनत और सही प्रयासों से कुछ भी किया जा सकता है। उनकी मेहनत रंग लाई। युवा किसान क्षेत्र के अन्य बेरोजगार युवाओं के लिए एक रोल मॉडल बन गया है। उसका कहना है कि उसने अभी एक बीघा में ड्रैगन फ्रूट की खेती पूरी तरह से जैविक तरीके से की है। उसका कहना है कि आने वाले दिनों में तीन बीघा में ड्रैगन की खेती को विस्तार देने की तैयारी कर रहा है।

लायंस उमंग का *फिड द हंगर* कार्यक्रम आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। महिलाओं की अग्रणी संस्थाओं में से एक लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी उमंग की ओर से फिड द हंगर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। क्लब की जनसंपर्क अधिकारी प्रियंका गर्ग ने बताया कि अध्यक्ष कंचन पोद्दार के नेतृत्व में महानगर के दो अलग-अलग स्थानों पर इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पहला कार्यक्रम बिरुबाड़ी स्थित सेंट जुड़ इंडिया चाइल्ड केयर सेंटर (जिरोनी घर) में किया गया। यहां पर कैंसर से पीड़ित बच्चों के लिए फल, दूध, बिस्कुट सहित अन्य खाद्य वस्तुएं दी गई। दूसरा कार्यक्रम लालमाटी स्थित हेल्पिंग हेंड ओल्ड एज होम में किया गया, जहां वृद्ध लोगों के लिए उनकी जरूरत के हिसाब से खाद्य-वस्तुएं दी गई। अध्यक्ष कंचन पोद्दार ने बताया कि लायंस जिलापाल (प्रथम) सीमा गोयनका के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में कोषाध्यक्ष स्वाती चौधरी, संयोजिका नीलम जालान, सुनिता अग्रवाल, सुचिता मोजिका, रेणु अग्रवाल सहित सभी सदस्यों का भरपूर सहयोग रहा।

पूसीरे : रेसुब ने 28.45 लाख का प्रतिबंधित सामान किया बरामद

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) के रेलवे सुरक्षा बल (रेसुब) प्रतिबंधित वस्तुओं के पारगमन पर रोक लगाने के लिए अपने अधीन विभिन्न रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में लगातार जांच अभियान चला रही है। 3 से 7 जुलाई के बीच रेसुब ने अलग-अलग जांच अभियान में लगभग 28.45 लाख रुपए से अधिक मूल्य के विभिन्न प्रतिबंधित सामान बरामद किया। इन मामलों में 18 लोगों को हिरासत में भी लिया गया। पूसीरे के सीपीआरओ ने रविवार को बताया है कि 4, 6 और 7 जुलाई को अलग-अलग घटनाओं में, न्यू तिनसुकिया की रेसुब ने तिनसुकिया जीआरपी एवं स्थानीय पुलिस के साथ संयुक्त रूप से न्यू तिनसुकिया रेलवे स्टेशन से लगभग 20 लाख रुपए के 496.7 ग्राम अवैध हेरोइन के साथ आठ लोगों को पकड़ा। 6 जुलाई को एक घटना में, अगरतला की रेसुब और जीआरपी की एक संयुक्त टीम ने अगरतला रेलवे स्टेशन पर एक अभियान चलाया और 15 किग्रा गांजा जब्त किया, जिसकी कीमत लगभग 1.5 लाख रुपए थी। टीम ने इस संबंध में 03 व्यक्तियों को भी पकड़ा गया। इसके अलावा, 3 से 7 जुलाई तक पूसीरे की रेसुब ने विभिन्न स्टेशनों और ट्रेनों में नियमित जांच और अभियान के दौरान लगभग 6.95 लाख रुपए मूल्य के कुल 70 किग्रा गांजा बरामद किया। उन लोगों ने इन जांच अभियानों के दौरान 07 व्यक्तियों को भी पकड़ा।

अवैध रूप से निर्मित खाद फैक्ट्री पर पुलिस का छापा

दरंग (हिंस)। जिले के खारुपेटिया में अवैध रूप से निर्मित खाद फैक्ट्री पर पुलिस का छापा पड़ा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार खारुपेटिया के बिहुदिया में अब्दुल हन्नान के घर पर नमक से अवैध रूप से पोटाश खाद तैयार करते समय पुलिस ने खाद बनाने की मशीनें, रंग के पैकेट, 71 बोरी नमक, लगभग 10 बोरी नकली पोटाश और अन्य सामान जब्त कर लिया। दरंग जिला कृषि विभाग के कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर खारुपेटिया पुलिस के साथ संयुक्त रूप से अवैध खाद और खाद बनाने की सामग्री जब्त की। अभियान के दौरान उर्वरक व्यापारी अब्दुल हन्नान भाग गया।

समझौता हस्ताक्षर पर आदिवासी उग्रवादियों का अभिनंदन

विश्वनाथ (विभास)। सरकार ने उन आदिवासी उग्रवादियों के साथ एक शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिन्होंने जुलाई में विश्वनाथ के जपौबाड़ी में शहीद मंगरी ओरंग मैदान के पास कल आदिवासी समुदाय की पहल पर आदिवासी आइकन लक्ष्मी ओरांग के नेतृत्व में अपने हथियार आत्मसमर्पण कर दिए थे। अखिल आदिवासी रष्ट्रीय मुक्ति वाहिनी संक्षेप में आनला फेकसन ग्रुप आर बिरसा बीटी कमांडो समूह के उग्रवादियों ने भी गुवाहाटी के कलाक्षेत्र में असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की उपस्थिति में अपने हथियार आत्मसमर्पण कर दिए। बैठक में अपने हथियार सौंपने वाले सभी सदस्यों और असम भर के विभिन्न जिला संगठनों के पदाधिकारियों ने भाग लिया। उन्होंने आत्मसमर्पण करने वालों को बधाई दी और उन्हें मुख्यधारा में वापस लाने के लिए सरकार को धन्यवाद दिया। साथ ही यह शांति समझोता सिर्फ समझोता ही नहीं रह जाए इस पर सरकार को आह्वान किया। उन्होंने मांग की कि उन आदिवासी उग्रवादियों ने जिन्होंने अपने हथियार डाल दिए है, उन्हें संस्थापन दिया जाए। बैठक का नेतृत्व आदिवासी आइकन लक्ष्मी ओरंग ने किया और संचालन आदिवासी टाइगर ने जनाजात राजेन उरांग ने की।

असम में बना एक और नया छात्र संगठन

चिरांग (हिंस)। असम में कोच राजबंशी समुदाय के छात्रों ने एक नया संगठन बनाया है। संगठन का नाम कोच राजबंशी नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन (क्रांसू) रखा गया है। चिरांग जिले के चापागुड़ी स्थित हिमालयन होटल के मीटिंग रूम में रविवार को चिलाराय विकास मंच के आह्वान पर आयोजित आम सभा के दौरान क्रांसू का गठन किया गया। अलग कामतापुर राज्य के गठन, कोच राजबंशी समुदाय के आदिवासीकरण, कोच-राजबंशी लोगों के सामाजिक-राजनीतिक, आर्थिक आदि विभिन्न मांगों के आलोक में इस छात्र संगठन का गठन किया गया है। आज की आम सभा की बैठक में सर्वसम्मति से 51 सदस्यीय समिति का गठन किया गया। जिसमें हृदय कुमार राय को अध्यक्ष और उमा प्रसाद बर्मन को महासचिव बनाया गया।

महिला का शव बरामद

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के बिरुबाड़ी इलाके से एक महिला का शव बरामद होने को लेकर आज इलाके में सनसनी फैल गई है। ज्ञात हो कि शहर के हेंगराबाड़ी के लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग कार्यालय परिसर से बीते कल दो युवकों का शव मिलने के बाद आज फिर से बिरुबाड़ी रामकृष्ण मिशन रोड किनारे से यह शव मिला। उल्लेखनीय है कि स्थानीय लोगों ने शव को भरलू नदी में तैरते हुए देखा था। प्रत्यक्षदर्शियों ने जब पुलिस को सूचना दी तो पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची। शव महिला का बताया जा रहा है। खबरों के मुताबिक महिला का शव सड़े-गले हालत में मिला। शव की पहचान अभी नहीं हो पाई है। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम करने के लिए भेज दिया। मृतक महिला के शरीर के ऊपरी हिस्से में कोई वस्त्र नहीं पाया गया।

लायंस केयर का समर कैंप आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। लायंस क्लब गुवाहाटी केयर ने बिरुबाड़ी स्थित मानसिक रूप से अविकसित बच्चों के लिए निर्मित *पास* संस्थान में दो दिवसीय नि:शुल्क समर कैंप का आयोजन किया। इसमें बच्चों के लिए योग क्लास, डांस क्लास, आर्ट एंड क्राफ्ट, स्टोरी टेलिंग एवं मैजिक शो इत्यादि का भरपूर मनोरंजन किया। डांस और मैजिक शो को बच्चों ने बेहद ज्यादा पसंद किया। इस अवसर पर बच्चों को क्लब की ओर से अल्पाहार, जूस और खाना भी खिलाया गया। ज्ञात रहे गत वर्ष भी क्लब ने इसी संस्थान में बच्चों के लिए दो दिन का समर कैंप आयोजित किया था, जिसे वहां उपस्थित बच्चों ने पूरी तरह पसंद किया। इस बार भी उनकी ओर से किए गए आग्रह के बाद दूसरी बार समर कैंप का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष सुमन सूद, सचिव सोनम हरलालका, कोषाध्यक्ष पूनम अग्रवाल, ज्योतिका सोनी, स्वाति अग्रवाल, पायल, रश्मि बंसल, अंतिमा लोढ़ा, मधु लोढ़ा, अमित अग्रवाल, अनीता भारती सहित कार्यक्रम संयोजक पिंकी गोयल उपस्थिति रही। इसके अलावा क्लब सदस्यों के बच्चों ने भी इस समर कैंप में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

हाजो के बोरमबाई में श्रीश्री दुर्गा मंदिर में चोरी

कामरूप (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिले के तीर्थ नगरी हाजो स्थित बोरमबाई क्षेत्रीय श्री श्री दुर्गा मंदिर में चोरी हो गई। रविवार सुबह इसकी जानकारी होने पर स्थानीय लोगों ने नाराजगी देखी गयी। मंदिर से सोने-चांदी के आभूषण के साथ-साथ कांसे के बर्तन भी चोर चुरा ले गये। बताया गया कि मंदिर के मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर मंदिर के अंदर रखे सोने-चांदी के आभूषण, रसोई घर से गैस सिलेंडर के साथ ही चोरों ने कांसे के कई बर्तन भी चुरा लिए। चोर मंदिर की अलमारी को तोड़कर उसमें रखे सामान भी लूट ले गए। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है। सूचना दिये जाने के बाद मौके पर पहुंची हाजो पुलिस जांच-पड़ताल में जुट गयी है। मंदिर प्रबंधन के साथ-साथ स्थानीय लोगों ने दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी और उचित सजा की मांग की है।

जेसीआई बेलतला ने मीडकॉन समारोह में तेरह पुरस्कार जीते

गुवाहाटी (विभास)। जेसीआई की बेलतोला शाखा ने जेसीआई के क्षेत्रीय कार्यक्रम मीडकॉन में 13 पुरस्कार जीतकर जेसीआई क्षेत्र 25 में अपनी शाखा का परचम लहरा दिया। जेसीआई बेलतोला की सचिव सुनीता कंदोई को सर्वश्रेष्ठ अध्यक्ष, सचिव रितु अग्रवाल, को सर्वश्रेष्ठ सचिव, वृद्धि और विकास संयोजिका डिंपल गर्ग, कोषाध्यक्ष मौसमी जैन को उत्कृष्ट पुरस्कार मिला। जेसीआई क्षेत्रीय उपाध्यक्ष गुंजन हरलालका ने घोषणा करते हुए स्ट्रीट लाइट दान, प्रशिक्षण क्षेत्र, कार्यक्रम क्षेत्र, व्यापार क्षेत्र, ब्लड कैंप महिला दिवस समारोह, बेलतोला बाजार मे वाटर कूलर लगवाना, दान परियोजना, प्रशिक्षण, मास्टर ऑफ बिजनेसकार्यक्रम, उत्कृष्ट अध्यक्ष सुनीता कंदोई, उत्कृष्ट सचिव रितु अग्रवाल, उत्कृष्ट वृद्धि एवं विकास संयोजिका डिंपल गर्ग, उत्कृष्ट नई सदस्य अर्चना बागला, उत्कृष्ट कोषाध्यक्ष मौसमी जैन, रक्त शिविर 35 यूनिट, स्ट्रीट लाईट कार्यक्रम, वाटर कूलर बेलतोला बाजार कार्यक्रम के लिए उक्त पुरस्कार प्रदान किया।

अणुव्रत समिति, गुवाहाटी का नशामुक्ति व पर्यावरण संरक्षण पर पोस्टर का विमोचन

गुवाहाटी। अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य महाश्रमण की विदुषी सुशिष्या साध्वी स्वर्णरेखा एवं उनकी सहवर्तिनी साध्वीवृंद के पावन सान्निध्य में रविवार को प्रात: 10.30 बजे से स्थानीय तेरापंथ धर्मस्थल में नशामुक्ति एवं पर्यावरण संरक्षण अभियान के तहत पोस्टर का विमोचन किया गया। तत्पश्चात अणुव्रत समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने फैंसी बाजार में ऑटो रिक्शा एवं रिक्शा के पीछे से *नो टू ड्रग्स* के पोस्टर लगाए गए। ज्ञातव्य हो कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नशे (ड्रग्स) की बढ़ती प्रवृत्ति के प्रति लोगों को जागरूक करना है। यह जनजागरूकता कार्यक्रम प्रत्येक सप्ताह वर्षपर्यंत चलता रहेगा। उल्लेखनीय है कि अणुव्रत समिति, गुवाहाटी समय-समय पर नशामुक्ति, पर्यावरण शुद्धि के लिए इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन करती रहती है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अध्यक्ष बजरंग बैद, उपाध्यक्ष तारकेश्वर संचेती, नवरतन गधैया, निवर्तमान अध्यक्ष बजरंग डोसी, अणुविभा के असम एवं त्रिपुरा प्रभारी छत्तरसिंह चौरड़िया, सहमंत्री सुरेश मालू, कार्यकारिणी सदस्य बाबूलाल सुराणा, अशोक मालू, अशोक कुमार बोरड़, राजकुमार भटेरा, जया घीया, रंजना भंसाली, गुलाब दुगड़, मीनाक्षी बुच्चा का सक्रिय योगदान रहा। इस आशय की जानकारी नशामुक्ति कार्यक्रम संयोजक कमलेश रांका ने एक प्रेस विज्ञप्ति में दी।

डिफू में आयोजित अगप का विशेष कार्यकर्ता सम्मेलन

कार्बी आंग्लांग (हिंस)। असम गण परिषद (अगप) द्वारा लोकसभा क्षेत्रवार कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इसी सिलसिले में आज कार्बी आंग्लांग जिला मुख्यालय शहर डिफू में विशेष कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस आयोजित विशेष कार्यकर्ता सम्मेलन में पार्टी के अध्यक्ष अतुल बोरा और कार्यकारी अध्यक्ष केशव महंत ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उल्लेखनीय है कि बीते सप्ताह अगप मुख्यालय आमबाड़ी में आयोजित पार्टी की आमसभा के दौरान लिए गए निर्णय के अनुसार प्रत्येक लोकसभा क्षेत्रों में विशेष कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। आज डिफू लोकसभा क्षेत्र में किये गए आयोजन की तरह असम के सभी लोकसभा क्षेत्रों में कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन आने वाले समय में किया जाएगा।

मायुमं, गुवाहाटी ग्रेटर शाखा का 15 दिवसीय रोलर स्केटिंग कैंप 2.0 शुरू

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी युवा मंच गुवाहाटी ग्रेटर शाखा ने स्कूलों में चल रहे ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान असम रोल बॉल एसोसिएशन के साथ मिल कर रोलर स्केटिंग कैंप 2.0 का शुरुआत की है। कार्यक्रम सयोंजक युवा शेखर जाजोदिया एवं युवा प्रकाश जैन ने बताया कि ये कैंप आगामी 15 दिनों तक चलेगा। सवेरे का कैंप पान बाजार स्थित फूड विला के सामने सुबह 5.45 से एवं सांयकाल का कैंप वर्षापाड़ा स्टेडियम के नजदीक रोजाना 7 से चलेगा। इस कैंप में शाखा के कोई भी सदस्य एवं उनके परिवार जन भाग ले सकते है। शाखा अध्यक्ष युवा राम भट्टर ने बताया कि अलग अलग स्किल डेवलपमेंट आज के समय की जरुरत है इसी को ध्यान में रकते हुए शाखा द्वारा इस शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शाखा सचिव युवा हितेश कुमार चोपड़ा ने बताया कि इस शिविर में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को शिविर समापन पर प्रस्तिति पत्र द्वारा सम्मानित किया जायेगा। इस आशय की जानकारी शाखा के जन संपर्क अधिकारी पंकज कुमार फलोदिया ने दी।

तिब्बती समस्या पर दलाईलामा चीन से संवाद करने को तैयार

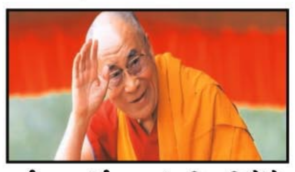

धर्मशाला (ईएमएस)। तिब्बतियों के सर्वोच्च धर्मगुरु दलाईलामा चीन से संवाद करने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि तिब्बती समस्या को देखते हुए चीन उनसे संपर्क करना चाहता है, चीन आग्रह करे तो वह चर्चा व संवाद के लिए तैयार हैं। गौरतलब है कि शनिवार सुबह धर्मगुरु दलाई लामा मैक्लोडगंज से दिल्ली के लिए रवाना हो गए। वह 2 दिन दिल्ली में रुकेंगे, फिर लद्दाख जाएंगे। दलाईलामा एक महीने के लिए लद्दाख प्रवास के लिए रवाना हुए। इस दौरान दलाईलामा ने कहा कि अब चीन को भी एहसास हो गया है कि तिब्बती लोगों की भावना बहुत मजबूत है। उन्हें पता चल गया है कि तिब्बत को लेकर उनकी नीति सफल नहीं हो सकती है इसलिए तिब्बती समस्या से निपटने के लिए वे उनसे संपर्क करना चाहते हैं। दलाईलामा ने कहा कि वह चीनी नेतृत्व से बात करने के लिए तैयार हैं और हम चीन से केवल आजादी नहीं चाहते हैं, कई वर्षों से निर्णय लिया गया है कि हम पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना का हिस्सा बने रहेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13-14 जुलाई को फ्रांस के दौरे पर रहेंगे

- पीएम की यात्रा के दौरान 24-30 राफेल-समुद्री जेट विमानों के सौदे की घोषणा होने की संभावना

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13-14 जुलाई को फ्रांस के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह बैस्टील डे परेड में सम्मानित अतिथि होंगे। उनकी दो दिवसीय यात्रा के दौरान 24-30 राफेल-समुद्री जेट विमानों के अरबों डॉलर के सौदे की घोषणा हो सकती है। सरकार फ्रांस से राफेल लड़ाकू विमानों के नौसैनिक संस्करण की खरीद के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर कर सकती है। इसके लिए अंतिम निर्णय अगले सप्ताह पीएम नरेंद्र मोदी के फ्रांस रवाना होने से पहले रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) की बैठक में होने की संभावना है।

सूत्रों ने कहा कि भारतीय नौसेना ने अमेरिका के एफ-18 सुपर हॉर्नेट के मुकाबले फ्रांसीसी राफेल मरीन के लिए अपनी प्राथमिकता व्यक्त की है। हालांकि कीमत के बारे में कोई स्पष्टता नहीं है। उम्मीद है कि ये भारतीय वायुसेना के लिए पहले खरीदे गए वैरिएंट से सस्ते होंगे। लड़ाकू विमानों को खुली निविदा का रास्ता अपनाने के बजाय सरकार से सरकार सौदे के माध्यम से खरीदे जाने की संभावना है। इस प्रक्रिया के माध्यम से अधिग्रहण आसान होगा और समय बचाने में मदद मिलेगी। मोदी सरकार फ्रांस से राफेल लड़ाकू विमानों के नौसैनिक संस्करण की खरीद के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर कर सकती है। लड़ाकू विमानों को खुली निविदा का रास्ता अपनाने के बजाय सरकार-दर-सरकार सौदे के माध्यम से खरीदे जाने की संभावना है। भारतीय नौसेना विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत पर तैनात करने के लिए एक उपयुक्त लड़ाकू विमान की तलाश कर रही है। सूत्रों ने कहा कि नौसेना ने दसॉल्ट के राफेल मरीन पर समझौता कर लिया है। इसमें भारतीय वायुसेना के राफेल की 80 प्रतिशत से अधिक विशेषताएं हैं। बेड़े की समानता के कारण ट्रेनिंग, मरम्मत और रखरखाव के कारण होने वाली बचत का असर नौसेना और रक्षा मंत्रालय पर भी पड़ेगा।

नए रंग, रूप में पटरियों पर दौड़ेगी वंदे भारत ट्रेन, किए 10 बदलाव

-दिव्यांगों के लिए व्हील चेयर फिक्सिंग पाइंट, सीटों को बनाया और आरामदेह

नई दिल्ली (ईएमएस)। नई वंदे भारत ट्रेन नए रंग रुप तथा बदलावों के साथ अगले साल से पटरियों पर दौड़ेगी। हालांकि इसके लिए अभी ट्रायल चल रहा है, यदि रेलवे ने अनुमति दे दी तो नई वंदे भारत नारंगी व स्लेटी रंग में दिखेगी। हालांकि केंद्रीय मंत्री अश्विणी वैष्णव ने शनिवार को नई वंदे भारत की तस्वीरें शेयर कीं। इसमें वंदे भारत का रंग बदला हुआ दिख रहा है। अभी तक वंदे भारत नीले और सफेद रंग के मिश्रण के साथ आती थी लेकिन अब नई वंदे भारत को नारंगी और स्लेटी (ग्रे) रंग में बनाया जा रहा है। इस वंदे भारत का निर्माण उसकी जन्मस्थली इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (आईसीएसफ) चेन्नई में ही हो रहा है। आईसीएसफ के वरिष्ठ पीआरओ वेंकेटेश जीवी ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया है कि इस रंग को ट्रायल के तौर पर पेश किया गया है और एक रेल बोर्ड की अनुमति के बाद ही इसे फाइनल किया जाएगा। नई वंदे भारत अगले साल तक पटरियों पर आने की उम्मीद है। हालांकि, इसमें केवल रंग ही नहीं बदला जा रहा है। बल्कि नई वंदे भारत में कई बदलाव किये जा रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नई वंदे भारत में 10 बड़े बदलाव किये जा रहे हैं। इसमें बेहतर सीट से लेकर दिव्यांगों के लिए उन्नत सुविधाएं आदि शामिल हैं। जरुरत के हिसाब से नई वंदे भारत में सीट का डिक्लाइनिंग एंगल बढ़ा दिया गया है। यानी इसे और पीछे की ओर झुकाया जा सकेगा जिससे कि लोगों को अगर नींद आए भी तो वे चेयरकार में भी आसानी से सो सकें। सीटों को और गद्देदार बनाया गया है, ताकि लंबे सफर में ज्यादा परेशानी न हो। मोबाइल चार्जिंग पॉइंट तक पहुंच को और आसान कर दिया गया है। एग्जीक्यूटिव चेयरकार में फुट रेस्ट एरिया को और बढ़ा दिया गया है। साफ-सफाई को ध्यान में रखते हुए वॉश बेसिन की गहराई बढ़ा दी गई है ताकि पानी के छींटे बाहर न आएं। इसके अलावा टॉयलेट्स में रोशनी बढ़ाने के लिए और बेहतर लाइट्स लगा दी गई हैं। इन सभी बदलाव के साथ ही नई वंदे भारत में एक नई सुविधा जोड़ी गई है। दिव्यांगों की व्हीलचेयर के लिए कोच के अंदर फिक्सिंग पॉइंट्स दिए जाएंगे। वहीं रीडिंग लैंप टच को को रेजिस्टिव टच से कैपिसिटिव टच में बदल दिया गया है। ताकि इस्तेमाल करना काफी आसान होगा। खिड़कियों के पर्दों को बेहतर कर दिया गया है। एंटी क्लाइम्बिंग डिवाइस भी लगाई गई है ताकि ट्रेन को अधिक सुरक्षित बनाया जा सके। इन सारे बदलावों के साथ नई वंदे भारत ट्रेन अगले साल तक बनकर आ जाएगी।

जल विद्युत परियोजनाओं के निर्माण कार्य में देरी से वित्तीय नुकसान, समय पर हो काम : मुख्यमंत्री

शिमला, (हि.स.)। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने हमीरपुर में राज्य में निमार्णाधीन जल विद्युत परियोजनाओं को लेकर रविवार को समीक्षा बैठक की। परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इन परियोजनाओं के निर्माण कार्य में देरी से राज्य को वित्तीय नुकसान होता है इसलिए ऊर्जा विभाग को इन परियोजनाओं को समय पर पूरा करना सुनिश्चित करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य का लक्ष्य मार्च 2027 तक 628 मेगावाट की जलविद्युत परियोजनाओं को आरम्भ करना है। इनमें जुलाई 2025 तक 450 मेगावाट की शोंगटोंग कड़छम परियोजना, मार्च 2027 तक 48 मेगावाट की चांजू चरण-3 जलविद्युत परियोजना और जून 2026 तक 130 मेगावाट की काशांग चरण-2 और चरण-3 परियोजनाओं को पूरा करना शामिल है। उन्होंने सरकार द्वारा सौर ऊर्जा के दोहन को बल देने पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि 30 मेगावाट की देओथल चांजू परियोजना को दिसंबर 2027 तक, 40 मेगावाट की रेणुका जी जलविद्युत परियोजना को दिसंबर 2028 तक और 190 मेगावाट की थाना प्लौन परियोजना को मार्च 2029 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार ने वर्ष 2030 तक 1000 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पन्न करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए राज्य ने 17 विभिन्न परियोजनाएं प्रस्तावित की हैं, जो पहले चरण में 200 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पन्न करेंगी। 32 मेगावाट क्षमता की पेखुबेला सौर ऊर्जा परियोजना दिसंबर 2023 तक पूरी होगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को इन सभी परियोजनाओं में तेजी लाने के निर्देश दिए ताकि राज्य के लोगों को इनका लाभ समय पर मिल सके।

जयपुर के सरकारी अस्पताल में बैक्टीरियल इंफेक्शन स्यूडोमोनास का प्रकोप जारी

जयपुर (ईएमएस)। प्रदेश के सबसे बड़े सरकार अस्पताल एसएमएस में आंखों की रोशनी छीनने वाला खतरनाक बैक्टीरियल इंफेक्शन स्यूडोमोनास का प्रकोप जारी है। यहां इस इंफेक्शन की चपेट में आने वाले 18 मरीजों की अभी भी दृष्टि नहीं लौटी है। इंफेक्टेड आंखों से उन्हें भी दिख नहीं रहा है। उल्लेखनीय है कि एसएमएस हॉस्पिटल में 26 से लेकर 28 जून तक 74 मरीजों की आंखों का ऑपरेशन हुआ था। ऑपरेशन के बाद मरीजों ने आंखों के लाल होने, धुंधला दिखने और खुजली होने की शिकायत की थी। इस मामले के सामने आने के बाद अस्पताल प्रशासन ने नेत्र रोग विभाग के तीनों ऑपरेशन थिएटर बंद कर दिए थे। 10 दिनों से एसएमएस अस्पताल में ऑपथैल्मोलॉजी ऑपरेशन थिएटर बंद है। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि फिलहाल नेत्र विभाग के ऑपरेशन थिएटर सर्जरी के लिए सेफ नहीं है। बैक्टीरियल इंफेक्शन स्यूडोमोनास के फैलने की बात सामने आने के बाद माइक्रोबॉयोलॉजी डिपार्टमेंट ने एसएमएस अस्पताल के ओटी से 60 सैंपल्स लिए हैं। कई स्थानों से लिए गए इन सैंपल को कल्चर रिपोर्ट के लिए भेजा गया है क्योंकि कल्चर का रिपोर्ट को आने में समय लगता है। ऐसे में फिलहाल यह पता नहीं लग पाया है कि इंफेक्शन कैसे फैला है। एसएमएस अस्पताल की मेडिकल सुप्रीडेंटेट आंचल शर्मा का कहना है कि सैंपल्स की जांच हो रही है। जल्द ही पता किया जाएगा आखिर किस तरह ऑपथैल्मोलॉजी ऑपरेशन थिएटर में इंफेक्शन फैला है। इंफेक्शन का मामला सामने आने के बाद नेत्र रोग विभाग के सभी ऑपरेशन थिएटर बंद किए गए हैं। चूंकि अभी तक इंफेक्शन के कारणों का खुलासा नहीं हुआ है। ऐसे में अब अस्पताल प्रशासन अब नए रोगियों को एडमिट नहीं कर रहा है।

जेपी नड्डा श्रावस्ती से करेंगे अवध में लोकसभा अभियान शुरू

- 14 जुलाई को श्रावस्ती से जनसभा के जरिए अवध की 16 सीटों को साधेंगे

लखनऊ (ईएमएस)। अवध क्षेत्र में लोकसभा के चुनावी अभियान की शुरूआत बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा करेंगे। वह 14 जुलाई को श्रावस्ती से जनसभा के जरिए अवध की 16 सीटों को साधेंगे। इससे पहले उनका 27 जून को श्रावस्ती आने का कार्यक्रम तय हुआ था। नड्डा प्रदेश कार्यालय पर बीजेपी के पदाधिकारियों के साथ बैठक भी कर सकते हैं। इसमें लोकसभा चुनाव अभियान के लिए कुछ नए अभियानों को तय किया जा सकता है। सूत्रों की मानें तो अवध क्षेत्र की 16 सीटों में से सिर्फ तीन सीटें ही बीजेपी के पास नहीं हैं। अवध क्षेत्र में श्रावस्ती, बहराइच, गोंडा, कैसरगंज, बाराबंकी, फैजाबाद, अम्बेडकरनगर, रायबरेली, उन्नाव, लखनऊ, मोहनलालगंज, हरदोई, सीतापुर, मिश्रिख, धौरहरा, खीरी सीटें हैं। इनमें श्रावस्ती और अम्बेडकरनगर बसपा के पास और रायबरेली सीट कांग्रेस के पास है। बीजेपी का पूरा फोकस तीन सीटों पर ज्यादा है। इनके लिए बीजेपी ने दो साल से ही केंद्रीय मंत्रियों की ड्यूटी लगा रखी है। इसके बाद लोकसभा सीटों को 21 क्लस्टर में बांटकर एक केंद्रीय मंत्री और एक केंद्रीय पदाधिकारी की ड्यूटी लगाई गई है। यह भी हारी हुई सीटों पर प्रवास कर वहां बूथ स्तर तक का मैनेजमेंट संभाल रहे हैं। इसके साथ ही हारी हुई सीटों पर लोकसभा विस्तारकों की तैनाती की गई है। यह एक-एक घर तक जाकर जनसंपर्क कर रहे हैं और अपनी रिपोर्ट तैयार कर रहे हैं। उन्हें हर सीट पर प्रभावशाली लोगों और हार की वजहों की भी जानकारी करके प्रदेश मुख्यालय भेजनी है। जानकारों का कहना है कि जल्द ही इन सीटों पर प्रदेश के मंत्रियों और पदाधिकारियों के प्रवास तय कर दिए जाएंगे। इसके बाद कुछ बड़े नेताओं की जनसभा तय की जाएगी।

चुनाव की घोषणा से पहले बीजेपी की रणनीति एक-एक घर तक अपनी बात पहुंचा देने की है। महाजनसंपर्क अभियान की तारीख अब बढ़ा दी गई है। 15 और फिर अब 18 जुलाई तक चलाने की तैयारी है। आगे की योजना बनाने के लिए बीजेपी के प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक रविवार को बीजेपी प्रदेश मुख्यालय पर बुलाई गई है।

कर्नाटक सरकार की हिंदू विरोधी नीति का परिणाम है जैन आचार्य की हत्या : विहिप

नई दिल्ली, (हि.स.)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के केंद्रीय महामंत्री मिलिंद परांडे ने रविवार को कहा कि गत बुधवार को कर्नाटक के बेलगावी के चिकोड़ी में दिगंबर जैन मुनि आचार्य काम कुमार नंदी की नृशंस हत्या ने सम्पूर्ण भारत के धार्मिक एवं आध्यात्मिक जगत को स्तब्ध कर दिया है। परांडे ने रविवार को जारी एक बयान में इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा की। उन्होंने कहा कि विश्वभर को अहिंसा का पाठ पढ़ाने वाले जैन आचार्य का अपहरण और उसके बाद जिहादियों द्वारा उनके शरीर के टुकड़े-टुकड़े करना कहीं ना कहीं राज्य की कांग्रेस सरकार की हिंदू विरोधी नीतियों का ही परिणाम प्रतीत होता है। जैन मुनि गत 15 वर्षों से आनंद पर्वत पर प्रवास कर स्थानीय समाज की सेवा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में जब से नई सरकार के मंत्रियों ने कभी गौ हत्या विरोधी तो कभी धर्मांतरण विरोधी कानूनों को हटाने की बात की है, राज्य में धर्मद्रोही एवं राष्ट्र विरोधी शक्तियों के दुस्साहस बढ़े हैं। इन समाज विरोधी तत्वों पर अंकुश लगा कर हत्यारों एवं उनके सहयोगियों को अविलंब फांसी दी जाए। परांडे ने कहा कि हिंदू द्रोही नीति के कारण राज्य में आज ना साधु सुरक्षित हैं और ना ही भारतीय समाज। यदि छुट्टे घूम रहे हैं तो वो हैं इस्लामिक जिहादी। विहिप महामंत्री परांडे ने मांग की कि घटना पर कांग्रेस सरकार को हिंदू और जैन समाज से मांफी मांगते हुए अपनी हिंदूद्रोही मानसिकता से बाहर आना चाहिए।

बारिश में डूबी दिल्ली, मंत्रियों को जमीन पर उतरने के निर्देश

अजय कुमार

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के कई इलाकों में शनिवार और रविवार सुबह से हो रही भारी बारिश के कारण जगह-जगह जलभराव की समस्या उत्पन्न हो गई है। इससे निपटने के लिए दिल्ली सरकार ने मंत्रियों-मेयर को जलभराव वाले इलाकों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंत्रियों और अफसरों को जमीन पर उतरकर समस्याओं का सामाधान करने को कहा है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को ट्वीट कर कहा कि- कल दिल्ली में 126 मिमी बारिश हुई। मॉनसून सीजन की टोटल बारिश का 15 प्रतिशत मात्र 12 घंटे में बरसा। लोग जल भराव से काफी परेशान हुए। आज दिल्ली के सभी मंत्री और मेयर समस्याग्रस्त इलाकों का इंस्पेक्शन करेंगे। सभी विभागों के अफसरों की रविवार की छुट्टी कैंसिल करके ग्राउंड पर उतरने के निर्देश दिए हैं।

दिल्ली में पिछले 24 घंटों के दौरान 1958 के बाद तीसरी सबसे ज्यादा बारिश

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली सहित समूचे उत्तर भारत में लगातार हो रही बारिश से आम जनजीवन प्रभावित है। कई स्थानों पर सड़कों पर आवाजाही प्रभावित हुई है। भारी बारिश हादसों का कारण भी बन रही है। दिल्ली में पिछले 24 घंटे के दौरान अब तक जुलाई में तीसरी सबसे अधिक वर्षा रिकॉर्ड की गई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार नई दिल्ली (सफदरजंग) में 1958 के बाद से 08-09 जुलाई, 2023 को तीसरी सबसे अधिक 24 घंटे की बारिश दर्ज की गई। 1958-2023 के दौरान सबसे अधिक वर्षा 20 से 21 जुलाई 1958 में 266.2 मिलीमीटर दर्ज की गई थी। इसके बाद 25 से 26 जुलाई 1982 को 169.9 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई थी। कल राजधानी दिल्ली में 153 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। दिल्ली के अलग-अलग स्थानों (नरेला, अलीपुर, रोहिणी, बादिली,

Five Highest Rainfall Records of 24-hour rainfall in the month of July for New Delhi (Safdarjung) during 1958-2023

Year	Date	Rain (in mm)	Rank
1958	20th-21st July	266.2	1st
1982	25th-26th July	169.9	2nd
2023	08th-09th July	153	3rd
2003	09th-10th July	133.4	4th
2009	27th-28th July	126	5th

पीतमपुरा, पश्चिम विहार, पंजाबी बाग, कश्मीरी गेट, सीलमपुर, राजौरी गार्डन, लाल किला, राजीव चौक, आईटीओ, जाफरपुर, नजफगढ़, द्वारका, इंडिया गेट, अक्षरधाम, पालम, आईजीआई एयरपोर्ट) एनसीआर (गुरुग्राम, फरीदाबाद, मानेसर, बल्लभगढ़) कैथल, नरवाना, बरवाला, सोहना, नूंह (हरियाणा) भिवारी (राजस्थान) में हल्की से मध्यम तीव्रता की बारिश होगी और कुरूक्षेत्र, करनाल, राजौंद, असंध, सफीदों, जिंद, पानीपत, गोहाना, गन्नौर, सोनीपत, रोहतक, खरखौदा (हरियाणा) शामली, कांधला, बड़ौत, बागपत, खेकड़ा, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, संभल, बिलारी, मिलक (यूपी) तिजारा, खैरथल, अलवर (राजस्थान) के निकटवर्ती क्षेत्र में अगले 2 घंटों के दौरान हल्की से मध्यम तीव्रता के साथ गरज के साथ बारिश होगी।

बाबा बर्फानी के भक्त अमरनाथ यात्रियों में गजब का उत्साह, यात्रा रुकी, सड़क टूटी, हौसला नहीं

जम्मू, (हि.स.)। दक्षिण कश्मीर के हिमालयी क्षेत्र में स्थित अमरनाथ मंदिर की यात्रा खराब मौसम की वजह से बार-बार स्थगित हो रही है। रामबन के आगे सड़क पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। बावजूद इसके तीर्थयात्रियों का उत्साह किसी भी स्थिति में कमजोर नहीं पड़ रहा। रामबन में भूस्खलन और सड़क धंस जाने से तीर्थयात्रियों को जम्मू के आधार शिविर में ही रोका जा रहा है। जो तीर्थयात्री अपने वाहनों से सीधे आ रहे हैं, उन्हें उधमपुर से आगे नहीं जाने दिया जा रहा। भगवान शिव के भक्त किसी भी तरीके से आगे बढ़ना चाहते हैं। वह मान मनौवल और चिरौरी तक कर रहे हैं। तीर्थयात्रियों के मन में बस यही एक संकल्प है कि एक बार बाबा बफार्नी ने बुला लिया है तो हम उनके दर्शन करने का हर संभव जतन करें। प्रशासन की मुश्किल यह है कि भारी बारिश के कारण कई स्थानों पर भूस्खलन हुआ है। सड़क पर बार-बार पत्थर गिर रहे हैं। लोगों की सुरक्षा अधिकारियों के लिए बड़ी चिंता है। दूसरी चिंता यह है कि जो दल श्री अमरनाथ यात्रा मार्ग पर निकला हुआ है, उनकी किसी तरह सुरक्षित वापसी हो जाए। बीच मझधार में उनके लिए आवश्यक संसाधन जुटाना भी प्रशासन के लिए भगीरथी चुनौती है। इस सबके चलते पुलिस प्रशासन लोगों को लगातार समझा रहा है। बार-बार यही अनुरोध कर रहा है कि आप जहां हैं, जैसे हैं, वहीं रहें। सुरक्षित रहें। आगे बढ़ने की कोशिश न करें, क्योंकि अभी कुछ तय नहीं है कि यात्रा पूरी तरह से कितने दिन में बहाल होगी। उसमें एक दिन का समय भी लग सकता है और दो दिन का भी। मगर तीर्थयात्रियों के मन में बेचैनी यह है कि जल्दी से जल्दी स्थिति सामान्य हो और वो अपने भोले बाबा के दर्शन कर सकें। इस बीच ऊपरी क्षेत्रों में लगातार तीन दिन से बरसात हो रही है। इससे चिनाब नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। अमरनाथ यात्रा जिस दिन पहली बार स्थगित हुई, उसी दिन भूस्खलन की जद में चार लोग आ गए और वह चिनाब नदी में समा गए। उनका अब तक कोई पता नहीं चल सका है। छह हजार तीर्थयात्रियों का दल शनिवार से रामबन में रुका हुआ है। वह भोलेनाथ से लगातार प्रार्थना कर रहे हैं कि यात्रा फिर प्रारंभ कराएं। आधार शिविरों में भगवान शंकर के भक्त अपनी बारी आने का इंतजार कर रहे हैं। प्रशासन बार-बार अपील जारी कर रहा है कि यात्रा जब तक स्थगित है तब तक आप आगामी कोई योजना न बनाएं। हिमालयी क्षेत्र में 3,888 मीटर ऊंचे गुफा मंदिर की 62 दिवसीय वार्षिक अमरनाथ तीर्थयात्रा पहली जुलाई को अनंतनाग जिले के पहलगाम और गांदरबल जिले के बालटाल से शुरू हुई थी। यह यात्रा 31 अगस्त को संपन्न होनी है।

राज्य सरकारों को सौंपी जाएंगी चाइल्ड लाइन : स्मृति ईरानी

भोपाल, (हि.स.)। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि चाइल्ड लाइन अब देशभर में प्रदेश की सरकारों के सुपुर्द किया जाएगा। अगर बच्चा मुसीबत में है और मदद की गुहार लगा रहा है, तो उसका फोन एनजीओ के पास जाता है। ऐसी परिस्थिति में यह गहमागहमी होती है कि एफआईआर कहां हो। नई व्यवस्था से बच्चे या बच्ची का फोन कॉल सीधा स्थानीय प्रशासन के पास पहुंचेगा। उसे जल्द मदद मिलेगी। केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी रविवार को भोपाल के रविन्द्र भवन में आयोजित 'वत्सल भारत कार्यक्रम' को संबोधित कर रही थीं। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बाल संरक्षण, बाल सुरक्षा और बाल कल्याण पर केंद्रित सात क्षेत्रीय संगोष्ठियों का आयोजन देश में अलग-अलग जगह किया जा रहा है। भोपाल में रविवार को मध्य भारत क्षेत्र की संगोष्ठी हो रही है, जिसका शुभारम्भ केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने किया। स्मृति ईरानी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पहले बच्चों को गोद लेने का कानून पेचीदा था। बच्चा गोद लेना हो तो अभिभावक को कोर्ट में पेश होने के लिए मजबूर किया जाता था। वहां से ऑर्डर लेना होता था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निदेर्शानुसार जनता, कार्यकर्ता, प्रशासक से संवाद करने के बाद यह ध्यान में आया कि अभिभावक यह कहने लगे कि हम कोर्ट क्यों जाएं? जहां पर चोर-उचक्के, दुष्कर्म और कई घटनाओं के निर्णय होते हैं। बच्चे को गोद लेना तो पुण्य का काम है। अगर आप सरकार में हमारी सुविधा बढ़ाना चाहते हैं, तो आप यह अधिकार जिला प्रशासन को दे दें। उन्होंने कहा कि जैसे ही मोदी सरकार ने कानून में तब्दीली कर जिला प्रशासन को दायित्व दिया, तब से लेकर एक साल में 2250 से ज्यादा बच्चे देशभर में गोद लिए जा चुके हैं। कानून में बदलाव से पहले देशभर में बच्चों को गोद लेने के 900 से प्रकरण विभिन्न अदालतों में लंबित थे। उन्होंने दुष्कर्म के मामलों को लेकर कहा कि 18 साल की बेटियों से दुष्कर्म की वारदातें होती हैं, तब पुलिस और चाइल्ड वेलफेयर कमेटी को अपनी जेब से उसके खाने-पीने और ठहरने का इंतजाम करना पड़ता है। हमने मंत्रालय में निर्णय लिया है कि 74 करोड़ रुपये देशभर की ऐसी बेटियों को समर्पित करेंगे। महीने के चार हजार रुपये देंगे। 18 साल के बाद भी 23 साल की उम्र तक ऐसी बेटियों के संरक्षण का बीड़ा हमने उठाया है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि देशभर में हर चाइल्ड वेलफेयर कमेटी का दफ्तर बनाने का जिम्मा सरकार ले रही है। प्रस्ताव भेजिए, हम त्वरित रूप से समाधान देंगे। अब स्कीम और प्रपोजल बनाने से पहले चाइल्ड वेलफेयर कमेटी से पूछा जाएगा। उन्होंने कहा कि बाल संरक्षण के बजट में 230 फीसदी की वृद्धि हुई है। आज से 13-14 साल पहले देशभर में 8 से 9 हजार बच्चों को संरक्षित किया जाता था, अब 65 हजार बच्चों का संरक्षण हो रहा है। उन्होंने कार्यक्रम में मध्यप्रदेश सरकार की 'लाड़ली लक्ष्मी योजना' की भी तारीफ की और कहा कि 35 लाख बेटियां इसमें शामिल हैं, ये मुझे आनंदित करता है।

आजादी के बाद 2014 से बच्चों-महिलाओं के लिए काम हुए: कानूनगो - कार्यक्रम में राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने कहा कि आजादी के बाद 2014 से बच्चों और महिलाओं के लिए विशेष कार्य किए गए। पॉक्सो कानून बनाकर सरकार ने इस क्षेत्र में बड़ा काम किया है। किशोर न्याय अधिनियम में बदलाव किए गए। कोविड केयर योजना बनाकर लाभ दिया गया। पॉक्सो में मृत्युदंड देने का प्रावधान किया गया। जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटने के बाद बच्चों और महिलाओं को सभी योजनाओं का लाभ मिला। भारत का नाम उस काली सूची से हटाया गया, जिनमें बच्चे हथियारबंद लोगों की सूची में थे।

उप्र में नवम्बर में होगा योगी सरकार-02 का पहला कृषि कुम्भ

- वैश्विक स्तर के इस कुंभ में खेतीबाड़ी से संबंधित हर अत्याधुनिक तकनीक का होगा प्रदर्शन

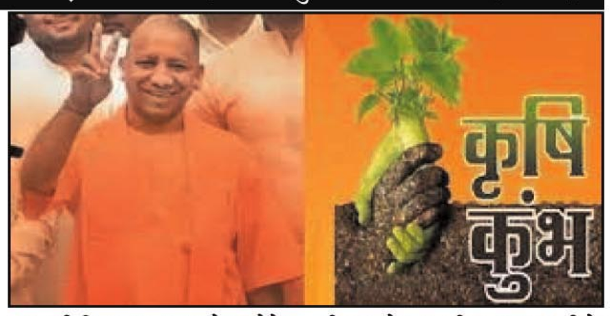

लखनऊ, (हि.स.)। जमाना तकनीक का है। कृषि क्षेत्र भी इसका अपवाद नहीं। देश-दुनिया और खेतीबाड़ी से जुड़ी संस्थाओं द्वारा विकसित अद्यतन तकनीक एवं नवाचार किसानों की जरूरत है। इसी के लिए बहुत पहले लैब टू लैंड का नारा दिया गया था। इसी नारे को साकार करने के लिए उत्तर प्रदेश की योगी सरकार नवम्बर में कृषि कुम्भ का आयोजन करने जा रही है। लखनऊ में प्रस्तावित कृषि कुम्भ का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कर सकते हैं। योगी सरकार-02 का यह पहला कृषि कुम्भ है। इसके पहले योगी सरकार-01 में 2018 में 25 से 28 अक्टूबर तक पहली बार प्रदेश में कृषि कुम्भ का आयोजन लखनऊ स्थित भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में किया गया था। इस बार भी आयोजन स्थल वही होगा। कृषि कुम्भ किसानों के साथ खेतीबाड़ी को केंद्र में रखकर उपकरण बनाने वाली कंपनियों के लिए भी एक बेहतरीन अवसर साबित होगा। इनको अपनी तकनीकों एवं उत्पादों के जीवंत प्रदर्शन एवं सक्षम क्रेताओं के समक्ष प्रचार-प्रसार का अवसर मिलेगा। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बताया कि अंतराष्ट्रीय कृषि कुम्भ के जरिए प्रदेश के किसान वैश्विक स्तर की तकनीक से वाकिफ होंगे। इनमें से कुछ प्रगतिशील एवं नवाचारी किसान इनका प्रयोग करेंगे। इनको देखकर आसपास के किसान भी इससे प्रेरणा लेंगे। ऐसा होने पर किसानों की आय बढ़ेगी। वह खुशहाल होंगे। लगातार यही प्रधानमंत्री मोदी, मुख्यमंत्री आदित्यनाथ और हम सबकी मंशा भी है। यही आयोजन का उद्देश्य भी है।

इस कुम्भ में कृषि के साथ खेतीबाड़ी से जुड़े सभी विभाग अपनी सभी योजनाओं के साथ स्टाल लगाएंगे। साथ ही खेतीबाड़ी की बेहतरी के लिए किए जा रहे कार्यों का जीवंत डिमांस्ट्रेशन भी देंगे। इसमें पशुपालन, गन्ना, रेशम, मत्स्य, उद्यान, उप्र भूमि सुधार निगम आदि शामिल हैं। कुम्भ में फसल विविधीकरण, जैविक खेती, भूजल संरक्षण, फल-फूल की खेती, हाइड्रोपोनिक्स, वर्टिकल गार्डन, औषधीय पौधों की खेती। पशुपालन के उन्नत तरीकों के अलावा कुक्कुट, तीतर, बटेर, बकरी पालन, मछली के साथ बतख पालन, सिंघाड़े एवं मखाने की खेती, रंगीन एवं सजावट के लिए मछली पालन, रेशम की खेती, ऊसर भूमि का सुधार, एग्रो फारेस्ट्री, आदि के बारे में जानकारी दी जाएगी। इस मौके पर कुछ महत्वपूर्ण विषयों पर कार्यशालाएं भी होंगी। संस्थान के सभागार के अलावा आयोजन स्थल पर इनके लिए अलग से तीन सभागार होंगे। अलग-अलग सत्रों के विषय एवं पैनल विशेषज्ञों का चयन उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद करेगा। प्रस्तावित विषयों में गौ आधारित प्राकृतिक खेती, मोटे अनाजों की उपयोगिता, कृषि क्षेत्र में कृषक उत्पादक संगठन की भूमिका, डिजिटल खेती, कृषि क्षेत्र में स्टार्टअप, कृषि यंत्रीकरण के लाभ, पोस्ट हार्वेस्ट प्रबंधन होंगे। इसके अलावा कुछ कंपनियों एवं संस्थाओं से एमओयू भी होंगे।

योगेश्वरों से प्रेरणा लेकर देश, धर्म लिए योगदान देना सबसे बड़ी आवश्यकता : योगी आदित्यनाथ

- हरियाणा के रोहतक में महंत बाबा मस्तनाथ की समाधि पर दर्शन-पूजन करने पहुंचे योगी
- नाथ संप्रदाय के योगेश्वरों को मुख्यमंत्री ने किया संबोधित

रोहतक, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को हरियाणा के रोहतक स्थित बोहर में बाबा मस्तनाथ जी की समाधि पर पहुंचकर पूजा अर्चना की। श्री बाबा मस्तनाथ मठ स्थल पहुंचे मुख्यमंत्री यहां हरण पूजा में सम्मिलित हुए। योगी आदित्यनाथ ने गुरु महाराज महंत पीर चांदनाथ योगी की स्मृति में आयोजित होने वाले आठ मान भंडारा, शंखडाल व देश मेला की तिथि को सुनिश्चित करने के लिए देशभर से पधारे नाथ संप्रदाय के योगेश्वर संतों के साथ मंत्रणा की। इस अवसर पर दिये गये उद्बोधन में मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि नाथ संप्रदाय देश का सबसे प्राचीन संप्रदाय है।

पूज्य संतों, सिद्धों और योगेश्वरों की लंबी श्रृंखला ने हर कालखंड में लोककल्याण और समाज के अध्यात्मिक उन्नयन के लिए अपना सर्वस्व त्याग किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पूरे क्षेत्र में पूज्य महंत मस्तनाथ महाराज की कृपा बरसती है। हम सब यहां पूज्यमहंत चांदनाथ योगी जी की स्मृति में आयोजित हरण पूजा मे शामिल होने आए हैं। मुझे पूज्य महंत चांदनाथ जी महाराज के सानिध्य में लंबा समय गुजारने का अवसर प्राप्त हुआ है। आज वे हमारे बीच भौतिक रूप से नहीं हैं, मगर सूक्ष्म रूप से उनकी उपस्थिति यहां पर सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्तनाथ जी के भव्य समाधि के रूप में देखने को मिलती है। हम यहां पूज्य महंत चांदनाथ जी के आठ मान भंडारा, शंखडाल व देश मेला की तिथि को सुनिश्चित करने के लिए एकत्रित हुए हैं। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जिन आदर्शों के लिए नाथ संप्रदाय को आगे बढ़ाने के लिए पूज्य महंत जी ने अपना पूरा जीवन समर्पित किया था। उनसे प्रेरणा लेकर हम भी अपने स्तर पर योगदान देश और धर्म के लिए दें, ये आज की सबसे बड़ी आवश्यक्ता है। कश्मीर से लेकर सुदूर दक्षिण तक और पूर्वोत्तर के राज्यों में नाथ संप्रदाय के अनुयायी भरे पड़े हैं। सभी अनुयायियों को सही मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करना। ये देखना कि कोई सनातन धर्म का उल्लंघन न करे और नाथ सम्प्रदाय की शिक्षाओं को अपने जीवन में उतारे। महंत चांदनाथ ने राजस्थान और हरियाणा में नाथ संप्रदाय को आगे बढ़ाया था। उन्होंने अपने जीवन में मनसा, वाचा, कर्मणा के धर्म को निभाया था। आज उन्हीं की प्रेरणा से योगी बालकनाथ आम जनमानस की सेवा के कार्य में जुटे हुए हैं। इस अवसर पर देशभर से आए बड़ी संख्या में नाथ संप्रदाय से जुड़े हुए श्रीमहंत, पीर और योगेश्वर उपस्थित रहे।

एबीवीपी के स्थापना दिवस पर सीएम योगी समेत अन्य नेताओं ने दी शुभकामनाएं

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित मंत्रियों, पूर्व छात्र नेताओं, संगठनकताओं, समाजसेवी संगठनों के प्रबंधकों, शिक्षाविदों ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 75वें स्थापना दिवस पर शुभकामनाएं दिए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक ट्वीट के माध्यम से अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि माँ भारती की सेवा में पूर्णतः समर्पित अभाविप के सभी कार्यकताओं व युवा साथियों को हार्दिक बधाई एवं अनंत शुभकामनाएं हैं। ज्ञान, शील, एकता के सूत्र के साथ विद्यार्थियों में राष्ट्रीय भावना का अविराम संचार कर रहा। यह संगठन नया भारत, सशक्त भारत तथा एक भारत श्रेष्ठ भारत के संकल्प को साकार करने में अत्यंत सहायक सिद्ध हो रहा है। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर अपनी शुभकामनाओं में कहा कि राष्ट्र निर्माण व जन सेवा हेतु युवाओं को प्रेरित करने वाला विश्व का सबसे विशाल एवं भारत का सबसे सशक्त छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के स्थापना दिवस की सभी कार्यकताओं, छात्रों एवं समर्थकों को बधाई एवं शुभकामनाएं है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने ट्वीट किया और कहा कि छात्र शक्ति राष्ट्र शक्ति। राष्ट्र निर्माण के मूल उद्देश्य को चरितार्थ करते हुए राष्ट्रहित में युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने वाले विश्व के सबसे बड़े छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के स्थापना दिवस के सअवसर पर परिषद से जुड़े सभी निष्ठावान एवं ऊजार्वान युवा साथियों व कर्मठशील कार्यकताओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं है।

सोनभद्र में जूता चटवाने वाले लाइनमैन को बिजली विभाग ने किया बर्खास्त

सोनभद्र, (हि.स.)। शाहगंज थाना क्षेत्र में बिजली विभाग के संविदा लाइनमैन के एक मामूली विवाद में दलित युवक को मारने पीटने के बाद जुते चटवाने जैसे अमानवीय और घृणित व्यवहार करने के मामले में पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लि. के प्रबंध निदेशक के आदेश पर तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर दिया गया है। बिजली विभाग के सूत्रों ने बताया कि सोशल मीडिया के माध्यम से वायरल वीडियों के माध्यम से संज्ञान में आया कि 33/11 केवी. विद्युत उपकेन्द्र शाहगंज, सोनभद्र पर तैनात तेजबली सिंह पटेल संविदा कार्मिक ने राजेन्द्र कुमार के साथ विवाद होने पर जूता चटवाने जैसा बहुत ही घृणित एवं अमानवीय कृत्य किया है। यह मानवाधिकार का घोर उल्लंघन है। मामले की जानकारी मिलते ही निदेशक, पूर्वान्चल विद्युत वितरण निगम, वाराणसी के अनुमोदन के प्रत्याशा में तेजबली सिंह पटेल, संविदा कार्मिक, 33/11 केवी. उपकेन्द्र शाहगंज, सोनभद्र को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर दिया गया है। आरोपित तेजबली सिंह पटेल ग्रिड पावर सिस्टम में संविदा पर लाइनमैन के पद पर कार्यरत था।

नई शिक्षा नीति आने वाले समय में देंगे सुखद परिणाम : बृजेश पाठक

कानपुर, (हि.स.)। नई शिक्षा नीति को लेकर छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय में चल रहे दो दिवसीय शिक्षाविदों के महाकुम्भ को संबोधित करते हुए उप्र के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा नई शिक्षा नीति आने वाले समय में सुखद परिणाम देंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षा की प्रगति को लेकर राज्यपाल के निवेदन पर जो कार्यक्रम आज विश्वविद्यालय में आयोजित गया है, यह बहुत ही अच्छा है। पूरे देश भर के प्रोफेसर शिक्षक गण एक स्थान एवं मंच पर एकत्र होकर हर विषयों पर गहन चिंतन कर रहें हैं। इसका सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेगा। राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद ग्रेडिंग में उप्र के कई शिक्षण संस्थान सफलता पाने में काम हुए हैं। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल इस ओर बहुत गंभीरता से काम कर रही हैं, जो कि पहले कभी नहीं हुआ। युवा साथी किस तरह से अच्छी शिक्षा को ग्रहण कर खुद को एक बेहतर नागरिक बना सकें, अब इस पर चिंतन किया जा रहा है। हम एक मंच पर आकर शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने का काम कर रहे हैं। हमें उम्मीद है कि यह समागम एक बहुत अच्छा परिणाम देगा। शिक्षाविदों के समागम कार्यक्रम के दूसरे दिन रविवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर योगेश सिंह ने कहा कि सेमेस्टर परीक्षाओं के होने से शिक्षा में काफी बड़ा बदलाव हुआ है। जब भी कोई नया परिवर्तन किया जाता है तो लोगों को कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ता है। बदलाव तभी किया जाता है, जब कुछ अच्छा होना होता है। हम बदलाव करेंगे तभी शिक्षा का स्तर बढ़ा सकते हैं। योगेश सिंह ने कहा कि जब कोई नई चीज लागू हो और उसे करना पड़े तो वह थोड़ा सा दुख देती है लेकिन कुछ समय बाद जब हम उसे सीख लेते हैं तो उसी में ही हमें मजा आने लगता है।

झारखंड के चार केंद्रीय कारा में संविदा के आधार पर 600 कक्षपालों की होगी नियुक्ति

- गृह कारा आपदा प्रबंधन विभाग ने अधिसूचना जारी की

रांची, (हि.स.)। राज्य के चार केंद्रीय कारा में 600 भूतपूर्व सैनिकों की नियुक्ति होगी। इनमें रांची बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा, केंद्रीय कारा दुमका, केंद्रीय कारा हजारीबाग और केंद्रीय कारा घाघीडीह जमशेदपुर शामिल हैं। ये नियुक्ति संविदा के आधार पर एक साल के लिए होगी। हालांकि, आवश्यकता अनुसार अनुबंध की अवधि को विस्तारित किया जायेगा और नियमित नियुक्ति होने पर अनुबंध पर रखे गये भूतपूर्व सैनिकों की सेवा समाप्त कर दी जायेगी। इसको लेकर गृह कारा आपदा प्रबंधन विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है।\ गृह कारा आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, अनुबंध पर नियुक्त किये गये भूतपूर्व सैनिकों को 20 हजार रुपये प्रति माह मानदेय दिया जायेगा। प्रत्येक वर्ष सेवा अवधि के उपरांत निर्धारित मानदेय में आठ प्रतिशत की बढ़ोतरी की जायेगी। अनुबंध पर रखे गये इन कर्मियों को एक वर्ष में केवल 20 दिन का क्षतिपूर्ति अवकाश देय होगा। सरकारी ड्यूटी के दौरान नियमानुसार यात्रा भत्ता और दैनिक भत्ता देय होगा। ड्यूटी के दौरान मृत्यु होने पर राज्य पुलिस कर्मियों को जो अनुग्रह अनुदान देय है, वह उन्हें भी देय होगा लेकिन आश्रितों को नौकरी देने का कोई प्रावधान नहीं होगा। झारखंड के चार जेलों में 624 पदों पर कक्षपालों की नियुक्ति होने वाली थी, जिसे पिछले महीने रद्द कर दिया गया था। इसको लेकर गृह कारा प्रबंधन विभाग ने आदेश जारी किया था। जारी आदेश में कहा गया था कि बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार, लोकनायक जयप्रकाश नारायण केंद्रीय कारागार, केंद्रीय कारा दुमका और केंद्रीय कारा घाघीडीह में 624 पदों पर भूतपूर्व सैनिकों का कक्षपाल के पद पर नियुक्ति की प्रक्रिया की गयी थी लेकिन गृह कार्य एवं आपदा प्रबंधन विभाग और विधि विभाग के परामर्श एवं हाई कोर्ट के वाद संख्या डब्लूपी (सी) नंबर 3894 रमेश हांसदा / झारखंड सरकार पारित आदेश के तहत इस संविदा (कॉन्ट्रैक्ट) की प्रक्रिया को रद्द कर दिया गया।

अब जल्द ही रिम्स में 20 करोड़ की लागत से बने विश्राम गृह का उपयोग कर सकेंगे तीमारदार

रांची, (हि.स.)। रिम्स के मरीजों के तीमारदारों के लिए अच्छी खबर है। अब उन्हें रात बिताने के लिए रैन बसेरा या फिर किसी निजी होटल में नहीं जाना पड़ेगा। लगभग 20 करोड़ की लागत से बना विश्राम गृह अब बनकर तैयार हो गया है। अब कुछ ही दिनों में एनटीपीसी और ऊर्जा विभाग के सहयोग से बन रहे विश्राम गृह की शुरूआत हो जाएगी। रिम्स के अधीक्षक डॉ हीरेन बिरुआ और उपाधीक्षक डॉ शैलेश त्रिपाठी ने बताया कि विश्राम गृह को अंतिम रूप दिया जा रहा है। कुछ दिनों में पूरा हो जाएगा और रिम्स में आने वाले तीमारदारों को राहत मिलेगी। 15 जुलाई से शुरू हो रहे विश्राम गृह को लेकर रिम्स के जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. राजीव रंजन ने बताया कि एनटीपीसी के सीएसआर फंड से रिम्स में आने को निर्देश दे दिया गया है।

बिजली और पानी की सुचारू करने को लेकर संबंधित विभाग के लोग तेजी कार्य में लगे हुए है। विश्राम गृह में तीमारदारों के रहने के अलावे उनके खाने-पीने के भी इंतजाम किए जाएंगे। साथ ही प्रत्येक तीमारदारों के लिए कपड़े या फिर अन्य महत्वपूर्ण सामान रखने के लिए अलमारी भी बनाए गए हैं। उल्लेखनीय है तत्कालीन मुख्यमंत्री रघुवर दास और ऊर्जा मंत्री आरके सिंह के द्वारा वर्ष 2019 में इस विश्रामगृह का शिलान्यास किया गया था।

सरकारी स्कूलों में बच्चों के मध्याह्न भोजन में शामिल होगा मुनगा

रांची, (हि.स.)। राज्य के सरकारी स्कूलों के बच्चों को प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना अंतर्गत मध्याह्न भोजन दिया जाता है। बच्चों को प्रतिदिन परोसे जाने वाले व्यंजन का मेन्यू तैयार है। बच्चों की सेहत का ख्याल रखते हुए इस बार बच्चों के भोजन के मुनगा भी शामिल होगा। इसकी जानकारी झारखंड राज्य मध्याह्न भोजन प्राधिकरण की निदेशक किरण कुमारी पासी ने सभी जिला शिक्षा अधीक्षक को दी है। निदेशक ने पत्र में लिखा है कि पीएम पोषण शक्ति निर्माण योजना अंतर्गत छात्र-छात्रा को दोपहर का भोजन उपलब्ध जाता है। भोजन में पोषक तत्वों की प्रचुरता को ध्यान में रखते हुए विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गये हैं।बच्चों को दोपहर के भोजन में मुनगा भी दिया जायेगा। यह उत्पाद भारत सरकार द्वारा दिये गए निर्देश के बाद शामिल किया गया है। यही नहीं, स्कूलों में मुनगा का पौधा भी लगाया जायेगा, ताकि बच्चे प्रचुर मात्रा में मुनगा का सेवन कर सकें। जुलाई से सितंबर माह मुनगा का पौधा विद्यालयों में लगाने के लिए अनुकूल समय है।झारखंड में मुनगा को स्थानीय भाषा में मुनगा कहा जाता है। निदेशक ने निर्देश दिया है कि विद्यालयों में मुनगा का पौधा लगाने और उसके उत्पाद (फल, फूल एवं पत्ता) का मध्याह्न भोजन में सर्वाधिक उपयोग के प्रति जागरुकता अभियान चलाया जाये। साथ ही दिये गये निर्देश के आलोक में जिले में वर्तमान विद्यालयों में मुनगा के पौधे की उपलब्धता रहे।

गठबंधन पर फैसला लेने के लिए पार्टी नेताओं ने चिराग पासवान को किया अधिकृत

पटना, (हि.स.)। बिहार की सियासत में इस बात को लेकर चर्चा तेज है कि चिराग पासवान की पार्टी लोजपा (रामविलास) एक बार फिर से एनडीए गठबंधन में शामिल होगी। भाजपा ने 18 जुलाई को दिल्ली में एनडीए की बैठक बुलाई है, जिसमें चिराग पासवान के शामिल होने की संभावना है। इन सबके बीच चिराग पासवान ने रविवार को पार्टी की बैठक बुलाई, जिसमें गठबंधन पर फैसला लेने के लिए पार्टी नेताओं ने एक स्वर से चिराग पासवान को अधिकृत किया है। बैठक के बाद लोजपा (रामविलास) के राष्ट्रीय महासचिव अरुण कुमार ने कहा कि आज की बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने पार्टी के नेताओं से गठबंधन को लेकर चर्चा की। बिहार फर्स्ट-बिहारी फर्स्ट के संकल्प को आगे रखते हुए पार्टी के नेताओं ने गठबंधन पर फैसला लेने के लिए एक स्वर से चिराग पासवान को अधिकृत किया है। उल्लेखनीय है कि पिछले बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान चिराग पासवान की पार्टी एनडीए से अलग हो गई थी। एनडीए से अलग होने के बाद भी चिराग भाजपा के खिलाफ खुले तौर पर कभी भी खुलकर सामने नहीं आए और प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तौर पर भाजपा का समर्थन करते रहे। अब जब लोकसभा का चुनाव नजदीक आ रहा है तो एक बार फिर चिराग की एनडीए में वापसी लगभग तय हो गई है। गठबंधन पर फैसला लेने के लिए चिराग ने पार्टी नेताओं के साथ बैठक की है। बैठक से ठीक पहले केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने चिराग से मुलाकात की। कहा जा रहा है कि दिल्ली में भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से बातचीत के बाद चिराग एनडीए में वापसी का ऐलान कर सकते हैं।

जिले के तीन प्रखंडों में प्लास्टिक अवशिष्ट ठोस कचड़ा प्रबंधन का कार्य होगा : डीएम

सहरसा, (हि.स.)। लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान अंतर्गत मुख्य सचिव बिहार पटना की अध्यक्षता में वीडियो कान्फ्रेसिंग के माध्यम से सभी जिला पदाधिकारी के साथ बैठक की गयी। बैठक में मुख्य रूप से पंचायतों को स्वच्छता अभियान हेतु राशि हस्तांतरण की स्थिति की समीक्षा की गयी। इसके अलावे डब्लूपीयू के लिए जमीन चिन्हित कर एवं उसके निर्माण की स्थिति को लेकर समीक्षा की गयी। इसके अलावे प्लास्टिक अवशिष्ट प्रबंधन इकाई एवं गोवर्द्धन गोबर गैस प्लांट के निर्माण की भी समीक्षा की गयी। विदित हो कि प्लास्टिक अवशिष्ट प्रबंधन जिले में तीन प्रखंडों में इसका निर्माण कार्य कराया जा रहा है। ठोस कचरा प्रबंधन का कार्य जिले में लक्षित 1924 वार्डों में से 1164 वार्ड में कार्य प्रारंभ कराया जा चूका है। जबकि डब्लूपी यूनियन निर्माण हेतु लक्षित 135 पंचायतों में से 118 में जमीन चिन्हित किया जा चूका है एवं 47 पंचायतों में निर्माण कार्य पूर्ण कराया जा चूका है।

प्रत्येक घर से कचरा का उठाव कराया जा रहा है। इसके लिए 30 रूपया प्रत्येक घर वाले को देना अनिवार्य है। प्रत्येक घर से राशि कलेक्शन में तेजी लाने का निर्देश दिया गया। अभी सहरसा जिला में मात्र 174394 घरों में से 2904 घरों से ही यूजर चार्ज प्राप्त किया जा रहा है। इसको बढ़ाने का निर्देश दिया गया।

नई सोच के साथ नया बिहार बनाने के लिए निकली है निदान यात्रा : राष्ट्रीय अध्यक्ष

बेगूसराय, (हि.स.)। नई सोच के साथ नया बिहार बनाने के लिए आम जनता पार्टी राष्ट्रीय द्वारा जननायक कपूर्री ठाकुर के जन्म स्थान कपूर्री ग्राम से चली निदान यात्रा रविवार को बेगूसराय पहुंची। बेगूसराय में जिलाध्यक्ष शेखर कुमार उर्फ चंद्रशेखर के नेतृत्व में जोरदार स्वागत किया गया। जहां पपरौर स्थित उत्सव भवन में निदान यात्रा के तहत सभा का आयोजन किया गया। सभा का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष विद्यापति चंद्रवंशी ने किया। सभा को कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि वात्सायन, राष्ट्रीय महासचिव शिवनाथ प्रसाद शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष उमेश ठाकुर एवं प्रदेश संगठन मंत्री सुबोध कुमार आदि ने भी संबोधित किया। सभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि आम जनता पार्टी राष्ट्रीय हर तरह की सुविधाओं को गांव के लोगों तक पहुंचाना चाहती है। आज शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास बिजली जैसी सारी सुविधाएं यदि गांव में उपलब्ध हो जाए तो गांव और शहर में कोई अंतर नहीं रहेगा। तब जाकर गरीब, पिछड़े, अतिपिछड़े और दलितों का उत्थान संभव है। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव ने दस लाख नौकरी देने का झूठा वादा किया। समस्याएं जाति देखकर नहीं आती है। चाहे हम किसी भी जाति के हों, समस्याओं का प्रभाव सभी पर एक समान पड़ता है। ऐसे में हमलोग जाति देख कर मतदान क्यों करते है। जाति के आधार पर मतदान नहीं करें। समाज की महिला वर्ग जाति से ऊपर उठकर वोट करती हैं। जिससे आम लोगों को भी शिक्षा लेने की जरूरत है। राष्ट्रीय अध्यक्ष विद्यापति चंद्रवंशी ने नीतीश कुमार पर हमला बोलते हुए कहा कि नीतीश कुमार ने अतिपिछड़ा वर्ग में अन्य जाति को डाला। लेकिन आरक्षण कोटा 18 प्रतिशत में कोई वृद्धि नहीं किया है। जिस कारण अति पिछड़ा समाज के युवक एवं युवती बेरोजगार बैठे हैं। इसके लिए नीतीश कुमार पूरी तरह जिम्मेवार हैं। इसके विरोध में आरक्षण कोटा बढ़ाने के लिए हमने बिहार सरकार और राज्यपाल को ज्ञापन दिया। लेकिन उस ज्ञापन पर बिहार सरकार ने कोई संज्ञान नहीं लिया, अब आंदोलन तेज किया जाएगा। अतिपिछड़ा समाज के लोगों ने जिन्हें मंत्री, विधायक और सांसद बनाया है, उन्हें समाज ने बहुत कुछ दिया। लेकिन उन्होंने समाज के लिए क्या किया, इसका जवाब उन्हें देना पड़ेगा। अतिपिछड़ा समाज का एक बड़ा वोट बैंक है, जिसे सभी पार्टी चुनाव में लुभाती है। लेकिन वोट लेने के बाद कोई काम नहीं करती हैं। अब अतिपिछड़ा समाज किसी के झांसा में आने वाला नहीं है। इसलिए जननायक कपूर्री ठाकुर के जन्म स्थान से 23 जनवरी को निदान यात्रा निकाली गई है। यह निदान यात्रा बिहार में जगह-जगह जाकर लोगों को जागरूक कर रही है। हमारा उद्देश्य "हक नहीं तो वोट नहीं।"

संपादकीय

खालिस्तान पर लगे लगाम

खालिस्तान एक बार फिर अपना सिर उठाने लगा है। भारत में भले ही खालिस्तान की गतिविधियां खुलेतौर पर न दिखाई दे रही हों, लेकिन पर्दे के पीछे से भारत विरोध गतिविधियों को अंजाम देने में यह सक्रिय है। भारत के बाहर विभिन्न देशों में खालिस्तानी नेटवर्क काफी सक्रिय है। फिलहाल, अमेरिका और कनाडा से लगभग एक साथ आई खालिस्तान समर्थकों की गतिविधियों के समाचार चिंताजनक हैं। अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास में न केवल तोड़फोड़ की गई बल्कि उसमें आग भी लगा दी गई। वहीं, कनाडा में खालिस्तान समर्थकों ने दो भारतीय राजनयिकों की तस्वीर वाले पोस्टर लगाए। ये इन राजनयिकों को कनाडा में पिछले दिनों हुई खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का दोषी बता रहे हैं। निज्जर की कनाडा में एक गुरुद्वारा के सामने अज्ञात लोगों ने पिछले महीने गोली मार कर हत्या कर दी थी। सैन फ्रांसिस्को में भारतीय वाणिज्य दूतावास में हुई तोड़फोड़ और आगजनी की घटना का वीडियो साझा करते हुए भी निज्जर की हत्या से जुड़े समाचारों की कतरनें दी गई थीं। ध्यान रहे, सैन फ्रांसिस्को में यह इस तरह की पहली घटना नहीं है। इसी वर्ष मार्च में खालिस्तान समर्थकों ने वहां वाणिज्य दूतावास में तोड़फोड़ की थी। दो जुलाई की घटना में हालांकि ज्यादा नुकसान नहीं हुआ, आग पर तुरंत काबू पा लिया गया, सभी स्टाफ भी सुरक्षित बताए जाते हैं, लेकिन यह घटना बेहद गंभीर है। कनाडा में भारतीय राजनयिकों की तस्वीर प्रचारित करना तो और भी खतरनाक है। भारत सरकार ने ठीक ही इसे गंभीरता से लेते हुए जहां कनाडा के हाईकमिश्नर को समन किया, वहीं अमेरिकी सरकार से भी उपयुक्त कार्रवाई के लिए कहा है। दोनों सरकारों ने इस पर एक्शन लेने की बात कही भी है, लेकिन सचाई यही है कि खालिस्तान समर्थक तत्वों से निपटने में ये सरकारें अभी तक प्रभावी साबित नहीं हुई हैं। अमेरिका और कनाडा ही नहीं, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया जैसे देश भी हैं जिनके भारत से बेहद करीबी रिश्ते हैं, लेकिन वहां खालिस्तान समर्थकों की गतिविधियां खबरें बनती रहती हैं। इन सरकारों का तर्क है कि जब तक ये संगठन शांतिपूर्ण विरोध करते हैं और किसी तरह की अवैध गतिविधियों में लिप्त नहीं होते, तब तक इनके खिलाफ कार्रवाई करना इसलिए मुश्किल है क्योंकि उसे वहां के नागरिक अधिकारों के खिलाफ माना जाएगा। मगर ये संगठन और उनसे जुड़े लोग अक्सर इसी लोकतांत्रिक अधिकार का इस्तेमाल करते हुए आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देते हैं। इसका ताजा उदाहरण अमृतपाल सिंह का है, जो धर्म की आड़ में सीधे कानून-व्यवस्था को चुनौती देने पर उतर आया था। यही वजह है कि भारत इन तमाम मित्र देशों की सरकारों से बार-बार कह रहा है कि इन तत्वों को अपने यहां जगह न दें। यह भारत की संप्रभुता और एकता एवं अखंडता से जुड़ा मसला है। यह सुनिश्चित करना सबके हित में है कि हिंसा में लिप्त आतंकवादी या अलगाववादी तत्वों को किसी तरह की आड़ न मिलने दी जाए। मित्र देशों को यह भी ध्यान रखना चाहिए कि आज नहीं तो कल ये अराजक तत्व उनके लिए भी समस्या बन सकते हैं। इसलिए समय रहते भारत के आग्रह पर विचार करें और खालिस्तानियों को रोकने के उपाय करें।

सैन फ्रांसिस्को में भारतीय वाणिज्य दूतावास में हुई तोड़फोड़ और आगजनी की घटना का वीडियो साझा करते हुए भी निज्जर की हत्या से जुड़े समाचारों की कतरनें दी गई थीं। ध्यान रहे, सैन फ्रांसिस्को में यह इस तरह की पहली घटना नहीं है। इसी वर्ष मार्च में खालिस्तान समर्थकों ने वहां वाणिज्य दूतावास में तोड़फोड़ की थी। दो जुलाई की घटना में हालांकि ज्यादा नुकसान नहीं हुआ, आग पर तुरंत काबू पा लिया गया, सभी स्टाफ भी सुरक्षित बताए जाते हैं, लेकिन यह घटना बेहद गंभीर है। कनाडा में भारतीय राजनयिकों की तस्वीर प्रचारित करना तो और भी खतरनाक है। भारत सरकार ने ठीक ही इसे गंभीरता से लेते हुए जहां कनाडा के हाईकमिश्नर को समन किया, वहीं अमेरिकी सरकार से भी उपयुक्त कार्रवाई के लिए कहा है। दोनों सरकारों ने इस पर एक्शन लेने की बात कही भी है, लेकिन सचाई यही है कि खालिस्तान समर्थक तत्वों से निपटने में ये सरकारें अभी तक प्रभावी साबित नहीं हुई हैं।

कुछ अलग

खेल राजनीति का

राजनीति को अगर संभावनाओं का खेल कहते हैं तो इसी में यह बात निहित है कि यहां आशंकाओं का भी उतना ही जोर चलता है। इसका एक बेहतरीन उदाहरण पिछले दिनों मुंबई की घटनाओं में दिखा। जितने अप्रत्याशित रूप में अजित पवार और NCP के आठ दिग्गज महाराष्ट्र में सरकार का हिस्सा बन गए, वह अगर उतना अप्रत्याशित नहीं लगा तो इसीलिए कि एक साल पहले भी मिलता-जुलता घटनाक्रम हम देख चुके थे। यही नहीं, खुद अजित पवार भी चार साल पहले ऐसा ही एक अप्रत्याशित खेल दिखा चुके थे। संभावनाओं वाली बात इन सबमें शामिल थी। चार साल पहले शिवसेना, कांग्रेस और NCP की सरकार बनने से पहले ही अगर अजित पवार ने बीजेपी के देवेंद्र फडणवीस के साथ शपथ लेने का विकल्प चुना था तो उसमें उन्हें संभावनाओं के द्वार खुलते दिख रहे थे, जिसकी शुरुआत उप-मुख्यमंत्री पद से हुई थी। दिलचस्प है कि जब उस दरवाजे को बंद करते हुए वह वापस शरद पवार के पाले में लौटे, तब भी उनका उप-मुख्यमंत्री पद बना ही रहा। यानी खेल संभावनाओं वाला ही चला। आशंकाओं की ज्यादा भूमिका दूसरे और तीसरे दौर में दिखी। जब शिवसेना की चलती हुई सरकार को छोड़कर समर्थक विधायकों के साथ एकनाथ शिंदे ने बीजेपी से हाथ मिलाया, तब किसी को अंदाजा नहीं था कि इनाम के रूप में उन्हें मुख्यमंत्री पद मिल जाएगा। मगर अंदाजा यह भी नहीं था कि इस पूरे खेल को अंजाम देने में अहम भूमिका निभाने वाले देवेंद्र फडणवीस को मुख्यमंत्री के रूप में एक पूरा कार्यकाल गुजारने के बाद शिंदे मंत्रिमंडल में बतौर उप-मुख्यमंत्री शामिल होना पड़ेगा। यहां हम आशंकाओं का जो फलित देखते हैं, वही तीसरे दौर में इस रूप में सामने आया कि इसकी सफल परिणति के बाद शिंदे तो पहले की ही तरह मुख्यमंत्री बने रहे, लेकिन फडणवीस दो में से एक उप-मुख्यमंत्री बन गए। यह आशंका बनी ही हुई है कि विभागों का बंटवारा होने पर उन्हें अपना कोई अहम मंत्रालय न छोड़ना पड़े। एकनाथ शिंदे और अजित पवार दोनों का मूल पार्टी और नेतृत्व से झगड़ा बरकरार है जिसमें मूल नेतृत्व यह साबित करने में लगा है कि खलिहान पर चाहे जो भी काबिज हुआ हो, खेत हमारा है यानी विधायक भले चले गए हों वोटर साथ हैं। फैसला आखिरी तौर पर चुनावों के ही जरिए होगा, लेकिन आशंकाएं तो साथ बनी ही हुई हैं। आशंकाओं का एक और स्रोत इस बात में भी है कि NCP नेताओं के आ जाने के बाद शिंदे ग्रुप के कितने विधायकों को सत्ता में हिस्सेदारी मिल पाएगी और जिन्हें नहीं मिलेगी, उनके असंतोष का खामियाजा किसे किस रूप में भुगतना पड़ेगा। मगर जीवन की तरह राजनीति में भी राह आशंकाओं का अंधेरा नहीं खोलता, संभावनाओं और उम्मीदों की रोशनी ही यह काम करती है। और देखें तो हर आशंका के साथ उम्मीद की किरण भी टिमटिमाती दिख ही जाती है।

अजित पवार और NCP के आठ दिग्गज महाराष्ट्र में सरकार का हिस्सा बन गए, वह अगर उतना अप्रत्याशित नहीं लगा तो इसीलिए कि एक साल पहले भी मिलता-जुलता घटनाक्रम हम देख चुके थे। यही नहीं, खुद अजित पवार भी चार साल पहले ऐसा ही एक अप्रत्याशित खेल दिखा चुके थे। संभावनाओं वाली बात इन सबमें शामिल थी। चार साल पहले शिवसेना, कांग्रेस और NCP की सरकार बनने से पहले ही अगर अजित पवार ने बीजेपी के देवेंद्र फडणवीस के साथ शपथ लेने का विकल्प चुना था तो उसमें उन्हें संभावनाओं के द्वार खुलते दिख रहे थे, जिसकी शुरुआत उप-मुख्यमंत्री पद से हुई थी। दिलचस्प है कि जब उस दरवाजे को बंद करते हुए वह वापस शरद पवार के पाले में लौटे, तब भी उनका उप-मुख्यमंत्री पद बना ही रहा। यानी खेल संभावनाओं वाला ही चला।

आजादी के बाद से ही भारत में भ्रष्टाचार एक बड़ा मुद्दा रहा है और सभी पार्टियां इसे खत्म करने का दावा करती रही हैं

भ्रष्टाचारी नेताओं के दाग भाजपा में धुल जाते हैं, अब यह कोई जुमला नहीं हकीकत बन गया है

योगेन्द्र योगी

विपक्षी पार्टियों की ओर से भी लगातार यह आरोप लगाए जाते रहे हैं कि भाजपा वाशिंग मशीन की तरह है, उसमें जो भी जाता है उसके सारे दाग धुल जाते हैं। जिन नेताओं पर घोटाले के कई बड़े आरोप हैं वह जब भाजपा में चले गये तो एक तरह से जांच एजेंसियों की ओर से उन्हें क्लीन चिट मिल गयी। महाराष्ट्र सरकार में अजित पवार समेत कई नेताओं के शामिल होने के बाद से बवाल मचा हुआ है। भाजपा ने भ्रष्टाचार का आरोप झेल रहे अजित पवार और दूसरे विधायकों को महाराष्ट्र सरकार में शामिल करवा कर पक्षपात करने और केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग करने का आरोप लगाकर विपक्षी दलों को मौका दे दिया। विपक्षी नेताओं का कहना है कि जिन पर कल तक भ्रष्टाचार के आरोप लगाए जा रहे थे, उन्हें सरकार में मंत्री बना लिया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने कुछ दिन पहले ही एनसीपी को नेचुरली करप्ट पार्टी कहा था, अब वही दल महाराष्ट्र की भाजपा सरकार में सत्ता में भागीदारी कर रहा है।

विपक्षी नेताओं पर सरकारी एजेंसियों की कार्रवाई किसी से छिपी नहीं है। भ्रष्टाचार में संलिप्त कई नेता भाजपा में शामिल हुए और उनसे जुड़े मामलों पर ताला लग गया। विपक्षी पार्टियों की ओर से भी लगातार यह आरोप लगाए जाते रहे हैं कि भाजपा वाशिंग मशीन की तरह है, उसमें जो भी जाता है उसके सारे दाग धुल जाते हैं। जिन नेताओं पर घोटाले के कई बड़े आरोप हैं वह जब भाजपा में चले गये तो एक तरह से जांच एजेंसियों की ओर से उन्हें क्लीन चिट मिल गयी। महाराष्ट्र सरकार में अजित पवार समेत कई नेताओं के शामिल होने के बाद से बवाल मचा हुआ है। भाजपा ने भ्रष्टाचार का आरोप झेल रहे अजित पवार और दूसरे विधायकों को महाराष्ट्र सरकार में शामिल करवा कर पक्षपात करने और केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग करने का आरोप लगाकर विपक्षी दलों को मौका दे दिया। विपक्षी नेताओं का कहना है कि जिन पर कल तक भ्रष्टाचार के आरोप लगाए जा रहे थे, उन्हें सरकार में मंत्री बना लिया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने कुछ दिन पहले ही एनसीपी को नेचुरली करप्ट पार्टी कहा था, अब वही दल महाराष्ट्र की भाजपा सरकार में सत्ता में भागीदारी कर रहा है। महाराष्ट्र में उपमुख्यमंत्री बनाए गये अजित पवार को पीएम मोदी ने कॉआपरेटिव घोटाले का आरोपी बताया था। इसका जिक्र मोदी ने भोपाल में दिए गए भाषण में किया था। इसी तरह महाराष्ट्र में भाजपा के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने कहा था कि हमारी सरकार आने पर अजित दादा चक्की पीसिंग एंड पीसिंग। अब वही पवार उपमुख्यमंत्री का पद पाकर फडणवीस के बराबर आ गए। पाला बदल कर आए छगन भुजबल महाराष्ट्र सदन घोटाले में जेल तक जा चुके हैं। इसी तरह हसन मुशरिफ और उनके तीन बेटों पर मनी लॉन्ड्रिग के आरोप हैं। मंत्री बनी अदिति तटकरे के पिता के खिलाफ एसीबी ने सिंचाई घोटाले में चार्जशीट फाइल कर रखी है। पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रफुल्ल पटेल ने अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के करीबी इकबाल मिर्ची के मुंबई में एक प्लॉट पर बिल्डिंग बनवाई। ऐसे आरोप लगे कि इस बिल्डिंग में प्रफुल्ल पटेल का भी एक फ्लैट है। इस साल फरवरी में बिल्डिंग के चार फ्लोर को अटैच किया गया था। इसके अलावा एविएशन स्कैम में भी प्रफुल्ल पटेल जांच के दायरे में हैं। विपक्षी दलों का आरोप है कि जो भाजपा का दामन थाम लेता है, उसका दामन पाक साफ हो जाता है। विगत वर्षों में भाजपा में शामिल होने के बाद शुभेन्दु अधिकारी,

हिमंत बिस्वा सरमा, मुकुल रॉय, नारायण राणे जैसे कई भ्रष्टाचार के आरोपी नेताओं के दाग धुल गए हैं। इस कवायद पर एनसीपी के अध्यक्ष शरद पवार ने तंज कसते हुए कहा कि दो दिन पहले ही प्रधानमंत्री ने एनसीपी को भ्रष्टाचार के लिए टारगेट किया था, प्रधानमंत्री का शुक्रिया कि उनके सरकार में शामिल होने से वे सभी आरोपों से मुक्त हो गए हैं। 2014 के बाद से नरेंद्र मोदी सरकार लगातार विपक्षी नेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप लगा रही है। छापेमारी और समन खासकर तब तेज हो जाते हैं जब चुनाव नजदीक हों। लेकिन यह भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई नहीं है क्योंकि अगर यह लड़ाई होती तो यह भ्रष्टाचार के आरोपी भाजपा नेताओं को नहीं बख्शती। इस भ्रष्टाचार-विरोधी एजेंडे की चयनात्मक प्रकृति इसे एक जादू-टोना बना देती है। यह जादू-टोना मोदी सरकार द्वारा विवादास्पद राफेल सौदे की जांच कराने से इंकार करने, या जिस तरीके से उसने पांच साल के लिए लोकपाल नियुक्त करने से अपने पैर खींच लिए थे, उसके बिल्कुल विपरीत है। बीजेपी आती है, तो भ्रष्टाचार भागता है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस टिप्पणी के बाद भ्रष्टाचार फिर से राजनीति के केंद्र में आ गया है। आजादी के बाद से ही भारत में भ्रष्टाचार एक बड़ा मुद्दा रहा है और सभी पार्टियां इसे खत्म करने का दावा करती रही हैं। बीजेपी भी इससे अछूती नहीं है। पिछले दिनों सीबीआई और ईडी की कार्रवाई के खिलाफ 14 दलों ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया तो खुद प्रधानमंत्री मोदी इसके बचाव में उतर आए। हालांकि कोर्ट से विपक्षी दलों को निराशा हाथ लगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि भ्रष्टाचार में लिप्त नेता एक साथ एक मंच पर आ रहे हैं। कुछ दलों ने भ्रष्टाचारी बचाओ आंदोलन छेड़ा हुआ है, लेकिन एक्शन नहीं रुकेगा। प्रधानमंत्री की टिप्पणी के बाद विपक्ष ने भी इस बार जोरदार पलटवार कर दिया। तृणमूल कांग्रेस के अध्यक्ष ममता बनर्जी ने मंच पर वाशिंग मशीन लगाकर बीजेपी पर तंज कसा। ममता ने कहा कि बीजेपी वाशिंग मशीन है और दागियों को धुलकर सफेद कर देती है। ममता ने इसका लाइव डेमो भी दिखाया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी ट्वीट कर मोदी सरकार पर निशाना साधा। खरगे ने कहा कि विपक्ष के 95 फीसदी नेताओं पर ईडी और सीबीआई का केस दर्ज हुआ है, लेकिन जो नेता बीजेपी में शामिल हो जाते हैं उसका दाग धुल कर साफ कर दिया जाता है। आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि प्रधानमंत्री भ्रष्टाचार के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि वे कहते हैं कि बीजेपी में आकर भ्रष्टाचार करो। गौरतलब है कि ईडी और सीबीआई के दुरुपयोग को लेकर विपक्षी दलों ने प्रधानमंत्री को पत्र भी लिखा था। पीएम मोदी को लिखे पत्र में विपक्ष ने आरोप लगाया था कि सरकार विपक्ष के खिलाफ ईडी और सीबीआई का इस्तेमाल कर रही है, साथ ही बीजेपी नेताओं के खिलाफ जांच धीमी गति से चलती है। पत्र में ईडी और सीबीआई जैसी एजेंसियों के कथित दुरुपयोग की निंदा की गई। विपक्ष ने केंद्रीय एजेंसियों की खराब होती छवि पर गहरी चिंता व्यक्त की। चाल, चरित्र और चेहरे के बदलाव का दावा करने वाली भाजपा ने महाराष्ट्र में भ्रष्टाचार के आरोपी एनसीपी के विधायकों को सरकार में शामिल करा कर कथनी और करनी के अंतर को मिटा दिया है। अब सवाल यही उठता है कि भाजपा किस मुंह से विपक्ष पर भ्रष्टाचार में शामिल होने के आरोप लगाते हुए देश के लोगों को आगाह कर पाएगी। भाजपा कैसे कह पाएगी कि विपक्ष के गठबंधन की कवायद सत्ता पाने की आड़ में भ्रष्टाचार पर पर्दा डालने के लिए है। यदि राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में देखें तो भाजपा की महाराष्ट्र में आरोपी एनसीपी के विधायकों को सरकार में शामिल कराने से कोई बहुत बड़ा राजनीतिक फायदा नहीं मिलने वाला, किन्तु इससे भाजपा का भ्रष्टाचार का अभियान जरूर भौंथरा हो गया। जिसे प्रमुख आधार बना कर भाजपा ने न सिर्फ केंद्र में बल्कि कई प्रदेशों में सत्ता हासिल की है। भाजपा ने राह चलते ही विपक्षी दलों को उल्टे हमले का मुद्दा थमा दिया। प्रधानमंत्री मोदी की तरह ही विपक्ष भी भ्रष्टाचार लेकर अब आक्रामक मुद्रा में आ गया है। निश्चित तौर पर भाजपा ने अजित पवार गुट को सत्ता में शामिल करके जो ऐतिहासिक भूल की है, विपक्ष चुनाव में उसे भुनाए बगैर नहीं रहेगा।

दार्शनिकों के किस्से: ये दुनिया कुछ नहीं, क्या सिर्फ आंखों का धोखा है?

आपके दिमाग की पांच इंद्रियां आपको वह सब दिखा या महसूस करा रही हैं। आयरलैंड के मशहूर दार्शनिक जार्ज बर्कले का दावा है कि इस दुनिया में कोई चीज भौतिक नहीं। यह जगत दरअसल है ही नहीं। ये सब एक विचार है। जैसे आपने पेन को आंखों से देखा और त्वचा से छुआ। पेन का कान्सेप्ट आपके दिमाग में पहले से है इसलिए आप उसे पेन कह रहे हैं। दूर अफ्रीका के जंगलों से आया कोई आदिवासी जिसने पहले कभी पेन नहीं देखा उसे वह उस वस्तु को पेन नहीं कहेगा। यानी सबकुछ आपके अनुभव पर निर्भर है और अनुभव चेतना का हिस्सा है। यानी चेतना है तो जीवन है वरना दुनिया जैसी कोई चीज नहीं है। भौतिक वस्तुओं का अस्तित्व नहीं है। जो है वह सिर्फ चेतना है। यह दार्शनिक विचार दुनिया को सबसे पहले ईसा की तीसरी शताब्दी में भारत के विज्ञानवाद ने दिया। विज्ञानवाद बौद्ध दर्शन से जुड़ा था। यह बौद्ध महायान की शाखा थी जिसकी स्थापना मैत्रेयनाथ ने की थी। योग तथा आचार पर विशेष बल देने के कारण इसे योगाचार भी कहा गया। यह द्वैतवाद, अद्वैतवाद, चार्वक, सांख्य, मीमांसा जैसे अन्य भारतीय दर्शन शाखाओं की तरह प्रसिद्ध नहीं हुआ लेकिन इस दर्शन ने जो कहा वह कई सदियों बाद यूरोप में अनुभववाद की आंधी के रूप में आया और हर तरफ छा गया।

सोचने या विचार करने के कितने तरीके हो सकते हैं। अगर मैं आपसे कहूं आप जिस कुर्सी पर बैठकर या जिस बिस्तर पर लेट कर यह पोस्ट पढ़ रहे हैं वह दरअसल है ही नहीं, वह सिर्फ आपका वहम है। आपको जो कुछ भी दिख रहा है उसका वास्तव में कोई अस्तित्व नहीं है। आपके दिमाग की पांच इंद्रियां आपको वह सब दिखा या महसूस करा रही हैं। आयरलैंड के मशहूर दार्शनिक जार्ज बर्कले का दावा है कि इस दुनिया में कोई चीज भौतिक नहीं। यह जगत दरअसल है ही नहीं। ये सब एक विचार है। जैसे आपने पेन को आंखों से देखा और त्वचा से छुआ। पेन का कान्सेप्ट आपके दिमाग में पहले से है इसलिए आप उसे पेन कह रहे हैं। दूर अफ्रीका के जंगलों से आया कोई आदिवासी जिसने पहले कभी पेन नहीं देखा उसे वह उस वस्तु को पेन नहीं कहेगा। यानी सबकुछ आपके अनुभव पर निर्भर है और अनुभव चेतना का हिस्सा है। यानी चेतना है तो जीवन है वरना दुनिया जैसी कोई चीज नहीं है। भौतिक वस्तुओं का अस्तित्व नहीं है। जो है वह सिर्फ चेतना है। यह दार्शनिक विचार दुनिया को सबसे पहले ईसा की तीसरी शताब्दी में भारत के विज्ञानवाद ने दिया। विज्ञानवाद बौद्ध दर्शन से जुड़ा था। यह बौद्ध महायान की शाखा थी जिसकी स्थापना मैत्रेयनाथ ने की थी। योग तथा आचार पर विशेष बल देने के कारण इसे योगाचार भी कहा गया। यह द्वैतवाद, अद्वैतवाद, चार्वक, सांख्य, मीमांसा जैसे अन्य भारतीय दर्शन शाखाओं की तरह प्रसिद्ध नहीं हुआ लेकिन इस दर्शन ने जो कहा वह कई सदियों बाद यूरोप में अनुभववाद की आंधी के रूप में आया और हर तरफ छा गया। विज्ञानवाद या योगाचार का दर्शन भी बर्कले या जान लॉक की तरह मानता था कि हमारा मन हमारे अनुभवों की रचना करता है। जो कुछ है वह मन है। इस मन से बाहर संवेदना का कोई और दूसरा स्रोत नहीं है। इस सम्प्रदाय का साफ मानना था कि मन या चित्त के विज्ञान के अतिरिक्त संसार के किसी भी वस्तु का अस्तित्व नहीं है। वह सभी बाहरी भौतिक पदार्थ, जिन्हें हम देखते हैं वे विज्ञान मात्र हैं। भौतिक पदार्थ जो दिखाई पड़ते हैं, वे शून्य हैं। अंदर अगर किसी चीज का ज्ञान न हो तो बाहर किसी वस्तु का बोध नहीं हो सकता। इस दर्शन की मान्यता थी कि दुख इसीलिए कभी खत्म नहीं होता क्योंकि हम सब बाहर की चीजों में यानी भौतिकतावाद में फंसे रहते हैं। हम यह नहीं जानते कि बाहर तो केवल शून्य का साम्राज्य है। इसीलिए बाहर की चीज मिल भी जाए तो दुख नहीं खत्म होता क्योंकि उसकी प्राप्ति से अन्ततः संतोष नहीं होता। कुछ और पाने की इच्छा बनी रहती है। वह कुछ और बाहर तो है ही नहीं वह तो बस आपके दिमाग में है। विज्ञानवाद के तीन सदी बात इसी बात को आदि शंकराचार्य ने दूसरी तरह से कहा। इसीलिए शंकराचार्य को कई विचारक प्रच्छन्न बौद्ध भी कहते रहे हैं।

भौतिक चीजों और चेतन का द्वंद्व: दरअसल दर्शनशास्त्र में जड़ यानी भौतिक चीजों और चेतन या चिंतन का द्वंद्व सदियों से चला आ रहा है। दुनिया में इस द्वंद्व की शुरुआत सबसे पहले भारतीय ऋषियों ने द्वैतवाद और अद्वैतवाद के विचार के रूप में की। द्वैतवाद ने जड़ और चेतन दोनों को अंतिम सत्य कहा जबकि अद्वैतवाद ने कहा अंतिम सत्य सिर्फ एक है। जड़ और चेतन के रूप में उसमें भेद नहीं किया जा सकता। इसी आधार पर आगे चलकर छठी सदी में आदि शंकराचार्य ने कहा जगत माया है। मैं हमेशा सोचता रहा कि शायद शंकराचार्य कहना चाहते हैं कि हम सभी की बुद्धि पर माया का पर्दा पड़ा हुआ है और वे काफी हद तक सही भी थे। पश्चिम के दर्शनिकों ने इसी फलसफे को आगे बढ़ाया। इस स्कूल ने भौतिकवाद को किनारे कर चेतना की सत्ता को महत्ता दी। तब अनुभववाद का दर्शन आया। 17वीं सदी में पश्चिम में जॉन लॉक ने अनुभववादी दर्शन की नींव रखी थी। जान लॉक मानते थे कि मनुष्य का दिमाग जन्म के समय कोरा कागज होता है, जिस पर बाहरी चीजों का असर पड़ता है। इनमें विचार और भावनाएं शामिल हैं। लॉक के मनोविज्ञान में तीन बातें थीं। एक- दृष्टि, ध्वनि, स्वाद, स्पर्श और गंध मिलकर इंसान में एक तरह की चेतना यानी सोचने और समझने की शक्ति प्रदान करते हैं। दो- चेतना किस प्रकार भावना में बदल जाती है। तीसरी बात- भावनाएं किस तरह परस्पर सम्मिलित होती हैं। दरअसल हम अपना सारा ज्ञान अनुभव से हासिल करते हैं। हमारा सोचना, समझना, चीजों को पहचानना, उन्हें कोई नाम देना यह सब हमारे अनुभव पर आधारित है। आपने देखा है जन्म के वक्त किसी बच्चे का मन कोरे कागज की तरह खाली होता है। क्योंकि उसका कोई दुनियावी अनुभव नहीं होता। मां के गर्भ के अनुभव को वह व्यक्त नहीं कर सकता क्योंकि तब तक उसकी ज्ञानेन्द्रियां विकसित नहीं होती।

अनुभव ही है मनुष्य के सम्पूर्ण ज्ञान का आधार: उम्र के साथ मन छोटे-छोटे अनुभवों के साथ उसका प्रत्यय यानी विचार धारण करता जाता है। जान लॉक का मानना था कि मनुष्य के सम्पूर्ण ज्ञान का अंतिम आधार उसकी जिन्दगी के तमाम अनुभव हैं। इसके भी तीन आधार हैं- प्रत्यक्ष, अनुमान या स्मृति और कल्पना। प्रत्यक्ष यानी वह अनुभव जो हमें सामने से दिख या महसूस हो रहा है। जैसे एक गुलाब का फूल। उसे आंखों से प्रत्यक्ष रूप में देखकर, हाथों से छू कर और नाक से सूंघ कर हम कहते हैं ये गुलाब का फूल है। न कोई शक है और न कोई संदेह। अब हम उसे सामने से न भी देखें तो भी हमारे दिमाग में उसकी एक तस्वीर हमेशा के लिए बन गई। हम किसी किताब में गुलाब के फूल की तस्वीर देखेंगे तो तुरंत कह देंगे कि ये गुलाब का फूल है। बात खत्म। कहीं आसपास गुलाब की खुशबू आएगी तो हम कहेंगे यहां आसपास कहीं गुलाब का फूल या इत्र है। अब ये हमारे अनुभव का हिस्सा हो गया। जॉन लॉक के इस अनुभववाद को बाद के दार्शनिकों ने विस्तार दिया जिसमें जार्ज बर्कले, जार्ज विल्हेम फ्रेड्रिक हेगेल जैसे पश्चिमी दार्शनिक शामिल थे।

ये दुनिया कहीं ईश्वर का स्वप्न तो नहीं ?: इन्होंने बहुत चौंकाने वाली बातें कहीं जिन्हें आप पढ़ेंगे समझेंगे तो आप निश्चित हंसेंगे। वे तर्क देते हैं कि आपने सपना देखा। सपने में जो आप देख रहे हैं वह भौतिक है या चेतन है। सपने में आपने कुर्सी देखी, मेज देखा, अपना कोई दोस्त देखा। वह सब भौतिक कैसे हो सकता है? वह आपकी ही चेतना के हिस्से हैं। लेकिन आपके सपने में वे भौतिक लग रहे हैं। हेगेल ने कहा कहीं ऐसा तो नहीं कि यह सब गोरखधंधा जिसे हम दुनिया कहते हैं वह ईश्वर के किसी लंबे सपने का हिस्सा हो।

नागरिक बोध

झारखंड का तबरेज लिंचिंग केस, सजा से उठे सवाल

झारखंड के बहुचर्चित तबरेज अंसारी लिंचिंग केस में निचली अदालत ने दोषी करार दिए गए दस लोगों को दस-दस साल के सश्रम कारावास और 15-15 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। पीड़ित पक्ष ने इस सजा को कम बताते हुए कहा है कि वह इसे ऊपरी अदालत में चुनौती देगा। जून 2019 की दिल दहला देने वाली इस घटना में 24 साल के युवक तबरेज अंसारी को बुरी तरह पीटा गया था। वह पुणे में वेल्डर का काम करते थे और ईद मनाने झारखंड के सरायकेला स्थित अपने गांव धतकीडीह आए हुए थे। वहीं गांव के कुछ लोगों को संदेह हुआ कि तबरेज बाइक चुराने के मकसद से किसी घर में घुसे थे। इसी संदेह के आधार पर उन्हें बांधकर पीटा जाता रहा। उनसे धार्मिक नारे भी लगवाए गए। सुबह बुरी तरह घायल अवस्था में तबरेज को पुलिस के हवाले किया गया, लेकिन उसके बाद भी अस्पताल में इलाज करवाने के बजाय उन्हें जेल भेज दिया गया। चार दिन बाद जब उनकी हालत बिगड़ी तो बेहोशी की हालत में 22 जून को पहले सदर अस्पताल और फिर

जमशेदपुर के टाटा मेन हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां बताया गया कि अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो गई थी। यह भी ध्यान देने लायक है कि इस केस में पीड़ित पक्ष के जोर देने के बावजूद हत्या का मामला नहीं बनाया जा सका। दोषियों पर गैरइरादतन हत्या की धाराएं ही लगीं और उनमें भी सर्वाधिक कठोर सजा नहीं दी गई। यह बात सही है कि अदालत जनभावनाएं नहीं देखती, उसे साक्ष्यों के आधार पर ही फैसला सुनाना पड़ता है। लेकिन न्याय शास्त्र की एक अहम कसौटी यह भी है कि न्याय होना काफी नहीं है, न्याय होते हुए दिखना भी चाहिए। इस मामले में जहां एक तरफ बर्बरता के उदाहरण मिलते हैं, वहीं दूसरी तरफ पुलिस और प्रशासन की घोर लापरवाही भी नजर आती है। सवाल यह भी उठता है कि जो पुलिसिया तंत्र शुरू से ही इस तरह की लापरवाही दिखा रहा था, उसने साक्ष्य इकट्ठा करने में कितनी तत्परता दिखाई होगी। क्या अदालत का काम यह देखना नहीं था कि मामले की जांच सही ढंग से हुई या नहीं और सभी जरूरी साक्ष्य जुटाए गए या नहीं? क्या झारखंड की निचली अदालत में यह जिम्मेदारी सही ढंग से निभाई जा सकी है? ऐसे सवालों के जवाब चलताऊ ढंग से नहीं दिए जा सकते। अदालती प्रक्रिया के तहत ही इन पर विचार किया जाना चाहिए। न्यायपालिका के ऊपरी हिस्सों की यह जिम्मेदारी है कि अगर निचली अदालतों से किसी मामले को सही ढंग से समझने में गलती हो जाती है तो वे उस गलती को दुरुस्त करें। अच्छी बात है कि पीड़ित पक्ष ने ऊपरी अदालतों में जाने का फैसला किया है। उम्मीद की जाए कि वहां इस केस से जुड़े सभी जायज सवालों के उपयुक्त जवाब मिलेंगे।

देश दुनीया से

टमाटर के बहाने बाजार का न्याय, किसान के चेहरे पर आई मुस्कुराहट

अक्सर हमें टमाटर उत्पादक किसानों के चेहरे पर मुस्कुराहट नहीं दिखाई देती। मात्र एक महीने पहले महाराष्ट्र के किसान टमाटरों को सड़कों पर फेंक रहे थे, क्योंकि खबरों के मुताबिक टमाटर के थोक मूल्य में दो रुपये प्रति किलो की गिरावट आ गई थी। लेकिन अब कहानी बदल गई है। कई शहरों में टमाटर के खुदरा मूल्य सौ रुपये प्रति किलोग्राम को पार कर गए हैं और मजे की बात यह है कि किसानों को भी अपेक्षाकृत ज्यादा दाम मिल रहे हैं। हिमाचल प्रदेश से खबर है कि टमाटर उत्पादक किसानों को 102 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से अधिकतम कीमत मिल रही है, जो सेब की कीमत से भी ज्यादा है। यहां तक कि पंजाब में भी किसानों को 80 से 100 रुपये प्रति किलोग्राम के मिल रहे हैं, जबकि शॉपिंग मॉल में उपभोक्ता के लिए कीमत 97 से 137 रुपये प्रति किलोग्राम है। इसे दूसरे शब्दों में कहें, तो मुनाफे में व्यापारियों के हिस्से में काफी कमी आई है, जिसके चलते किसानों को मोटे तौर पर अंतिम उपभोक्ता मूल्य का 70 से 80 फीसदी हिस्सा मिल रहा है। मैं चाहूंगा कि तमाम सब्जियों और फलों के मामले में यह प्रवृत्ति देखने को मिले। भारतीय रसोई के एक महत्वपूर्ण मसाले- जीरे का थोक मूल्य भी बढ़ गया है। बारिश के कारण उत्पादन में भारी गिरावट और निर्यात के लिए मांग बढ़ने से जीरे का थोक मूल्य बढ़कर 55,750 रुपये प्रति क्विंटल तक पहुंच गया। इसके अलावा, जलवायु संबंधी अनियमितताओं के कारण इस सीजन में हिमाचल प्रदेश में ताजा सेब की फसल में 50 फीसदी की गिरावट आने की आशंका है। ऐसे में, लगता है कि जब बाजार में नई फसल आएगी, तो उसकी खुदरा कीमतें अपेक्षाकृत ज्यादा होंगी। इसका मतलब है कि किसानों को उम्मीद से बेहतर कीमत मिलेगी। इसका एक संदेश बिल्कुल साफ है कि जब तक किसान अतिरिक्त फसल उत्पादित करने के जुनून से बाहर नहीं निकलेंगे, बाजार उनके साथ न्याय नहीं करेगा। आमतौर पर सब्जियों और फलों के उपभोक्ता मूल्य में बढ़ोतरी का लाभ किसानों को नहीं दिया जाता है। मांग और आपूर्ति का समीकरण हमेशा काम नहीं करता है। ज्यादातर देखा गया है कि खुदरा व्यापार की कीमतों में हेर-फेर से उपभोक्ता कीमतों में अचानक बहुत तेज वृद्धि होती है। उपभोक्ताओं को जहां अधिक कीमत चुकाने के लिए मजबूर किया जाता है, वहीं किसानों को बढ़े हुए मूल्य का लाभ नहीं दिया जाता है। अब शिमला मिर्च का ही उदाहरण ले लीजिए, कुछ ही हफ्ते पहले पंजाब के किसान शिमला मिर्च को सड़कों पर फेंक रहे थे, क्योंकि व्यापारी उन्हें एक रुपये प्रति किलोग्राम की दर से भी कीमत नहीं देना चाह रहे थे। जबकि फेरी वाले शहरी उपभोक्ताओं से प्रति किलोग्राम शिमला मिर्च की कीमत 30 रुपये तक वसूल रहे थे। इसका मतलब है कि बाजार में बिचौलियों का कमीशन 2,900 फीसदी होगा, जो एक तरह से शोषण है। किसान प्याज को दो से तीन रुपये प्रति किलोग्राम की दर से बेच रहे थे, लेकिन खुदरा बाजार में इसकी कीमत 20 रुपये प्रति किलोग्राम थी, जो बताता है कि व्यापारियों को 900 फीसदी मुनाफा मिल रहा था। हम इसे बाजार की चतुराई कहकर खारिज कर सकते हैं, लेकिन वास्तव में यह किसानों के लिए जीवन-मरण का प्रश्न है। जरा उस झटके की कल्पना कीजिए, जो किसानों की आजीविका पर हमले करता है। जब किसान उत्पादन लागत भी नहीं मिलने पर अपनी मेहनत से उपजाई फसल को नष्ट करने के लिए मजबूर होते हैं। कुछ महीने पहले छत्तीसगढ़ से एक खबर आई थी, जिसमें बताया गया था कि कैसे महासमुंद के एक किसान को पूरी तरह से नुकसान उठाना पड़ा था, जब उसे रायपुर मंडी में 1,475 किलोग्राम बैंगन बेचने पर परिवहन एवं अन्य खर्चों को पूरा करने के लिए अपनी जेब से 121 रुपये का भुगतान करना पड़ा। सिर्फ भारत ही नहीं, अमेरिका और ब्रिटेन में भी किसानों को नुकसान उठाना पड़ता है। अमेरिका में जहां अंतिम उपभोक्ता मूल्य में से किसानों की हिस्सेदारी तेजी से घटी है, वहीं ब्रिटेन में एक अध्ययन से पता चलता है कि कृषि व्यवसाय करने वाली कंपनियां दैनिक उपयोग में आने वाले आधा दर्जन उत्पादों की बिक्री से होने वाले मुनाफे का मुश्किल से एक फीसदी हिस्सा ही किसानों को देती हैं। इस तरह की विसंगतियां बाजार संचालन के तरीके में खामियों का परिणाम हैं। हालांकि हर तरह के आर्थिक सुधार किए गए हैं।

अभी टमाटर के भावों से किसान के चेहरे पर मुस्कुराहट आई है, लेकिन यह सिर्फ एक मामला है। क्या बाजार व्यवस्था में ऐसा संतुलन नहीं हो सकता कि मुनाफे का न्यूनतम पचास फीसदी किसानों तक पहुंच सके? आखिर बाजार उपभोक्ता और उत्पादक, दोनों का बड़ा हिस्सा क्यों ले जाता है।

श्रीलंका बोला- भारत ने हमें खून-खराबे से बचाया : कहा- आर्थिक संकट में उसने हमारी रक्षा की; इतनी मदद कोई नहीं करता

कोलंबो।
श्रीलंका की संसद के स्पीकर महिंदा यापा अभयवर्दना ने भारत के प्रति आभार जताया है। उन्होंने कहा- भारत एक भरोसेमंद दोस्त है और उसने पिछले साल आर्थिक संकट के दौरान हमारी रक्षा की। अगर भारत न होता तो शायद देश में एक बार फिर से खून-खराबे का माहौल बन जाता। 2 दिन पहले इंडियन ट्रैवल कांग्रेस के डेलिगेशन के लिए हुए गाला डिनर के दौरान श्रीलंकन स्पीकर ने ये बात कही। अभयवर्दना ने कहा- श्रीलंका और भारत के बीच गहरी दोस्ती है। भारत हमेशा हमारा सबसे भरोसेमंद साथी रहा है। दोनों देशों में कल्चर, नेशनल, सोशल और पॉलिसी के लिहाज से काफी समानता है। मैंने सुना है कि भारत हमारे लोन को 12 सालों के लिए बढ़ाने (रीस्ट्रक्चर) को तैयार है। हमें कभी इसकी उम्मीद नहीं थी और आज तक किसी भी देश ने हमारी इतनी मदद नहीं की।

स्पीकर बोले- मदद के लिए भारत और पीएम मोदी के आभारी

इसके बाद मीडिया से बातचीत करते हुए संसद स्पीकर ने कहा- श्रीलंका में मौजूद भारतीय एम्बेसडर गोपाल बगलय हमारे खास दोस्त हैं। हम उनसे बेहद प्यार करते हैं और उनका सम्मान करते हैं। भारत हमेशा हमारी मदद के लिए आगे आया है। पिछले साल इकोनॉमिक क्राइसिस के वक्त भारत ने हमारी आर्थिक मदद की, जिससे हमें 6 महीने तक देश चलाने में आसानी हुई। हम इसके लिए भारत और पीएम मोदी के आभारी हैं।

राष्ट्रपति बोले- श्रीलंका का इस्तेमाल भारत के खिलाफ नहीं होगा

कुछ दिन पहले श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने कहा था कि उनके देश का इस्तेमाल कभी भारत के खिलाफ नहीं किया जा सकेगा। ब्रिटेन और फ्रांस के दौरे पर रवाना होने से पहले रानिल ने कहा था- इस बात में किसी को कोई शक नहीं होना चाहिए कि हम चीन से कभी मिलिट्री एग्रीमेंट नहीं करेंगे। चीन और श्रीलंका के रिश्ते मजबूत हैं, लेकिन हम ये भी साफ कर देना चाहते हैं कि हमारे देश में चीन का कोई मिलिट्री बेस नहीं हैं और न होगा। हम एक न्यूट्रल देश हैं।

पिछले साल की थी 4 बिलियन डॉलर की मदद

पिछले साल श्रीलंका ने अपने इतिहास के सबसे बड़े आर्थिक संकट का सामना किया था। तब भारत ने श्रीलंका की 4 बिलियन डॉलर से ज्यादा की आर्थिक मदद की थी। श्रीलंका के विदेश मंत्री अली साबरी ने इस मदद के लिए भारत को धन्यवाद दिया था। साबरी ने कहा था कि भारत की मदद से ही श्रीलंका थोड़ा-बहुत वित्तीय संतुलन हासिल कर पाया था। टैक्स में कटौती का फैसला भारी पड़ा 2019 में तत्कालीन राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने टैक्स में कटौती का लोकलुभावन दांव खेला, लेकिन इससे श्रीलंका की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा। एक अनुमान के मुताबिक, इससे श्रीलंका की टैक्स से कमाई में 30प्रतिशत तक कमी आई, यानी सरकारी खजाना खाली होने लगा।

न्यूज ब्रीफ

नेतन्याहू सरकार के लाए न्यायिक सुधार विधेयक पर मतदान से पहले देश में प्रदर्शन, लाखों लोग सड़क पर उतरे

तेल अवीव । इस्राइल के न्यायिक सुधार विधेयक पर मतदान होने से पहले ही देशभर में विरोध-प्रदर्शन तेज हो गया है। तेल अवीव सहित अन्य शहरों में प्रदर्शन किए गए। लोकल मीडिया के मुताबिक, हजारों लोग अलग-अलग शहरों में प्रदर्शन कर रहे हैं। लोगों का आरोप है कि न्यायिक सुधार कानून न्यायिक प्रणाली को खत्म करने की सरकार की योजना है। इस्राइल में डेढ़ लाख से ज्यादा लोग सड़कों पर उतर आए हैं। इनमें से एक लाख 40 हजार लोग अकेल तेल अवीव में प्रदर्शन कर रहे हैं। इतनी बड़ी संख्या में पहली बार लोग बाहर आए हैं। यह विरोध ऐसे समय में हुआ है, जब सोमवार को नेतन्याहू सरकार की न्यायिक सुधार नीति के तहत कोर्ट की शक्तियां काफी कम करने वाले विधेयक को राष्टीय विधायिका नेसेट में पढ़ा जाना है। केंद्र, वामपंथी और यहां तक कि दक्षिणपंथी नागरिकों, सैन्य रिजर्व और राजनीतिक दलों द्वारा छह महीने से कड़ा विरोध जताया जा रहा है। विरोध को देखते हुए इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार ने न्यायिक सुधार को पारित करने के अपने प्रयासों को नवीनीकृत किया है। जून के अंत में, इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि अपनी सरकार के प्रस्तावित न्यायिक सुधार के सबसे विवादास्पद पहलुओं में से एक नेसेट को सुप्रीम कोर्ट के फैसलों को पलटने की अनुमति देने वाला प्रावधान हटा दिया गया है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के अलावा नेसेट की शक्ति पर इस्राइल का कोई नियंत्रण नहीं है।

पाकिस्तान के कराची में एक आदमी ने महिला पर किया हमला, सिंध के सीएम ने तुरंत कार्रवाई के दिए निर्देश

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कराची में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। कराची के गुलिस्तान-ए-जौहर में एक व्यक्ति ने पहले महिला को आपत्तिजनक इशारे किए फिर उस पर हमला कर दिया। यह घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई और फुटेज सोशल मीडिया पर पोस्ट होने के बाद वायरल हो गई। सिंध के मुख्यमंत्री और सूचना मंत्री को इस घृणित कार्य के बारे में जानकारी दी गई इसके बाद उन्होंने कराची के सहायक पुलिस महानिरीक्षक (डीआईजी) और सिंध के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) को आरोपी को तुरंत गिरफ्तार करने और उसके साथ कानून के अनुसार कार्रवाई करने का निर्देश दिया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, शिकायत के आधार पर स्थानीय पुलिस ने शुक्रवार को जौहर पुलिस स्टेशन में औपचारिक रूप से जांच शुरू की। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह घटना महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने में पाकिस्तान की अक्षमता के साथ-साथ सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में कानून के डर के बिना महिलाओं को छेड़ने और उन्हें परेशान करने की गंभीर घटना की याद दिलाती है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पीड़िता की पहचान कर ली गई है, लेकिन उसका परिवार पूछताछ में मदद करने से इनकार कर रहा है। जिसका मतलब है कि अपराधी की पहचान उसके परिवार, दोस्तों और परिचितों ने भी कर ली है। लेकिन अफसोस की बात है कि कोई भी उन पर आरोप लगाने के लिए आगे नहीं आएगा। पुलिस ने घटना के चश्मदीद दो निजी सुरक्षा गार्डों से भी पूछताछ की है।

ब्राजील में बिल्डिंग ढहने से 14 लोगों की मौत, क्षतिग्रस्त इमारत में रह रहे थे बेघर लोग

ब्रासीलिया । ब्राजील में एक क्षतिग्रस्त बिल्डिंग ढह गई। हादसे में 14 लोगों की मौत हो गई। वहीं कई लोग घायल हैं। फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने लोगों को बाहर निकालकर उनकी जान बचाई। घटना ब्राजील के पूर्वी राज्य पेरनामबुको की है। राज्य के रेसिफ के पॉलिस्ता में शुक्रवार तड़के एक बिल्डिंग ढह गई थी। बिल्डिंग में बेसहारा और बेघर लोग रहा करते थे, जो पहले से ही क्षतिग्रस्त थी। मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। ब्रिगेड के कर्मियों ने पहले तो पुलिस की मदद से लोगों की जान बचाई। मलबे में फंसे लोगों को बचाने के लिए कर्मियों ने कुत्तों की मदद ली, जिससे 15 साल की एक लड़की और 65 साल की एक वृद्ध को बचा लिया गया। टीम ने 18 साल के एक युवक को भी बाहर निकाला। हालांकि, बाद में उसकी मौत हो गई। फायर ब्रिगेड का कहना है कि खोजी अभियान चलाया जा रहा है, जिससे मलबे में फंसे जानवरों को बाहर निकाला जा सके। फायर ब्रिगेड का कहना है कि हादसे में कुल 14 लोगों की जान चली गई है।

सूडान में एयर रेड में 22 नागरिकों की मौत

सेना और पैरामिलिट्री के बीच 3 महीने से लड़ाई जारी, 30 लाख ने घर छोड़ा

खार्तुम।
नॉर्थ अफ्रीकी देश सूडान में पिछले 3 महीनों से मिलिट्री और पैरामिलिट्री फोर्स में लड़ाई जारी है। राजधानी खार्तुम के पास ओमडुरमैन शहर में शनिवार को हवाई हमले किए गए। इसमें 22 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हुए हैं। अल जजीरा के मुताबिक ये अटैक शहरी इलाके में हुआ अब तक का सबसे खतरनाक हमला है।

पैरामिलिट्री फोर्स आरएसएफ ने सूडान मिलिट्री फोर्स को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया है। आरएसएफ के मुताबिक इस हमले में 31 आम नागरिकों की मौत हुई है। सेना ने रेसिडेंशियल इलाके को निशाना बनाया। उन्होंने कहा- सूडान की आर्मी जनरल अब्देल फतह अल-बुरहान आतंकी हमला करवाकर देश की जनता को निशाना बना रहे हैं।

एयरक्राफ्ट्स और ड्रोन्स से हो रहे हमले

वहीं क्षेत्र में रहने वाले एक शख्स ने कहा- ये बता पाना मुश्किल है कि हमला किसने किया। कई दिनों से मिलिट्री अपने एयरक्राफ्ट्स से आरएसएफ को इस क्षेत्र में निशाना बना रही है। वहीं आरएसएफ भी लगातार उन पर ड्रोन अटैक कर रही है।

शनिवार को एयर-रेड से पहले मिलिट्री ने शहर में आरएसएफ के कई ठिकानों पर हमला किया था। इससे बचने के लिए आरएसएफ के लड़ाकों ने आम नागरिकों के घर में पनाह ली थी। आरएसएफ ने एंटी-एयरक्राफ्ट्स से वॉरप्लेन पर जवाबी हमले भी किए थे। वहीं इस अटैक को लेकर सूडान मिलिट्री की तरफ से कोई बयान जारी नहीं किया गया है।

अब तक 1,133 लोगों की मौत, 30 लाख ने घर छोड़ा

पिछले कुछ दिनों से आर्मी-पैरामिलिट्री ओमडुरमैन शहर में लड़ रहे हैं। दरअसल, इस शहर का पश्चिमी इलाका आरएसएफ के लिए एक बड़ा सप्लाई रूट है। यहीं से वो डार्फर में अपने पावर बेस तक पहुंच सकता है। सूडान की हेल्थ मिनिस्ट्री के मुताबिक, 15 अप्रैल से जारी इस लड़ाई में अब तक 1133 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं करीब 30 लाख लोग अपना घर छोड़कर जा चुके हैं। इनमें से करीब 7 लाख लोग आसपास के देशों में रह रहे हैं। 3 महीने से जारी लड़ाई के बीच कई महिलाओं के साथ रेप और छोटी बच्चियों को किडनैप करने के भी मामले सामने आए हैं। वहीं, अमेरिका और सऊदी अरब जैसे देशों ने कई बार दोनों फोर्सेज के बीच सीजफायर कराने की भी कोशिश की लेकिन वो कामयाब न हो सके।

कौन हैं सूडान में सेना से लड़ने वाले रैपिड सपोर्ट फोर्स के लड़ाके

2000 के दशक में सूडान के पश्चिमी इलाके डार्फर में विद्रोह शुरू हो गया था। इससे निपटने के लिए सेना ने जंजावीद मिलिशिया की मदद ली। ये मिलिशिया ही आगे चलकर रेपिड सपोर्ट फोर्स में बदल गया और अलग-अलग मिशन में सेना की मदद करने लगा।

डार्फर इलाके में हुआ विद्रोह सबसे जानलेवा विद्रोह में शामिल है। 2003 से 2008 के बीच इस लड़ाई में 3 लाख लोगों की जान गई। वहीं, 20 लाख से ज्यादा लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ा था। इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट ने 2009 में इस मामले में सूडान के तानाशाह ओमार हसन अल बशीर पर मानवता के खिलाफ अपराध और नरसंहार के आरोप लगाए थे।

तानाशाह अल बशीर ने डार्फर विद्रोह कुचलने में मदद करने वाले जंजावीद लड़ाकों को सरकारी दर्जा देना चाहता था। इसके चलते 2013 में इसे आरएसएफ में बदल दिया गया।

5 पॉइंट्स में समझें सूडान में हिंसा की वजह

- सूडान में मिलिट्री और पैरामिलिट्री के बीच वर्चस्व की लड़ाई है। 2019 में सूडान के तत्कालीन राष्ट्रपति ओमर अल-बशीर को सत्ता से हटाने के लिए लोगों ने प्रदर्शन किया।
- अप्रैल 2019 में सेना ने राष्ट्रपति को हटाकर देश में तख्तापलट कर दिया, लेकिन इसके बाद लोग लोकतांत्रिक शासन और सरकार में अपनी भूमिका की मांग करने लगे।
- इसके बाद सूडान में एक जॉइंट सरकार का गठन हुआ, जिसमें देश के नागरिक और मिलिट्री दोनों का रोल था। 2021 में यहां दोबारा तख्तापलट हुआ और सूडान में मिलिट्री रूल शुरू हो गया।
- आर्मी चीफ जनरल अब्देल फतह अल-बुरहान देश के राष्ट्रपति और आरएसएफ लीडर मोहम्मद हमदान डागालो उपराष्ट्रपति बन गए। इसके बाद से आरएसएफ और सेना के बीच संघर्ष जारी है।
- सिविलियन रूल लागू करने की डील को लेकर मिलिट्री और आरएसएफ आमने-सामने हैं। आरएसएफ सिविलियन रूल को 10 साल बाद लागू करना चाहती है, जबकि आर्मी का कहना है कि ये 2 साल में ही लागू हो जाना चाहिए।

रूस-चीन की साझेदारी पर बाइडन की चेतावनी, कहा- पश्चिम देशों के निवेश पर ही टिकी है चीनी अर्थव्यवस्था

वाशिंगटन।
अमेरिका ने चीन को एक बार फिर चेतावनी दी है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति की मुलाकात के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि उनकी मुलाकात के बाद निवेश के बारे में सावधान रहें।

बाइडन ने कहा कि बीजिंग की अर्थव्यवस्था कई मायनों में अमेरिका पर निर्भर करती है। इसके अलावा बाइडन का मानना है कि यूक्रेन नाटो में शामिल होगा। एक विदेशी मीडिया के साथ साक्षात्कार में जो बाइडन ने कहा कि मैंने बीजिंग को कई धमकी नहीं दी है। मैंने बस उन्हें इस ओर ध्यान देने के लिए कहा है। रूस जब से यूक्रेन में घुसा है, तब से 600 अमेरिकी निगम रूस से बाहर आ गए है। चीन की अर्थव्यवस्था यूरोप और यूएसए के निवेश पर निर्भर है, इसलिए सावधान रहें। बता दें, इस दौरान ताइवन सहित अन्य मामलो में चीन-अमेरिका के बीच संबंध तनावपूर्ण हैं। चेतावनी पर जिनपिंग की प्रतिक्रिया के सवाल पर बाइडन ने कहा कि जिनपिंग ने इस पर कोई बहस नहीं की। वह रूस के खिलाफ आक्रमक नहीं है।

अमेरिकी ट्रेजरी सचिव चीनी दौरे पर हैं

विदेशी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने मार्च में दो दिन बातचीत की थी। इस दौरान दोंनों देशों ने पश्चिम देशों की निंदा करते हुए आपसी रिश्तों में सौहार्द्र व्यक्त किए। इसके अलावा दोनों देशों के नेताओं ने एससीओ में भाग लिया। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी ट्रेजरी सचिव जेनेट येलेन इस समय बीजिंग के दौरे पर है। उनके ऊपर अमेरिका-चीन के संबंधों को स्थिर करने की चुनौती है।

नाटो में नहीं शामिल होगा यूक्रेन

विदेशी मीडिया के साथ साक्षात्कार के दौरान बाइडन ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि यूक्रेन उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) की सदस्यता के लिए तैयार है। नाटो की प्रकिया काफी लंबी है, जिसे पूरा करने में समय लगता है। बाइडन ने बताया कि मुझे नहीं लगता कि नाटो में इस बारे में एकमत है कि युद्ध के बीच यूक्रेन को नाटो परिवार में शामिल किया जाए।

यूक्रेन लौटे जंग के हीरोः तुर्किये ने मारियुपोल के 5 कमांडरों को किया आजाद; रूस बोला- ये प्रिजनर एक्सचेंज डील का उल्लंघन

कीव।
रूस-यूक्रेन जंग को 500 दिन पूरे हो चुके है इस मौके पर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की तुर्किये से 5 पूर्व यूक्रेनी कमांडरों को देश वापस लेकर आए। ये कमांडर पिछले साल मारियुपोल के एजोवस्तल स्टील प्लांट में तैनात थे और इन्होंने 3 महीने तक रूसी सेना को चुनौती दी थी। इन कमांडर्स को यूक्रेन का शेर या हीरो भी कहा जाता है।

रूस ने कमांडरों के वापस लौटने का विरोध किया है। उसने इस प्रिजनर स्वैप एग्रीमेंट का उल्लंघन बताया। दरअसल, पिछले साल सितंबर में तुर्किये ने रूस-यूक्रेन के बीच कैदियों के एक्सचेंज के लिए डील कराई थी। इसके बदले तुर्किये ने जंग खत्म होने तक यूक्रेन के सैनिकों को अंकारा में रखने का वादा किया था।

रूस बोला- हमें कैदियों को छोड़ने की जानकारी नहीं मिली

इन कमांडरों के नाम डेनिस प्रोकोपेंको, स्वेयातोस्लाव पालमार, सेरहीय वोलिंस्की, ओलेह खोमेंको, डेनिस श्लेहा हैं। कमांडरों की रिहाई पर क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा-अंकारा ने समझौते के तहत लोगों को जंग खत्म होने तक तुर्किये में रखने का वादा किया था।उन्होंने सैनिकों को छोड़ने से पहले रूस को

जानकारी नहीं दी। उन्होंने डील का उल्लंघन किया है। दूसरे देशों ने ऐसा करने का प्रेशर बनाया है।

जेलेंस्की बोले- देश के सैनिकों को घर लाने का सिलसिला जारी रहेगा

वहीं कमांडरों को वापस लाने के बाद ल्वीव में एक सेरेमनी के दौरान जेलेंस्की ने कहा- हम जंग के हीरोज को वापस उनके घर लेकर आए हैं। अब ये लोग अपने परिवार के साथ रह सकेंगे। मैं इसके लिए तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन को धन्यवाद कहता हूं। हम आगे भी अपने कमांडरों को देश वापस लाने का सिलसिला जारी रखेंगे। पिछले साल 24 फरवरी को युद्ध शुरू होने के तुरंत बाद रूस ने मारियुपोल शहर पर हमला कर दिया था। 3 महीने तक इस शहर में चली जंग में यूक्रेन के हजारों नागरिकों की मौत हो गई थी।

कनाडा में खालिस्तानी और भारतीय आमने-सामने: भारतवंशी तिरंगा लहराकर बोले- खालिस्तानी सिख नहीं होते; ब्रिटेन में भारत विरोधी रैली में नहीं जुटी भीड़

टोरंटो।
कनाडा में इंडियन कॉन्सुलेट के बाहर को करीब 250 खालिस्तानी प्रदर्शनकारियों ने झंडे लहराए और नारे भी लगाए। इसके जवाब में भारतीय समुदाय के लोग भी तिरंगा लेकर वहां मौजूद रहे। उन्होंने भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारे लगाए। इस दौरान उनके हाथ में तख्ती पर खालिस्तानी सिख नहीं होते स्लोगन लिखा हुआ था। भारतवंशियों के प्रदर्शन और नारेबाजी के आगे खालिस्तानियों की रैली फीकी पड़ गई। प्रदर्शन के दौरान दोनों पक्ष के समर्थक आमने-सामने नजर आए। बता दें कि खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद खालिस्तानी समर्थकों ने 8 जुलाई को अमेरिका, ब्रिटेन और कनाडा में किल भारत रैली निकालने की घोषणा की थी। भारत माता मंदिर के बाहर इंडियन डिप्लोमैट्स के खिलाफ पोस्टर लगे खालिस्तानी समर्थकों ने कनाडा में

प्रदर्शन की शुरुआत करते हुए भारत माता मंदिर के बाहर अपना पोस्टर लगा दिया था। इस पर वॉर जोन लिखा हुआ था। पोस्टर में भारतीय डिप्लोमैट्स की तस्वीर थी, जिन्हें निज्जर की हत्या का दोषी बताया गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, खालिस्तानियों के प्रदर्शन का नेतृत्व आतंकी गुरुपतवंत सिंह पन्नू और परमजीत सिंह पम्मा ने किया था। इन पर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से फंडिंग लेने का आरोप है। खालिस्तानी समर्थकों के हाथ में हरदीप सिंह निज्जर का पोस्टर था, जिसकी 18 जून को कोलंबिया में हत्या कर दी गई थी। दूसरी तरफ, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया में भारतीय दूतावासों के बाहर भीड़ इकट्ठा ही नहीं हो पाई। लंदन में भारतीय हाईकमीशन के बाहर करीब 30-40 खालिस्तानी समर्थक झंडे लिए नजर आए।

आतंकवादी परमजीत सिंह पम्मा ने इसका नेतृत्व किया। इस दौरान पुलिस बल भी वहां मौजूद रहा। हालांकि, आतंकी पम्मा के खिलाफ कोई एक्शन नहीं लिया गया। भीड़ नहीं जुटने की वजह से ये प्रदर्शन तय समय से पहले ही खत्म हो गया।

राजनयिकों को धमकी के बाद सख्त हुए देश

खालिस्तान के नारे लगाते हुए भारत में अलग देश की मांग करने वाले खालिस्तानी समर्थकों को अब विदेशों में मिलने वाला सपोर्ट कम होने लगा है। इसके पीछे का कारण भारत सरकार की तरफ से बनाया जा रहा दबाव और खालिस्तानी समर्थकों की तरफ से भारतीय दूतावासों व राजनयिकों को नुकसान पहुंचाने की धमकी है।

इसके बाद से अब कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया जैसे देश भी पीछे हटना शुरू हो गए हैं। सभी देशों के विदेश मंत्रालय स्पष्ट कह चुके हैं कि वे अपनी धरती पर आतंकवादी गतिविधियों को अनुमति नहीं देंगे।

हम चीन के पिछलग्गू नहीं

भारत से संबंध चट्टान की तरह मजबूत, विदेश मंत्री मोमेन का बड़ा बयान

ढाका ।
बांग्लादेश के विदेश मंत्री डॉ. एके अब्दुल मोमेन ने शनिवार को कहा कि उनका देश संतुलित और स्वतंत्र विदेश नीति का पालन करता है और वह किसी भी देश के अधीन नहीं है। मोमेन ने यह भी कहा कि पड़ोसी भारत के साथ उसके संबंध चट्टान की तरह मजबूत हैं। उन्होंने कहा, हम भारत के साथ अपने संबंधों में एक सुनहरे अध्याय में हैं। मोमेन ने यहां विदेश सेवा अकादमी में डिप्लोमैटिक रिपोर्टर्स एसोसिएशन ऑफ बांग्लादेश (डीसीएबी) के सदस्यों के साथ बातचीत में कहा, कुछ लोगों को लगता है कि हम चीन की ओर भाग रहे हैं, लेकिन (वास्तव में) हम किसी की ओर नहीं जा रहे हैं। उन्होंने चीन को विकास का साझेदार बताया, लेकिन इस बात की किसी भी संभावना से इनकार किया कि बांग्लादेश चीनी कर्ज के जाल में फंस सकता है। उन्होंने कहा, यह गलत धारणा है। कुछ पंडित ऐसा कहते हैं और कई इसे मानते हैं, खासकर कुछ विदेशी संस्थान। मोमेन ने कहा कि किसी भी परिस्थिति में हम चीन के कर्ज के जाल में नहीं फंसेंगे। विदेश मंत्री ने कहा कि बांग्लादेश किसी भी देश के अधीन नहीं है और विशेष रूप से ढाका कभी भी चीन की ओर झुका नहीं है क्योंकि यह एक संतुलित और स्वतंत्र विदेश नीति रखता है। उन्होंने कहा, हम किसी की पूंछ नहीं हैं... हम चीन के पिछलग्गू नहीं हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि बांग्लादेश विदेशी ऋण लेने में बहुत विवेकपूर्ण और सावधान है। उन्होंने कहा, हम अनावश्यक ऋण नहीं लेते हैं। उन्होंने भारत के साथ ढाका के संबंधों को चट्टान की तरह मजबूत बताया और कहा, हम भारत के साथ अपने संबंधों के सुनहरे अध्याय में हैं। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश और अमेरिका के बीच भी संबंध अच्छे हैं और खुद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के

अनुसार, वाशिंगटन बांग्लादेश के साथ संबंध सुधारना चाहता है। मोमेन ने कहा कि ढाका सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और कतर सहित मध्य पूर्वी देशों के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए हुए है। उन्होंने कहा, हमारे सभी देशों के साथ अच्छे संबंध हैं। यही कारण है कि जब हम संयुक्त राष्ट्र में कोई चुनाव लड़ते हैं तो हम जीतते हैं। मोमेन की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब जनवरी 2024 की शुरुआत में होने वाले आम चुनावों से पहले बांग्लादेश के राजनीतिक परिदृश्य को लेकर ढाका-वाशिंगटन संबंधों को पिछले साल से महत्वपूर्ण स्थिति में माना जा रहा है। अमेरिका ने मानवाधिकारों की स्थिति और राजनीतिक समावेशिता पर सवाल उठाए हैं, जबकि पिछले साल उसने कथित न्यायेतर हत्याओं के आरोप में अपराध रोधी रैपिड एक्शन बटालियन (आरएबी) के कई मौजूदा और पूर्व अधिकारियों पर वीजा प्रतिबंध लगा दिया था। अमेरिका ने पिछले महीने चेतावनी जारी की थी कि वह कानून प्रवर्तन अधिकारियों और राजनीतिक कार्यकर्ताओं सहित किसी के भी वीजा को प्रतिबंधित कर देगा, जो बांग्लादेश में स्वतंत्र और विश्वसनीय चुनाव के आयोजन में बाधा उत्पन्न करेगा। प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अमेरिका के इस कदम की आलोचना की और हाल ही में एक संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने अमेरिका की ओर इशारा करते हुए कहा कि वह सत्ता में बने रहने के लिए किसी भी राष्ट्रीय संपत्ति को बेचने या देश की संप्रभुता से समझौता करने का सहारा नहीं लेंगी। प्रतिबंधों पर हसीना ने कहा कि बांग्लादेश प्रतिबंधों से नहीं डरता। उन्होंने बांग्लादेश के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे बांग्लादेश पर प्रतिबंध लगाने वाले देशों से कुछ भी खरीदना बंद करें। बाद में हसीना ने कहा, मैं सेंट मार्टिन द्वीप (बंगाल की खाड़ी में) को पट्टे पर देकर सत्ता में वापसी नहीं करना चाहती। अमेरिकी विदेश विभाग ने 21 जून को उनकी टिप्पणी पर तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि अमेरिका ने सेंट मार्टिन द्वीप पर कब्जा करने पर चर्चा नहीं की और वाशिंगटन बांग्लादेश की संप्रभुता का सम्मान करता है।

स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा का अनावरण

बांसवाड़ा (हिंस)। युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत स्वामी विवेकानंद जी की आदमकद प्रतिमा का अनावरण रविवार को जनजाति विकास राज्य मंत्री अर्जुन सिंह बामनिया ने किया। नगर परिषद् द्वारा मोहन कॉलोनी चौराहे का सौन्दर्यकरण कराया जाकर स्वामी विवेकानन्दजी की आदमकद प्रतिमा स्थापित की गई है। इस अवसर पर सभापति जैनेन्द्र त्रिवेदी, अति. विशिष्ट अतिथि रामधाम श्री देवल मेढ़ता पीठाधीवर रामकिशोरजी महाराज, जिला कलेक्टर प्रकाश चंद्र शर्मा की अध्यक्षता, विशिष्ट अतिथि के तौर पर संत रामप्रकाशजी महाराज, बड़ा रामद्वारा, पूर्व सभापति राजेश टेलर आदि मौजूद थे। सभापति जैनेन्द्र त्रिवेदी ने बताया कि नगर परिषद द्वारा शहर सौंदर्यकरण के तहत करीब दस लाख रुपए की लागत से आदमकद प्रतिमा का निर्माण जयपुर से कराया गया है।

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग बंद, सैकड़ों वाहन फंसे

जम्मू (हिंस)। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग बंद होने से सैकड़ों वाहन फंसे हुए हैं। भारी बारिश के बीच मार्ग पर भूस्खलन का मलबा आने के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग को अगली सूचना तक बंद किया गया है। इसी बीच मुगल रोड भी भूस्खलन के कारण अवरुद्ध है। ट्रैफिक पुलिस ने एक ट्वीट में बताया कि एनएच-44 अभी भी बंद है। रत्ता छंब में भूस्खलन के कारण मुगल रोड फिर से अवरुद्ध हो गया है। उन्होंने लोगों को यातायात विभाग से पुष्टि के बिना यात्रा न करने की सलाह दी है। इससे पहले यातायात विभाग ने शनिवार शाम को लोगों को किसी भी यात्रा से पहले सड़क की स्थिति की जांच करने की सलाह दी थी। जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही बारिश के कारण दलवास और कैफेटेरिया-मेहर रामबन में भूस्खलन के कारण पंथ्याल में सड़क का एक हिस्सा बह गया है।

देश की बागडोर प्रधान मंत्री मोदी के हाथों में सुरक्षित : कृष्णपाल गुर्जर

फरीदाबाद (हिंस)। केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में देश को नई दिशा मिली है। भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बन गया है और 2027 में दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति होगा। मोदी जी कहते है कि देश आगे तभी बढ़ेगा, जब देश को आगे बढ़ाने की सोच के साथ कार्य होंगे। विपक्ष के लिए तो परिवार प्रथम है। उन्होंने न देश को आगे बढ़ाया न देश की प्रतिष्ठा को। प्रधानमंत्री मोदी व प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल के कुशल नेतृत्व में देश, प्रदेश सहित फरीदाबाद में पिछले 09 सालों में अभूतपूर्व परिवर्तन हुए हैं। वे रविवार को सेक्टर-55 में के वार्ड नंबर-1 में पार्षद मुकेश डागर और प्रदीप राणा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने सेक्टर-55 में एक करोड़ 80

लाख की लागत से होने वाले विकास कार्यों का किया उद्घाटन/शिलान्यास किया। इन विकास कार्यों में 19 लाख 87 हजार की लागत से मदरसे वाली गली राजीव कॉलोनी में 300एमएम सीवर लाईन व इंटरलॉकिंग टाईल्स, 04 लाख 73 हजार की लागत से सेक्टर 55 सामुदिक भवन के सामने वेंडिंग जोन के पास पब्लिक टॉयलेट बनाना, 10 लाख 87 हजार की लागत से झासेंतली गांव में बारातघर व सामुदायिक भवन की मरम्मत व टॉयलेट बनाना, 31 लाख की लागत से राजीव कॉलोनी वाटर टैंक से अटल पार्क तक इंटरलॉकिंग लाईल्स की सड़क बनाना, 20 लाख 61 हजार की लागत से पटवारी फार्म कृष्णा कॉलोनी में 100एमएम पीवीसी पानी की 7 लाईन डालना व गली न0 06 से 08 कृष्णा कॉलोनी में इंटरलॉकिंग टाईल्स लगाना, 26 लाख 27 हजार की लागत से राजीव कॉलोनी सरकारी स्कूल के पास सामुदायिक भवन का नवनिर्माण करना, 50 लाख की लागत से सेक्टर 55 में ग्रीन बेल्ट का विकास करना, 16 लाख की लागत से ओम वैली राजीव कॉलोनी रोड को आरएमसी एम-35 का बनाना कुल मिलकर एक करोड़ 80 लाख की लागत से होने वाले विकास कार्यों का उद्घाटन/शिलान्यास किया।

जलभराव का जायजा लेने गईं पंजाब की मंत्री के पैर में हुआ फ्रैक्चर

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब की पर्यटन मंत्री अनमोल गगन मान रविवार को जलभराव वाले क्षेत्रों का जायजा लेने के दौरान पैर स्लिप होने से घायल हो गईं। उनके पैर में फ्रैक्चर आने से डाक्टरों ने आराम की सलाह दी है। पंजाब में भारी बारिश के कारण बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद रविवार को सभी मंत्री अपने-अपने हलकों में जलभराव वाले इलाकों में पहुंचे थे। इसी दौरान पर्यटन मंत्री अनमोल गगन मान खरड़ क्षेत्र में दौरा पर गई थीं। इस दौरान उनका पैर स्लिप होने से घायल हो गई। मंत्री के स्टाफ ने उन्हें खरड़ के सरकारी अस्पताल पहुंचाया। डाक्टरों ने पैर में फ्रैक्चर बताया और उनके पैर पर प्लास्तर लगा दिया गया है। डाक्टरों ने उन्हें कम से कम दो सप्ताह तक आराम करने की सलाह दी है। बाद में अनमोल गगन ने ट्वीट कर बताया कि हलका निवासियों को परेशान होने की जरूरत नहीं है। उन्होंने अधिकारियों को बाढ़ से प्रभावितों की मदद के निर्देश जारी कर दिए हैं। उनकी टीमें लगातार सक्रिय रहेंगी। मान ने कहा कि वह बहुत जल्द अपने हलके के लोगों के बीच में होंगी।

जनता कांग्रेस सरकार की नाकामी से उकता चुकी : वसुंधरा राजे

बीकानेर (हिंस)। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव-2023 में राज्य में भाजपा की सरकार बननी निश्चित है। कांग्रेस सरकार पूरी तरह से विफल रही है और जनता उसकी नाकामी से उकता चुकी है। बीकानेर के लालगढ़ पैलेस में रविवार को मीडिया से बात करते हुए राजे ने आरोप लगाया कि राज्य की कांग्रेस सरकार अपने ही अंतर्द्वंद से घिरी है और उसकी जनता में कोई साख नहीं रह गई है। जनता को सिर्फ घोषणाओं से लाभ नहीं होता, उसे धरातल पर जाकर लाभ देना पड़ता है। राजे ने कहा कि प्रदेश की कानून व्यवस्था की स्थिति पूरी तरह से चौपट है। महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी स्थिति चिंताजनक है। इसलिए जनता इस सरकार से छुटकारा पाना चाहती है। उनका कहना था कि केंद्र सरकार की योजनाओं का नाम बदलने के अलावा राज्य सरकार ने कुछ नहीं किया है। राजे ने यह भी कहा कि 9 साल की मोदी सरकार ने न केवल सबके विकास का काम किया है अपितु देश का दुनिया में नाम भी ऊंचा किया है। उन्होंने केंद्र सरकार की कई उपलब्धियों को ऐतिहासिक बताया। राजे ने कहा, किसान, जवान, युवा और महिलाओं के विकास पर पूरा फोकस किया गया है, जिसका लाभ भी इन सबको मिल रहा है। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने कहा कि देश की अर्थ व्यवस्था में सुधार हुआ है और भारत दुनिया में एक बड़ी शक्ति बनकर उभरा है।

पंजाब में भारी बारिश से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित, चार जिलों में बाढ़ के हालात

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में पिछले दो दिन से भारी बारिश से पूरा जनजीवन प्रभावित हुआ है। बारिश से राज्य के चार जिलों में बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई है। बारिश और बाढ़ के चलते पंजाब सरकार ने अलर्ट जारी करके जिला मुख्यालयों पर एनडीआरएफ की टीमों को तैनात किया है। पंजाब के मोहाली, रूपनगर, पटियाला व संगरूर जिलों में हालत गंभीर बने हुए हैं। बारिश के चलते रूपनगर में सभी स्कूलों की छुट्टी रखने का ऐलान किया। पंजाब में शुक्रवार से लगातार बारिश हो रही है। भारी बारिश से चंडीगढ़ से सटे मोहाली जिले में भारी नुकसान हुआ है। मोहाली, जीरकपुर तथा डेराबस्सी की आवासीय सोसाइटियों में पानी जमा हो गया है। मोहाली में जल निकासी का प्रबंध नहीं होने के कारण सैकड़ों दुकानों में पानी घुस गया और लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। मोहाली जिला का उपमंडल डेराबस्सी निचले स्तर व घग्गर नदी के किनारे पर बसा होने के कारण यहां बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई है। हर तरफ पानी है। प्रशासन ने रात करीब एक बजे

घग्गर नदी के किनारे रहने वाले लोगों के घर खाली करवा लिया गया। यहां बसी झोपड़ पट्टी कालोनियों में रहने वाले लोगों को भी अल सुबह सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। जीरकपुर फ्लाइओवर के नीचे पटियाला मोड से लेकर पंचकूला मोड तक कई फीट पानी जमा हो गया। डेराबस्सी की गुलमोहर सिटी एक्सटेंशन में बारिश के कारण भारी नुकसान हुआ है। यहां बेसमेंट और ग्राउंड फ्लोर पूरी तरह से पानी में डूब गए हैं। वहीं, सोसाइटी के लोगों की कारों को खासा नुकसान हुआ है। कारें पूरी तरह से पानी में डूब गई। डेराबस्सी पंचायत अधिकारी जगतार सिंह ने बताया कि लोगों को रेस्क्यू करने का काम शुरू कर दिया गया है। एनडीआरएफ की टीमों को डेराबस्सी में तैनात कर दिया गया है। बारिश के कारण जीरकपुर व डेराबस्सी सैकड़ों वाहन खराब हुए हैं। बारिश के कारण लोग चंडीगढ़-दिल्ली मार्ग पर कई घंटे जाम में फंसे रहे। उधर पंजाब के रूपनगर जिले में भी हालात बाढ़ जैसे बन गए हैं। प्रशासन ने नंगल डैम क्षेत्र से सटे इलाकों को खाली करवा लिया है। एनडीआरएफ की टीमों को तैनात कर दिया गया है। रूपनगर की जिला उपायुक्त प्रीती यादव के अनुसार रूपनगर के कई इलाकों में जलभराव की समस्या पैदा हो गई है। मौसम को देखते हुए सोमवार को जिले के सभी सरकारी व निजी स्कूलों में छुट्टी का ऐलान किया गया है। उधर पटियाला में घग्गर नदी के आसपास के गावों तथा शहरी क्षेत्रों में अलर्ट घोषित कर दिया गया है। पटियाला उपायुक्त ने लोगों को अपने घरों में रहने की सलाह दी है।

सत्ता के लिए नहीं बेरोजगारी, महंगाई व नशा खोरी के खिलाफ है लड़ाई : हुडडा

भिवानी में हुड्डा गुट ने किया विपक्ष आपके समक्ष कार्यक्रम का आयोजन

भिवानी (हिंस)। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने रविवार को किरण चौधरी के गृह क्षेत्र भिवानी में विपक्ष आपके समक्ष कार्यक्रम के माध्यम से अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया। इस मौके पर पूर्व मुख्यमंत्री हुडडा ने कहा कि वह जनता का ध्यान प्रदेश में बढ़ रही बेरोजगारी, महंगाई, अपराध व नशा खोरी की तरफ भी दिलाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में हरियाणा पर 70 हजार करोड़ रुपए का कर्ज था, जो अब बढ़कर चार लाख करोड़ रुपए हो चुका है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके पिछले कांग्रेस कार्यकाल में भिवानी संसदीय क्षेत्र में पांच महाविद्यालयों की स्थापना की गई थी। इसके अलावा महेंद्रगढ़ में सेंट्रल यूनिवर्सिटी, चौ. बंसीलाल विश्वविद्यालय व मेडिकल कॉलेज की घोषणा भी उन्हीं के कार्यकाल में हुई थी, जबकि वर्तमान भाजपा

शासनकाल में कोई भी विकास कार्य नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हरियाणा में किसानों के बीच पहुंचकर ना केवल धान रोपाई का कार्य किया बल्कि किसानों की समस्याएं जानी ताकि उन्हें दूर किया जा सके। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि भाजपा ने किसानों की आय दोगुणी करने की बजाए किसानों की लागत को बढ़ाने का कार्य किया। खाद, कीटनाशक व कृषि यंत्रों पर 28 प्रतिशत तक टैक्स लिया जाने लगा। पूर्व मुख्यमंत्री हुडडा ने मंच के माध्यम से आहवान किया हरियाणा में कांग्रेस की सत्ता आने पर हुजुर्गों व विधवाओं की पेंशन 6 हजार रुपए की जाएगी। इसके अलावा कर्मचारियों को पुरानी पेंशन स्कीम में शामिल किया जाएगा। गैस के सिलेंडर की कीमत 5 सौ रुपए से कम में निर्धारित की जाएगी। पिछड़ा वर्ग के लोगों के लिए क्रिमिलेयर 6 हजार से बढ़ाकर 10 हजार रुपए तथा 100-100 गज के प्लाट जरूरतमंदों को फिर से देने की घोषणा की जाएगी। उन्होंने कहा कि विपक्ष के आपके समक्ष कार्यक्रम की अगली श्रंखला के तहत 20 अगस्त को हिसार में आयोजित होगा। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा, कांग्रेस अध्यक्ष उदयभान समेत कई नेताओं ने संबोधित किया।

जल संसाधन मंत्री ने मूनक क्षेत्र में घग्गर नदी का किया निरीक्षण

संगरूर (हिंस)। पहाड़ी इलाकों और पंजाब में लगातार हो रही बारिश के कारण जलाशयों के बढ़ते जलस्तर को लेकर किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए जल संसाधन विभाग ने पूरी तैयारी कर ली है। लोगों को घबराने की कोई जरूरत नहीं है। यह बात जल संसाधन मंत्री गुरमीत सिंह मीत हेयर ने रविवार को धरातल पर स्थिति का पता लगाने के लिए खनौरी-मूनक क्षेत्र में घग्गर नदी में जल स्तर का जायजा लेने के दौरान कही। जल संसाधन मंत्री ने उपायुक्त जितेंद्र जोरवाल एवं एसडीएम सूबा सिंह सहित विभाग के अधिकारियों के साथ मूनक-टोहाना पुल और मकरोड़ साहिब का दौरा किया। मीत हेयर ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के निर्देश पर जल संसाधन विभाग ने पूरी तैयारी कर ली है। विभाग के सभी अधिकारी, कर्मचारी जहां फील्ड में तैनात हैं, वहीं वह खुद भी जमीनी स्तर पर हालात का जायजा ले रहे हैं। मुख्यालय स्तर पर पहले ही बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित किया जा चुका है।

इसके अलावा हर जिले में भी बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित किये गये हैं। सभी फील्ड अधिकारियों को जलस्तर एवं पानी छोड़े जाने की सूचना तत्काल दी जा रही है ताकि वे संबंधित विभाग एवं जिला प्रशासन को सचेत कर सकें। जल संसाधन मंत्री ने कहा कि विभाग ने मानसून सीजन के पहले ही बाढ़ रोकथाम के कार्य किए गए हैं और आगे की स्थिति के लिए विभाग पूरी तरह तैयार है।

बरसात से शहर में आफत किसानों को मिली राहत

कैथल (हिंस)। रविवार को कैथल में आधी रात के बाद से बरस रही बरसात के कारण पूरा शहर जलमग्न हो गया है। लगातार हो रही बरसात के कारण शहर की सड़कें चौराहे और मोहल्ले जलमग्न हो गए हैं। शहर के निचले इलाकों में बसी कॉलोनियों के घरों में पानी भर गया है। शहर की सीवरेज व्यवस्था ठप होने के कारण बरसात के पानी की निकासी नहीं हो रही है। कैथल में पिछले 2 दिनों से 27 एमएम बरसात हो चुकी है। पूंडरी में सबसे अधिक 50 एमएम के लगभग बरसात दर्ज की गई है। आईएमडी द्वारा जारी अलर्ट के अनुसार कैथल में 13 जुलाई तक बरसात जारी रहेगी। मौसम विभाग ने प्रदेश के जिन 9 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है उनमें कैथल भी शामिल है। मौसम विभाग ने प्रदेश के जिन 9 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। उनमें कैथल भी शामिल है। आईएमडी के अनुसार इंद्री, रादौर, थानेसर, शाहाबाद, अंबाला, कालका, बराडा, जगाधरी, छछरौली, नारायणगढ़, पंचकूला व इनके आसपास के क्षेत्रों में तेज बारिश की संभावना है।

आगामी छह माह राजस्थान के लिए महत्वपूर्ण, हर स्थिति पर रखी जाए नजर : मुख्य सचिव

बीकानेर (हिंस)। मुख्य सचिव उषा शर्मा ने रविवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित सभांग स्तरीय बैठक में कानून व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की। इस दौरान पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा मौजूद रहे। शर्मा ने कहा कि जिलों में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक टीम के रूप में बेहतर समन्वय के साथ कार्य करें। यह समन्वय निचले स्तर तक बना रहे। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनावों के मद्देनजर आगामी छह माह प्रदेश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इस दौरान प्रत्येक स्थिति पर नजर रखी जाए। किसी भी घटना के पश्चात कार्रवाई का रेसपोंस टाइम कम रहे। मुख्य सचिव ने कहा कि निष्पक्ष और भयमुक्त निर्वाचन करवाना प्रशासन की पहली और सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए निर्वाचन आयोग द्वारा दिए जाने वाले निर्देशों की शत-प्रतिशत पालना सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि संभाग का आपसी सौहार्द बरकरार रहे। इसे प्रभावित करने वालों के खिलाफ *जीरो टॉलरेंस* अपनाते हुए सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने सोशल मीडिया की प्रत्येक आवंछित पोस्ट पर कड़ाई से कार्रवाई के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि अंतराष्ट्रीय सीमा से जुड़े संभाग के क्षेत्रों में अतिरिक्त सतर्कता बरती जाए। अंतर्राज्यीय गतिविधियों पर भी पूर्ण नजर रखी जाए। पुलिस एवं प्रशासन को जिले के प्रत्येक मजबूत और कमजोर पक्ष की जानकारी हो। जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक निचले स्तर तक नियमित रिव्यू करें। पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने बीकानेर रेंज में पुलिस विभाग के कार्यों को सराहा और कहा कि बेहतर पुलिसिंग से यहां संगठित अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगा है। अपराधी समूहों की गतिविधियों में कमी आई है और आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास ब ?ा है। उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा प्रत्येक कार्रवाई विधिक मापदंडों के अनुसार की जाए। उन्होंने चुनावों के दौरान पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को क्षेत्रों का साझा विजिट करने के निर्देश दिए। पुलिस महानिदेशक (कानून व्यवस्था) राजीव कुमार शर्मा ने कहा कि पिछले विधानसभा चुनावों के अनुभवों के आधार पर संवेदनशील क्षेत्रों में पूर्व तैयारी की जाए। उन्होंने अंतराज्यीय सीमाओं पर आवश्यकता के अनुसार नाकाबंदी एवं सतर्कता रखने के निर्देश दिए। कानून व्यवस्था संधारण से जुड़े संसाधनों के आकलन के लिए भी निर्देशित किया। प्रमुख शासन सचिव (गृह) आनंद कुमार वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से बैठक से जुड़े। उन्होंने कहा कि जिलों में पुलिस मित्र एवं सुरक्षा सखियों को मुस्तैद करें। श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ में एंटी ड्रग चौकियों की स्थापना की प्रगति जानी। उन्होंने कहा कि अधिकारी भी फील्ड में जाएं, इससे बेहतर फीडबैक मिलेगा। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून व्यवस्था) दिनेश एमएन ने कहा कि निचले स्तर तक एक्टिव पुलिसिंग का वातावरण तैयार हो, जिससे आमजन को पुलिस के प्रति विश्वास में और वृद्धि हो सके। संभागीय आयुक्त डॉ. नीरज के पवन ने संभाग से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों के बारे में बताया। उन्होंने नशे के विरुद्ध संभाग में चल रहे अभियान *मनसा* के क्रियान्वयन और परिणाम की जानकारी दी। पुलिस महानिरीक्षक ओमप्रकाश ने पुलिस विभाग द्वारा किए गए नवाचारों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि रेंज में पहली बार साइबर रिस्पॉन्स टीम गठित की गई है। बैठक में बीकानेर के जिला कलेक्टर भगवती प्रसाद, पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम, श्रीगंगानगर के जिला कलक्टर सौरभ स्वामी, पुलिस अधीक्षक पारिस देशमुख, हनुमानगढ़ की जिला कलेक्टर रुक्मणी रियार, पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी, चूरू के जिला कलक्टर सिद्धार्थ सिहाग, पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार मीणा, अनूपगढ़ जिले की विशेषाधिकारी कल्पना अग्रवाल एवं ओएसडी (पुलिस) राजेन्द्र कुमार ने जिलों से संबंधित बिंदुओं पर प्रस्तुतीकरण दिया। इस दौरान प्रशिक्षु आईएएस यक्ष चौधरी, प्रीतम कुमार एवं सक्षम गोयल भी मौजूद रहे।

मानसिक शोषण से महिलाओं को मुक्ति दिलाएगा यूसीसी

चंडीगढ़ (हिंस)। केंद्र सरकार की प्रस्तावित समान नागरिक संहिता (यूसीसी) से महिलाओं को पितृ सत्ता समाज व मानसिक शोषण से मुक्ति दिलाएगी। इसे लागू करते समय महिलाओं की सहमति जरूरी है। इससे न केवल महिलाएं जागरूक होंगी बल्कि समान नागरिकता कानून की राह भी आसान होगी। यह विचार सेल्फी विद डॉटर फाउंडेशन के रविवार को आयोजित लाडो पंचायत में देश के विभिन्न राज्यों से जुड़ी लड़कियों ने व्यक्त किए। समान नागरिका संहिता से महिलाओं के जीवन में बदलाव के विषय पर फाउंडेशन ने लाडो पंचायत के आयोजन में दिल्ली, हरियाणा, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश की लड़कियों ने भाग लिया। वर्चुअल मोड पर आयोजित इस लाडो पंचायत में शिवालिका पांडे को सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया तथा सेल्फी विद डॉटर फाउंडेशन के संस्थापक सुनील जागलान ने सचिव की भूमिका निभाई। पंचायत में उत्तर प्रदेश के बरेली शहर से जुड़ी दिव्यांग रिदम शर्मा जोकि सेल्फी विद डॉटर की अवार्डी रही हैं, ने कहा कि लड़कियों के हकों के लिए यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू किया जाना चाहिए, इससे दिव्यांग लड़कियों के अधिकार भी सशक्त

होंगे। इस मौके पर लाडो पंचायत के फाउंडर सुनील जागलान ने कहा कि लाडो पंचायत महिलाओं के लिए सशक्त आवाज बन चुकी है। लड़कियों की शादी की उम्र 21 वर्ष करने व पीरियड लीव के लिए भी हो लाडो पंचायत का आयोजन किया जा चुका है। जागलान ने कहा कि हम लंबे समय से मैरिज रजिस्ट्रेशन, लैंगिक समानता, महिलाओं के प्रोपर्टी राइट्स और लड़कियों की शादी की उम्र 21 वर्ष करने के लिए अभियान चला रहे हैं।

सावन के पहले सोमवार को छोटी काशी में शिवालयों में गूजेंगी हर हर महादेव..की गूंज

जयपुर (हिंस)। श्रावण मास के पहला सोमवार को छोटी काशी में शिवालयों में अल सुबह से *बम-बम भोले... हर हर महादेव..* की गूंज सुनाई देगी। शिवजी के जलाभिषेक के लिए लोगों की कतारें लगेंगी। शिवजी के जलाभिषेक के साथ भक्त उन्हें बिल्व पत्र, आक-धतूरा, फल सहित अन्य चीजें अर्पित कर सुख समृद्धि की कामना की जाएगी। साथ ही शाम को मंदिरों में भोलेनाथ के विशेष झांकियां सजाई जाएगी। शहर के प्रमुख ताड़केश्वर महादेव मंदिर में सोमवार सुबह 4 बजे से दर्शन खुलेंगे। इसके साथ ही भक्त ताड़क बाबा के जलाभिषेक कर सकेंगे। मंदिर के शक्ति व्यास व अमन व्यास ने बताया कि इस बार पहले सोमवार को बाबा के नारियल का विशेष दरबार सजेगा। इसके चलते भक्त दोपहर एक बजे तक ही बाबा के जलाभिषेक कर सकेंगे। इसके बाद मंदिर में नारियल की विशेष झांकी सजाई जाएगी। मंदिर में फूलों की गुफा तैयार होगी। शाम 7 बजे महाआरती के साथ नारियल की झांकी के दर्शन खुलेंगे। इधर क्वींस रोड स्थित झाडखंड महादेव मंदिर में तड़के 4.45 बजे दर्शन खुलेंगे जो शाम

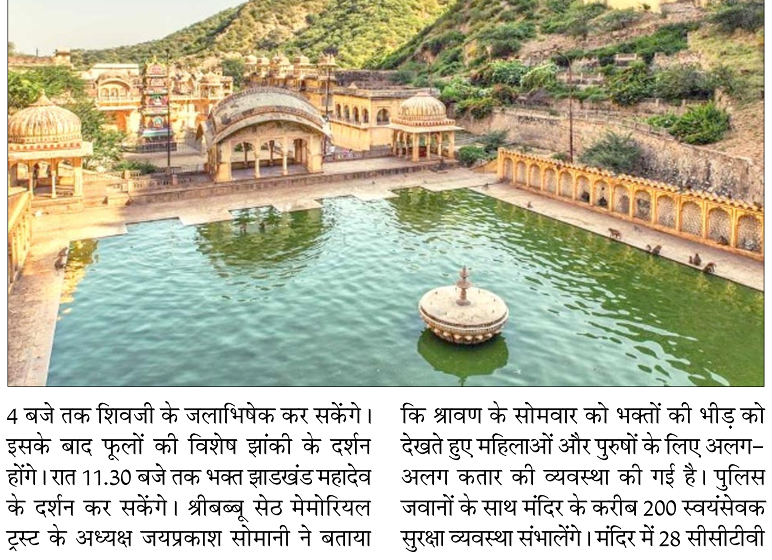

4 बजे तक शिवजी के जलाभिषेक कर सकेंगे। इसके बाद फूलों की विशेष झांकी के दर्शन होंगे। रात 11.30 बजे तक भक्त झाडखंड महादेव के दर्शन कर सकेंगे। श्रीबब्बू सेठ मेमोरियल ट्रस्ट के अध्यक्ष जयप्रकाश सोमानी ने बताया कि श्रावण के सोमवार को भक्तों की भीड़ को देखते हुए महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग-अलग कतार की व्यवस्था की गई है। पुलिस जवानों के साथ मंदिर के करीब 200 स्वयंसेवक सुरक्षा व्यवस्था संभालेंगे। मंदिर में 28 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए है। वहीं भक्तों के लिए 500 रामझारों की व्यवस्था रहेगी। मंदिर में लाइटिंग की सजावट की गई है। इसके अलावा झोटवाड़ा रोड स्थित चमत्कारेश्वर महादेव मंदिर, बनीपार्क स्थित जंगलेश्वर महादेव, छोटी चौपड़ स्थित रोजगारेश्वर महादेव मंदिर, अंबिकेश्वर महादेव मंदिर, धूलेश्वर महादेव मंदिर में जलाभिषेक के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ेगी। श्रावण में शिव आराधना के साथ कांवड़ यात्राओं का दौर शुरू हो गया है। सावन के पहले रविवार को गलता तीर्थ से शहर में कई जगहों के लिए कांवड़ यात्राएं निकली। इस दौरान शहर में बोल बम-ताड़क बम... हर हर महादेव... के जयकारें गूंज उठे। लोगों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर कांवड़ियों का स्वागत सत्कार किया। शहर में गलता गेट से निकली कांवड़ यात्राओं से परकोटा शिवमय नजर आया। इसके साथ बाहरी कॉलोनियों के शिव मंदिरों के लिए भी कांवड़ यात्राएं निकली। कांवड़ यात्राओं में युवाओं के साथ बालिकाएं और बच्चे भी कांवड़ थामे नजर आए। कांवड़ यात्रा में केसरिया पताएं लिए भक्त आगे बड़े।

क्यूआर कोड में हेरफेर कर 14 करोड़ रुपये के घोटाले का ईओडब्लू ने लगाया पता; अधिकारियों को चीनी कनेक्शन की आशंका

भुवनेश्वर (ओडिशा)। ओडिशा पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने एक दुर्लभ और नए प्रकार के मामले का पता लगाया है, जिसमें एक फिनटेक कंपनी के क्यूआर कोड में हेरफेर करके 14 करोड़ रुपये से अधिक की हेराफेरी की गई है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस ने इस मामले के सिलसिले में छह जुलाई को करण कुमार सिंह नाम के एक व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया, जो उत्तर प्रदेश के नोएडा सेक्टर-19 का निवासी है और उसे तीन दिन की ट्रांजिट रिमांड पर भुवनेश्वर लाया गया। ईओडब्ल्यू के महानिरीक्षक (आईजी) जेएन पंकज की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, ईओडब्ल्यू ने 29 जून को भुवनेश्वर स्थित फिनटेक कंपनी आईसर्वयू टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड के मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी (सीटीओ) संजीब कुमार परिदा द्वारा दायर शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया था। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि उन्होंने अप्रैल-मई 2023 के दौरान नोएडा स्थित कंपनी पेयोन डिजिटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के निदेशकों के साथ प्रौद्योगिकी एकीकरण समझौता किया था। शिकायत में कहा गया है, यह समझौता डिजिटल भुगतान सेवाएं प्रदान करने और फिनोटेक सेवा की सुविधा के लिए था और उसके अनुसार, आईसर्वयू ने व्यावसायिक उपयोग के लिए कंपनी को अपने यूपीआई एपीआई का विस्तार किया था। गिरफ्तार आरोपी करण कुमार सिंह और उसका भाई लल्लू सिंह पेओन डिजिटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक हैं। ईडब्ल्यूओ के अधिकारियों ने आगे कहा कि शिकायतकर्ता की कंपनी को समझौते के बाद पता चला कि फिनो बैंक में रखे गए उनके नोडल बैंक खाते में बचे नकदी में बहुत बड़ा अंतर था। शिकायत में आगे कहा गया है कि यूपीआई लॉग के सत्यापन पर यह पता चला कि करण सिंह और लल्लू सिंह ने कथित तौर पर शिकायतकर्ता कंपनी द्वारा उत्पन्न क्यूआर कोड में हेरफेर किया और 14.33 करोड़ रुपये के अतिरिक्त क्रेडिट का गबन किया। अधिकारी ने एक बयान में कहा कि पेआउट वॉलेट से 125 से अधिक विभिन्न बैंक खातों में धोखाधड़ी से पैसा भेजा गया था, जिसमें शिकायतकर्ता कंपनी आईसर्वयू द्वारा यूजर आईडी और पासवर्ड पेओन डिजिटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के साथ साझा किए गए थे। ईडब्ल्यूओ अधिकारियों को घोटाले में चीनी लिंक का भी संदेह है। ईओडब्ल्यू ने कहा, आशंका है कि इस जटिल और बेहद तकनीकी मामले में कई अन्य आरोपी भी शामिल हैं। चूंकि पहले इस तरह का कोई मामला सामने नहीं आया है, इसलिए ईओडब्ल्यू इस मामले में विशेषज्ञों की मदद लेगी, ताकि मामले की गहन जांच की जा सके और एडवाइजरी भी जारी की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

एआई के चलते नौकरियां जाने की बातें बकवास, आईटी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कही यह बात

चेन्नई। केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने इन बातों को पूरी तरह बकवास करार दिया है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की वजह से भारत में नौकरियां छिन रही हैं।

इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री का कहना है कि सच्चाई यह है कि एआई कार्य विशेष पर फोकस करता है और मानव व्यवहार की नकल कर किसी काम को अधिक कुशलता के साथ किया जाना संभव बनाता है। उन्होंने कहा, माफ कीजिए लेकिन इस बारे में मेरी यही राय है। 1999 में पूरा साल यही सुनते बीता था कि वाई2के (वर्ष 2000) कैसे दुनिया को एकदम उलटकर रख देगा। फिर, सुनता हूं कि एआई हमारी नौकरियां खा लेगा। जाहिर है कि कुछ ऐसे लोग हैं जो किसी भी नए बदलाव की स्थिति में खामियां ही ढूंढ़ते हैं। एआई कोई नौकरी नहीं छीनने जा रहा। यह सब एकदम बेकार की बात है। केंद्रीय मंत्री चंद्रशेखर चेन्नई में सोसायटी फॉर एप्लाइड माइक्रोवेव इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग एंड रिसर्च (समीर) में पूरी तरह स्वचालित अत्याधुनिक इलेक्ट्रोमैग्नेटिक इंटरफेरेंस एंड कंपैटिबिलिटी लैबोरेट्री का उद्घाटन करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। सरकार एक डाटा सेट प्रोग्राम पर काम कर रही है, जिसमें सरकार की तरफ से अज्ञात डाटा भारतीय कृत्रिम बुद्धिमत्ता शोधकर्ताओं और स्टार्ट-अप को उपलब्ध कराया जाएगा। ये वो डाटा सेट है जिसे चुनींदा आधार पर पेश किया जाएगा और जिसे पांच कार्यों के लिए डिजाइन मंत्रालय की तरफ से तैयार किया गया है। संयुक्त राष्ट्र के एआई फॉर गुड सम्मेलन में 9 ह्यूमोनॉइड (इंसान जैसे दिखने वाले रोबोट) शामिल हुए। इन रोबोटों ने कहा कि वे इंसानों के लिए खतरा नहीं, बल्कि उनके सहायक व सेवक हैं।

जैक मा की कंपनी को बड़ा झटका, चीन ने लगाया एक अरब डॉलर का जुर्माना

लंदन। कारोबारी जैक मा की कंपनी एंट ग्रुप को चीन ने बड़ा झटका दिया है। उसने कंपनी पर करीब एक अरब डॉलर का जुर्माना लगाया है।

जुर्माना लगाने के पीछे की वजह उपभोक्ता सुरक्षा कानून और कार्पोरेट नियमों का उल्लंघन बताया गया है। ये मामले कॉरपोरेट गवर्नेंस, उपभोक्ता की सुरक्षा और मनी लॉन्डरिंग से जुड़ी गड़बड़ियों के हैं। एंट ग्रुप पेमेंट फर्म अली पे का संचालन भी करता है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, चीन सिक्योरिटीज रेगुलेटरी कमीशन, पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना और नेशनल फाइनेंशियल रेगुलेटरी एडमिनिस्ट्रेशन ने एक संयुक्त बयान में कहा, एंट ग्रुप ने बैंकिंग और बीमा, भुगतान, मनी लॉन्ड्रिंग और फंड बिक्री में व्यावसायिक गतिविधियों से संबंधित नियमों को तोड़ा है। वहीं, एंट ग्रुप ने जुर्माने की शर्तों का पालन करने की बात कही है। ग्रुप का कहना है कि वह अपने अनुपालन प्रशासन को और बढ़ाएगा। एंट ग्रुप ई-कॉमर्स दिग्गज अलीबाबा का सहयोगी है, जिसकी स्थापना भी मा ने की है। अलीबाबा के शेयरों में शुक्रवार को तेजी दर्ज की गई। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी तीन साल पहले ही जांच के घेरे में आ गई थी, जब रिकॉर्ड तोड़ पेशकश की गई थी। साल 2020 के अंत में कंपनी ने 37 अरब डॉलर का आईपीओ लाने का फैसला टाल दिया था। कहा जा रहा था कि यह इतिहास में सबसे बड़ी शेयर बिक्री बनने की राह पर था। इसके सामने आने पर देश के निजी उद्यम पर अंकुश लगाने के लिए चीनी सरकार द्वारा एक व्यापक अभियान की शुरुआत की गई थी। उसके बाद से चीन के डोमेस्टिक टेक्नोलॉजी सेक्टर पर दो साल तक सरकार ने शिकंजा कस दिया और एंट को अपने बिजनेस में बदलाव करने पर मजबूर होना पड़ा।

मेटा सीईओ की सुरक्षा में तीन साल का खर्च करीब 330 करोड़ रुपये से अधिक

नई दिल्ली। फेसबुक के सह-संस्थापक मार्क जुकरबर्ग आजकल अपने नए सोशल मीडिया प्लेटफार्म थ्रेड्स और अपनी सुरक्षा पर खर्च को लेकर सुर्खियों में हैं। जुकरबर्ग की कंपनी ने पिछले तीन वर्षों में उनकी निजी सुरक्षा पर चार करोड़ डॉलर (करीब 330 करोड़ रुपये) से अधिक खर्च किए हैं। यह उनके परिवार द्वारा संचालित फाउंडेशन द्वारा पुलिस को बदनाम करने वाले समूहों को दी जाने वाली लाखों डॉलर की आर्थिक सहायता की आड़ में किया जा रहा है। एक विदेशी मीडिया संस्थान के खोजी पत्रकार ली फैंग के हवाले से एक रिपोर्ट में कहा गया है कि चान जुकरबर्ग इनिशिएटिव (सीजेडआई) ने एक संगठन पॉलिसीलिंक को 2020 से 30 लाख डॉलर (24.78 करोड़ रुपये) का दान दिया था। खुद को आयोजकों और अधिवक्ताओं के लिए वन-स्टॉप-शॉप के रूप में दावा करता है। यह ऐसे लोगों को सुरक्षा मुहैया कराता है जो पुलिस सुरक्षा से हटकर खुद को सुरक्षित रखने के लिए हथियार, संसाधन और प्रशिक्षण की तलाश कर रहे होते हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि सीजेडआई को जुकरबर्ग ने पत्नी प्रिसिला चान के साथ स्थापित किया था। उन्होंने सॉलिडेयर को 25 लाखन डॉलर की मौद्रिक सहायता भी दी है, जिसका उद्देश्य पुलिस को खत्म करना है।

भारत को रूसी कच्चे तेल पर छूट घटकर चार डॉलर प्रति बैरल पर हुई, परिवहन लागत काफी ज्यादा

नई दिल्ली।
यूक्रेन युद्ध के बाद से भारत को रूस से कच्चे तेल की खरीद पर मिलने वाली भारी छूट में गिरावट आई है। वहीं, दूसरी ओर रूस द्वारा इस तेल की डिलीवरी के लिए जिन इकाइयों की व्यवस्था की गई है, उनके द्वारा ली जाने वाली शिपिंग दरें अपारदर्शी बनी हुई हैं और वे भारत से सामान्य से काफी ज्यादा कीमत वसूल रही हैं।

रूस भारतीय रिफाइनरी कंपनियों से पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए 60 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल की मूल्य सीमा से कम कीमत वसूल रहा है। लेकिन वह कच्चे तेल के परिवहन के लिए 11 से 19 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल की कीमत वसूल रहा है। यह बाल्टिक और काला सागर से पश्चिमी तट तक डिलिवरी के लिए सामान्य शुल्क से दोगुना है।

भारत को मिलने वाला छूट पिछले साल के मध्य में 30 डॉलर प्रति बैरल थी

मामले की जानकारी रखने वाले तीन सूत्रों ने कहा कि रूसी बंदरगाहों से भारत तक शिपिंग की लागत 11 से 19 डॉलर प्रति बैरल आ रही है। यह तुलनात्मक रूप से फारस की खाड़ी से रॉटरडम तक के परिवहन शुल्क से कहीं ज्यादा है। पिछले साल फरवरी में यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद रूसी तेल पर यूरोपीय खरीदारों और जापान जैसे एशिया के कुछ देशों ने प्रतिबंध लगा दिया था। इसके चलते रूसी यूराल्स कच्चे तेल का कारोबार ब्रेंट कच्चे तेल यानी वैश्विक बेंचमार्क कीमत से काफी कम दाम पर होने लगा। हालांकि, रूसी कच्चे तेल पर जो छूट पिछले साल के मध्य में 30 डॉलर प्रति बैरल थी, वह अब घटकर चार डॉलर प्रति बैरल पर आ गई है।

तेल खरीद में भारत ने चीन को पीछे छोड़ा

भारतीय रिफाइनरी कंपनियां कच्चे तेल को पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधन में बदलती हैं। अभी ये कंपनियां रूसी तेल की सबसे बड़ी खरीदार हैं। इस मामले में भारत ने चीन को पीछे छोड़ दिया है। अर्थव्यवस्था में सुस्ती और वाहनों के बड़े पैमाने पर विद्युतीकरण के चलते चीन का रूस से कच्चे तेल का आयात काफी घट गया है। रूस के सस्ते कच्चे तेल पर अपनी पैठ जमाने के लिए भारतीय रिफाइनरी कंपनियों ने काफी तेजी से अपनी खरीदी बढ़ाई है। यूक्रेन युद्ध से पहले रूस की भारत की कुल कच्चे तेल की खरीद में सिर्फ दो प्रतिशत हिस्सेदारी थी, जो आज बढ़कर 44 प्रतिशत पर पहुंच गई है। लेकिन अब रूसी कच्चे तेल पर छूट या रियायत काफी घट गई है।

रियायत घटने की क्या है वजह

छूट या रियायत घटने की वजह यह है कि सार्वजनिक क्षेत्र की इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल), मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकैमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल) और एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी लिमिटेड के साथ निजी रिफाइनरी कंपनियां जैसे रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और नायरा एनर्जी लिमिटेड रूस के साथ कच्चे तेल के सौदों के लिए अलग से बातचीत जारी रखे हुए हैं। सूत्रों ने कहा कि यह छूट ज्यादा रह सकती थी, यदि सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयां इस बारे में सबसे साथ मिलकर बातचीत करतीं। फिलहाल रूस से प्रतिदिन 20 लाख बैरल कच्चा तेल आ रहा है। इसमें सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों का हिस्सा करीब 60 प्रतिशत है। यूक्रेन पर रूस के हमले से पहले फरवरी, 2022 तक समाप्त 12 माह की अवधि में भारत रूस से प्रतिदिन 44,500 बैरल कच्चा तेल खरीदता था। पिछले कुछ माह के दौरान समुद्र के रास्ते भारत की रूसी कच्चे तेल की खरीद चीन को पार कर गई है। सूत्रों ने बताया कि भारतीय रिफाइनरी कंपनियां रूस से कच्चे तेल की खरीद उसकी आपूर्ति किए जाने के आधार पर खरीदती हैं। इसके चलते रूस को तेल के परिवहन और बीमा की व्यवस्था करनी पड़ती है। हालांकि, रूस से कच्चा तेल 60 डॉलर प्रति बैरल से कम के भाव पर मिल रहा है, लेकिन कुल मिलाकर यह राशि 70 से 75 डॉलर प्रति बैरल बैठ रही है।

25प्रतिशत तक घटेगा एसी चेयरकार और एग्जीक्यूटिव क्लास का किराया

जिन ट्रेनों में पिछले महीने 50प्रतिशत सीटें भरीं उनमें लागू होगी रियायती दर

नई दिल्ली। रेलवे बोर्ड ने सभी ट्रेनों के एसी चेयर कार और एग्जीक्यूटिव क्लास के किराए में 25प्रतिशत तक की कटौती करने का ऐलान किया है। यह रियायती दरें केवल उन ट्रेनों के किराए पर लागू होंगी जिनमें पिछले 30 दिनों के दौरान 50प्रतिशत सीटें ही भर पाई थीं। इनमें वंदे भारत, अनुभूति और विस्टाडोम बोगियों वाली ट्रेनें भी शामिल हैं। ट्रेनों का किराया कॉम्पिटिटिव मोड ऑफ ट्रांसपोर्ट पर भी निर्भर करेगा। रेल मिनिस्ट्री ने एसी सीटों वाली ट्रेनों में रियायती किराया योजनाएं शुरू करने के लिए सभी रेलवे जोन्स के चीफ कमर्शियल मैनेजर्स को पावर दी है। वे अपने-अपने जोन में किराया तय कर सकेंगे। इसमें अन्य चार्ज जैसे रिजर्वेशन चार्ज, सुपर फास्ट सरचार्ज, जीएसटी आदि अलग से लगाए जाएंगे।

सीट बुक करा चुके यात्रियों को वापस नहीं होगा किराया

रेलवे के आदेशानुसार रियायती किराया तत्काल लागू होगा, लेकिन पहले से सीट बुक करा चुके यात्रियों को किराया नहीं लौटाया जाएगा। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि छुट्टियों या त्योहारों के मौसम में चलाई जाने वाली विशेष ट्रेनों पर यह योजना लागू नहीं होगी। जून में भोपाल-जबलपुर वंदे भारत एक्सप्रेस में केवल 29प्रतिशत सीटें भरीं रिपोर्ट के मुताबिक, जून महीने में भोपाल-जबलपुर वंदे भारत एक्सप्रेस में केवल 29प्रतिशत सीट ही भरी हुई थीं। वहीं, इंदौर-भोपाल वंदे भारत एक्सप्रेस में केवल 21प्रतिशत ऑक्यूपेंसी रही। भोपाल

से जबलपुर तक एसी चेयरकार का किराया 1055 है, जबकि एग्जीक्यूटिव चेयर कार का टिकट 1,880 का है। हालांकि, वापसी में इसका किराया अलग है। इसमें एक एसी चेयर के लिए 955 और एक एग्जीक्यूटिव चेयर कार के लिए 1790 का टिकट है। इसके अलावा इंदौर से भोपाल तक एसी चेयर का किराया 810 और एग्जीक्यूटिव चेयर कार टिकट की कीमत 1,510 है। नागपुर-बिलासपुर वंदे भारत की भी सीटें फुल नहीं हो पा रही हैं नागपुर-बिलासपुर वंदे भारत एक्सप्रेस की करीब 55प्रतिशत सीटें ही फुल हो पा रही हैं। नागपुर-बिलासपुर वंदे भारत एक्सप्रेस से एग्जीक्यूटिव क्लास का किराया 2,045 रुपए है, जबकि चेयर कार का किराया 1,075 रुपए है। सबसे ज्यादा कासरगोड-त्रिवेन्द्रम वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन में यात्री सफर कर रहे हैं देश भर में अब तक 25 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन चलाई जा चुकी हैं। टॉप ऑक्यूपेंसी वाली वंदे भारत ट्रेनों में कासरगोड से त्रिवेन्द्रम (183प्रतिशत), त्रिवेन्द्रम से कासरगोड (176प्रतिशत), गांधीनगर-मुंबई सेंट्रल (134प्रतिशत) शामिल हैं।

मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के दायरे में जीएसटी नेटवर्क: टैक्स चोरी, फर्जी बिल से टैक्स क्रेडिट दिखाने पर पीएमएलए के तहत होगी कार्रवाई

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने गुड्स एंड सर्विस टैक्स नेटवर्क को प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के दायरे में शामिल कर लिया है। इससे टैक्स चोरी और बिल में हेराफेरी करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा सकेगी। वित्त मंत्रालय ने शनिवार देर रात एक नोटिफिकेशन जारी किया। इसमें बताया कि जीएसटी के तहत होने वाले अपराध जैसे फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट, फर्जी चालान आदि को पीएमएलए एक्ट में शामिल किया जाएगा। सरकार के इस फैसले से पीएमएलए एक्ट के तहत जीएसटीएन से जानकारी मांगी जा सकेगी। इसके साथ ही, जीएसटीएन उन संस्थाओं में से एक बन गया है, जिन्हें पीएमएलए एक्ट के तहत प्रवर्तन निदेशालय ईडी और फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट के साथ जानकारी शेयर करना अनिवार्य है। जानकारों का मानना है कि फर्जी बिलिंग के माध्यम से कर चोरी रोकने के लिए सरकार ने यह फैसला किया है। इससे मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में ईडी को और अधिक अधिकार मिलेंगे। छोटे व्यापारियों को सॉफ्टवेयर भी मिलेगा जीएसटीएन की जानकारियां अब पीएमएलए की धारा 66 (1) के तहत शेयर की जाएंगी। इसके अलावा जीएसटीएन छोटे व्यापारियों को अपने अकाउंट रखने के लिए मानक सॉफ्टवेयर भी अवेलेबल

कराएगा, ताकि इसे सीधे जीएसटीएन वेबसाइट पर उनके मंथली रिटर्न को अपलोड किया जा सके। गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स नेटवर्क क्या है जीएसटीएन नॉन प्रोफिटेबल आईटी नेटवर्क यूनिट है, जिसे सरकार ने जीएसटी की जरूरतों को पूरा करने के लिए स्टेब्लिश किया है। जीएसटी के एग्जीक्यूशन के लिए जीएसटीएन केंद्र और राज्य सरकारों, टैक्सपेयर्स और अन्य स्टेकहोल्डर्स को एक साझा आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर और सर्विस प्रोवाइड करता है।

एलन मस्क की बचपन की तस्वीर सोशल मीडिया पर हुई वायरल, जानें उन्होंने क्या दी प्रतिक्रिया

वाशिंगटन। अरबपति एलन मस्क सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर पर कब्जा करने के बाद से ही सुर्खियां बटोर रहे हैं। दुनिया के सबसे अमीर शख्स अपने फॉलोअर्स और समर्थकों को अपने जीवन, काम और अपनी विभिन्न कंपनियों में आने वाले नए बदलावों के बारे में अपडेट करते रहते हैं। इसी बीच बेबी एलन की एक तस्वीर हाल ही में माइक्रोब्लॉगिंग साइट पर वायरल हो गई और इंटरनेट पर इसके बारे में ज्यादा कुछ पता नहीं चल सका। इतना ही नहीं, एलन मस्क ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वह पागल लग रहे हैं। यह तस्वीर ट्विटर पर 10 नाम के एक यूजर ने शेयर की है। बहुत पुरानी सीपिया (एक लाल-भूरा रंग जो विशेष रूप से 19वीं और 20वीं शताब्दी की मोनोक्रोम तस्वीरों में इस्तेमाल होता था) तस्वीर में अरबपति आंखों में चमक के साथ मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं। ऐसा लगता है कि जब

तस्वीर क्लिक की गई थी तब मस्क सिर्फ 7-12 महीने के रहे होंगे। ट्विटर पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, वह बच्चा जो कार फार्ट का आविष्कारक बनेगा, मंगल ग्रह पर लक्ष्य बनाएगा और इलेक्ट्रिक कारों को दुनिया भर की सड़कों पर रोजमर्रा की दिखने वाली चीज बना देगा.. एलन बेबी। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए मस्क ने रीट्वीट किया, मैं पागल लग रहा हूं हाहाहा। शेयर किए जाने के बाद से पोस्ट को 15 लाख बार देखा जा चुका है और सात हजार से अधिक लाइक्स मिल चुके हैं। एक यूजर ने टिप्पणी की, नहीं!!! बहुत प्यारा!!! एक अन्य यूजर ने कहा, कुछ भी नहीं बदला लेकिन मुझे यह पसंद है। एक व्यक्ति ने कहा, निश्चित रूप से वह पागल नहीं हैं, यह एक प्यारी तस्वीर है। एक अन्य यूजर ने कहा, वह ऐसे व्यक्ति जैसा दिखता है जो जानता है कि एक दिन वह दुनिया का सबसे अमीर आदमी बनेगा! एक अन्य इंटरनेट उपयोगकर्ता ने कहा, हाहा। आप अभिभूत और आनंदित दिख रहे हैं। ट्विटर की ओर से लॉ फर्म को चुकाई गई मोटी फीस वापस लेने की तैयारी में मस्क इस बीच, मस्क ने सोशल मीडिया कंपनी को 44 अरब डॉलर में खरीदने से पीछे हटने की उनकी बोली को विफल करने के लिए ट्विटर से प्राप्त 90 मिलियन डॉलर के शुल्क में से अधिकांश की वसूली के लिए प्रतिष्ठित लॉ फर्म वाचटेल, लिप्टन, रोसेन और काट्ज पर मुकदमा दायर किया है। लॉ फर्म की ओर से यह फीस मस्क की ओर से 44 अरब डॉलर में माइक्रो ब्लॉगिंग साइट का अधिग्रहण करने के दौरान ली गई थी।

पीपीएफ और रिकरिंग डिपॉजिट

इनके जरिए आसानी से तैयार होगा बड़ा फंड, इन दोनों में से कौन-सी स्कीम्स बेहतर

नई दिल्ली। कई लोगों के लिए एकमुश्त निवेश कर पाना मुश्किल होता है। ऐसे लोगों के लिए पब्लिक प्रोविडेंट फंड और रिकरिंग डिपॉजिट स्कीम काफी काम की साबित हो सकती हैं। इन स्कीम्स में हर महीने निवेश करके आप बड़ा फंड तैयार कर सकते हैं। हम आपको इन स्कीम्स के बारे में बता रहे हैं ताकि आप अपनी जरूरत के हिसाब से इनमें निवेश कर सकें।

पीपीएफ पर मिल रहा 7.1प्रतिशत ब्याज इस स्कीम को बैंक या पोस्ट ऑफिस में कहीं भी खोला जा सकता है। पीपीएफ अकाउंट को केवल 500 रुपए में खोला जा सकता है। इस अकाउंट में हर साल अधिकतम 1.5 लाख रुपए ही जमा किए जा सकते हैं। यह स्कीम 15 साल के लिए है, जिससे बीच में नहीं निकला जा सकता है। लेकिन इसे 15 साल के बाद 5-5 साल के लिए बढ़ाया जा सकता है। इसे 15 साल के पहले बंद नहीं किया जा सकता है, लेकिन 3 साल बाद से इस अकाउंट के बदले लोन लिया जा सकता है। अगर कोई चाहे तो इस अकाउंट से 7वें साल से नियमों के तहत पैसा निकाल सकता है। ब्याज दरों की समीक्षा हर तीन

माह में सरकार करती है। यह ब्याज दरें कम या ज्यादा हो सकती है। फिलहाल इस अकाउंट पर 7.1प्रतिशत ब्याज मिल रहा है। इस योजना में निवेश करने पर इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80सी के तहत टैक्स छूट का फायदा लिया जा सकता है।

15 साल के लिए निवेश करने पर मिलेगा कितना रिटर्न – इस योजना के तहत अगर आप हर महीने 1 हजार रुपए 15 साल के लिए निवेश करते हैं तो आपको 15 साल बाद करीब 3.20 लाख रुपए मिलेंगे। यानी आपको 1.40 लाख रुपए से ज्यादा ब्याज मिलेगा।

आरडी पर मिल रहा 6.5प्रतिशत ब्याज1 – पोस्ट ऑफिस आरडी पर फिलहाल 6.5प्रतिशत सालाना ब्याज मिल रहा है। आरडी एक तरह की स्मॉल सेविंग्स स्कीम है। कोई भी व्यक्ति इसका खाता आप पोस्ट ऑफिस के अलावा बैंकों में भी खुलवा सकते हैं। आरडी स्कीम में आप मिनिमम 100 रुपए हर महीने निवेश कर सकते हैं। इससे ज्यादा 10 के मल्टीपल में आप कोई भी रकम जमा करा सकते हैं। मैक्सिमम जमा राशि की कोई लिमिट नहीं है। एक या एक से ज्यादा आरडी अकाउंट भी खोल सकते हैं। छोटे बच्चों के नाम पर भी यह अकाउंट खोला जा सकता है। 10 साल या उससे अधिक उम्र होने पर आप इसे खुद ऑपरेट कर सकते हैं। 3 लोग मिलकर ज्वाइंट अकाउंट भी खोल सकते हैं। आरडी बड़ी बचत में आपकी मदद कर सकती है। इसमें हर महीने सैलरी आने पर एक निश्चित रकम डालते रहें और 5 साल बाद मेच्योर होने पर आपके हाथ में बड़ी रकम होगी। हालांकि आप 5 साल बाद और 5 साल के लिए बढ़वा सकते हैं। आप कितनी भी बार ऐसा कर सकते हैं।

15 साल तक हर महीने 1 हजार निवेश करने पर कितना रिटर्न मिलेगा – इस योजना के तहत अगर आप हर महीने 1 हजार रुपए 15 साल तक निवेश करते हैं तो आपको करीब 3.03 लाख रुपए मिलेंगे। यानी आपको 1.23 लाख रुपए से ज्यादा ब्याज मिलेगा।

कहां निवेश करना रहेगा सही – अगर आप अपने पैसे को 15 साल के लिए निवेश कर सकते हैं तो पीपीएफ योजना ठीक रहेगी। इसमें 7.1प्रतिशत ब्याज मिल रहा है। वहीं आरडी पर 6.5प्रतिशत ब्याज दिया जा रहा है। लेकिन इसमें लॉक इन पीरियड भी 5 साल का है जो पीपीएफ से काफी कम है। आप अपनी आर्थिक स्थिति के हिसाब से अपने लिए सही स्कीम चुन सकते हैं।

दूरसंचार सचिव के. राजारमन को मिली नई जिम्मेदारी आईएफएससीए के अध्यक्ष नियुक्त

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने दूरसंचार सचिव के. राजारमन को अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण का अध्यक्ष नियुक्त किया है। वह 2020 में नियुक्त नियामक प्राधिकरण के पहले अध्यक्ष इंजेती श्रीनिवास का स्थान लेंगे। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग द्वारा शनिवार को जारी अधिसूचना के मुताबिक, राजारमन की नियुक्ति कार्यभार संभालने की तारीख से तीन साल की अवधि के लिए, या 65 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक, या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, के लिए है। बता दें कि आईएफएससीए की स्थापना अप्रैल 2020 में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण अधिनियम, 2019 के तहत की गई थी। इसका मुख्यालय गिफ्ट सिटी गांधीनगर में है। आईएफएससीए भारत में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र में वित्तीय उत्पादों, वित्तीय सेवाओं और वित्तीय संस्थानों के विकास और विनियमन के लिए एकीकृत प्राधिकरण है। वर्तमान में यह भारत में पहला अंतरराराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र है। बता दें, आईएफएससीए की स्थापना अप्रैल 2020 में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण अधिनियम, 2019 के तहत की गई थी। इसका मुख्यालय गिफ्ट सिटी गांधीनगर में है।

कंफर्टेबल फील कराने इंटिमेट सीन से पहले एक्ट्रेस से पूछी पीरियड की डेट

मुंबई (ईएमएस)। अपने बेहतरी निर्देशन के लिए अनुराग कश्यप को भला कौन नहीं जानता है। यही वजह है कि वह अपने कलाकारों की हर समस्या को बारीकी से गौर करते हैं। निर्देशन के अलावा वह सेट पर सितारों को कंफर्टेबल फील कराने में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। हाल ही में, एक्ट्रेस अमृता सुभाष ने अनुराग संग काम करने का बड़ा ही संजीदा अनुभव साझा किया है। अमृता सुभाष ने अनुराग कश्यप के साथ सेक्रेड गेम्स 2 में काम किया था। इस वेब शो में अमृता का एक इंटिमेट सीन था। अमृता ने बताया कि कैसे इस सीन को करने से पहले अनुराग ने उनसे उनकी पीरियड डेट पूछी थी, ताकि वह उन दिनों में इस सीन की शूटिंग के दौरान अनकंफर्टेबल न हों। बता दें कि हाल ही में, लस्ट स्टोरीज 2 की को-स्टार्स नीना गुप्ता और तिलोत्तमा शोम के साथ एक इंटरव्यू में अमृता ने अनुराग कश्यप के साथ काम करने पर कहा कि मैंने अपना पहला इंटिमेट सीन सेक्रेड गेम्स 2 में अनुराग कश्यप के साथ किया था। वह बहुत सेंसिटिव हैं। उन्होंने डायरेक्टर टीम को बुलाया। वह पहले शख्स थे, जिन्होंने मुझसे पूछा, आपके पीरियड्स कौन से दिन हैं। उसके आस-पास वो इंटिमेट सीन मत रखो। ये मर्द-औरत के परे है। वह बहुत सेंसिटिव हैं।

गौरतलब है कि अनुराग कश्यप ने विक्रमादित्य मोटवाने के साथ मिलकर सेक्रेड गेम्स 2 की शूटिंग की थी। नवाजुद्दीन सिद्दीकी और सैफ अली खान ने इस सीरीज में लीड रोल प्ले किया था। शो के लिए अनुराग ने नवाज के सींस को डायरेक्ट किया था, वहीं सैफ के सींस का निर्देशन विक्रमादित्य ने किया था। गौरतलब है कि अमृता सुभाष का वेब शो लस्ट स्टोरीज 2 नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रहा है। इसमें वह मेड का रोल प्ले कर रही हैं। अमृता के साथ लीड रोल में नीना गुप्ता, तिलोत्तमा शोम, काजोल, तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा भी हैं। अमृता बॉम्बे बेगम्स और सास बहू अचार प्राइवेट लिमिटेड जैसे वेब शोज में भी नजर आ चुकी हैं, जिसमें उनका अभिनय खूब सराहा गया है।

शाह रुख खान के साथ काम करने से करण जौहर ने किया इनकार

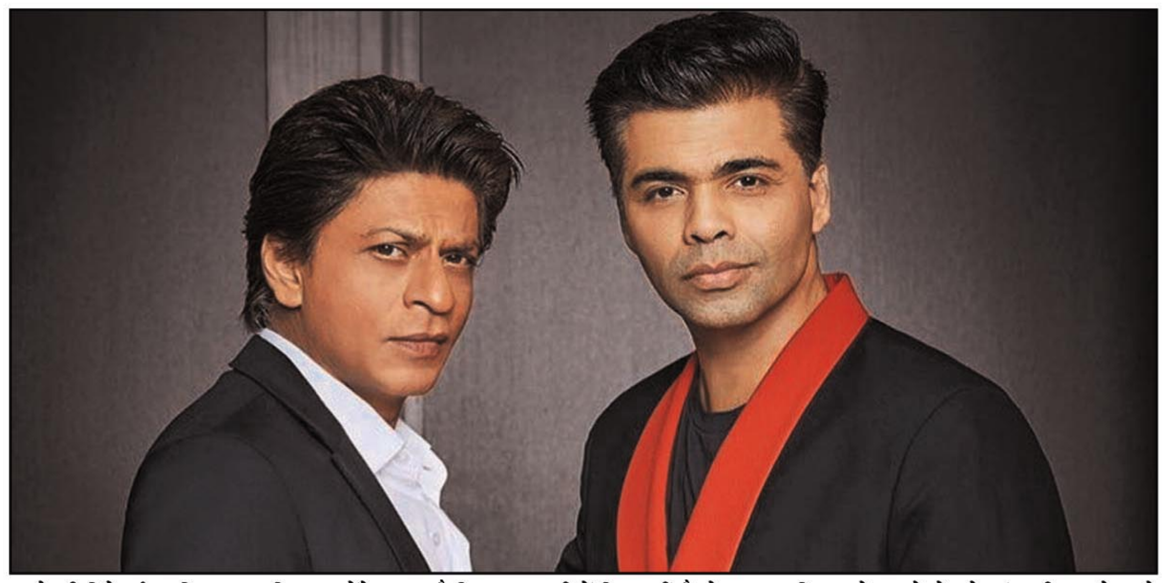

मुंबई (ईएमएस)। करण जौहर ने अभिनेता शाह रुख खान के साथ काम करने से इंकार कर दिया है। गौरतलब है कि शाह रुख खान और करण जौहर के बीच की स्पेशल बॉन्डिंग जग जाहिर है। फिर भी करण ने ऐसा कुछ कहा कि किंग खान के फैंस इसे पचा नहीं पा रहे हैं। गौरतलब है कि शाह रुख और करण ना सिर्फ अच्छे दोस्त हैं बल्कि इन दोनों ने मिलकर काफी ब्लॉकबस्टर फिल्में भी दी हैं। अब कुछ ऐसा हुआ हक लोगों को भरोसा नहीं हो रहा है। जानकारी के अनुसार करण जौहर ने पहली बार शाह रुख खान के साथ फिल्म करने से मना कर दिया है। दो साल से अधिक के अंतराल के बाद, करण मल्टी-स्टारर रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के साथ वापसी कर रहे हैं, जिसमें रणवीर सिंह और आलिया भट्ट मुख्य भूमिका में हैं। निर्देशक को अपनी फिल्मों में अपने फैंस को हमेशा ही कुछ सरप्राइज देने की आदत है। चाहे वह स्टूडेंट ऑफ द ईयर में काजोल हो या ऐ दिल है मुश्किल में आलिया हो। ऐसी रिपोर्ट्स थीं कि शाह रुख रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में एक कैमियो करेंगे, जैसा कि उन्होंने ऐ दिल है मुश्किल के लिए किया था। बताया गया कि शाह रुख ने खुद इस प्रोजेक्ट पर काम करने की उत्सुकता जाहिर की थी। लेकिन करण ने एक इंस्टाग्राम लाइव के दौरान फिल्म में कैमियो करने की रिपोर्ट्स पर विराम लगा दिया। उन्होंने कहा कि नहीं, शाह रुख नहीं हैं लेकिन उनका प्यार और आशीर्वाद हमेशा मेरे साथ है। वह मेरे लिए परिवार हैं और वह रॉकी और रानी की प्रेम कहानी की पहली यूनिट बनाने वाले पहले व्यक्ति थे। एक रिपोर्ट के मुताबिक, शाह रुख के इस प्रोजेक्ट में नजर न आने का कारण यह है कि वह कहानी में फिट नहीं बैठते। एक सूत्र ने बताया कि करण जौहर नहीं चाहते थे कि शाह रुख सिर्फ दिखावे के लिए आएं। उनकी एंट्री के लिए कहानी में कुछ प्लॉट होना चाहिए। लेकिन इस बार, वह कहानी में कहीं भी फिट नहीं बैठे। इसलिए वह नहीं हैं। हालांकि जब यह सुझाव दिया गया कि अभिनेता गाने का हिस्सा हो सकते थे, तो अंदरूनी सूत्र ने आगे कहा कि यहां तक कि वह विकल्प भी सही नहीं लगा। अब तक के करियर के दौरान शाह रुख ने दोस्तों के लिए लगभग 30-35 गेस्ट अपीयरेंस दिए हैं। करण कभी भी शाह रुख और उनकी पत्नी गौरी से अपनी नजदीकियों का गलत इस्तेमाल नहीं करना चाहते।

चमक में मेरा किरदार छोटे शहर के संगीतकार का : ईशा तलवार

-मेरा किरदार बिना शर्त वाले प्यार में करता है विश्वास

मुंबई (ईएमएस)। एक्ट्रेस ईशा तलवार का कहना है कि जब वह अपकमिंग वेबसीरीज चमक के लिए अपने दिमाग में अपना किरदार बना रही थीं, तो सबसे पहले जो व्यक्ति आया, वह लेखिका और कवयित्री अमृता प्रीतम थीं। चमक में ईशा पंजाब के एक छोटे शहर की संगीतकार की भूमिका निभा रही हैं। रिसर्च में उन्होंने लेखिका की कहानी पढ़ी। ईशा का कहना है कि अमृता प्रीतम की सादगी ने उन्हें वेब सीरीज में अपने किरदार की बाहरी संरचना बनाने में मदद की। ईशा कहती हैं, मेरा किरदार पंजाब के एक छोटे शहर के संगीतकार का है। जब मैं उसे अपने दिमाग में बना रही थी, तो सबसे पहले जो व्यक्ति मेरे दिमाग में आया वह लेखिका और कवयित्री अमृता प्रीतम थीं। उन्होंने आगे कहा, जैसे-जैसे मैंने उनके और उनके काम के बारे में पढ़ना शुरू किया, मुझे उन दोनों के बीच बहुत सारी समानताएं मिलीं, क्योंकि अमृता जी और मेरा किरदार बिना शर्त वाले प्यार में विश्वास करता हैं और दोनों ही इसके बारे में बहुत सरलता से बात करने की क्षमता रखते हैं मैं बहुत सतर्क थी कि यह उनका व्यंग्य न बन जाए क्योंकि मेरे किरदार की कहानी बहुत अलग है। ईशा अपनी अपकमिंग वेब सीरीज चमक में लीड रोल निभाएंगी, जिसका प्रीमियर अगस्त में सोनी लिव पर होगा। वेब सीरीज की कहानी पंजाब के म्यूजिक इंडस्ट्री की चकाचौंध और ग्लैमर पर आधारित है और एक कलाकार की यात्रा और प्रसिद्धि के साथ उनके जटिल रिश्ते को दशार्ती है। वह म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट ढोल बजाती भी नजर आएंगी। सीरीज का निर्देशन रोहित जुगराज चौहान ने किया है। इसके अलावा, वह इंडियन पुलिस फोर्स नामक एक अन्य वेब सीरीज पर भी काम कर रही हैं।

एकता कपूर की अपकमिंग "एलएसडी 2" की रिलीज डेट आउट

एकता कपूर के अपकमिंग कल्ट क्लासिक लव सेक्स और धोखा 2 की घोषणा के बाद से ही इस फिल्म को लेकर एक अलग ही एक्साइटमेंट बनी हुई हैं। अब बालाजी टेलीफिल्म्स ने अपनी बहुप्रतीक्षित "एलएसडी 2" की आधिकारिक रिलीज डेट का खुलासा कर दिया है। ये फिल्म 16 फरवरी 2024 को रिलीज होगी और दर्शकों को एक रोमांचक सिनेमाई सफर पर ले जाएगी। ऐसे में "एलएस-डी 2" की शानदार सफलता के बाद अब फिल्म का सीक्वल एक कभी न भूलने वाले रोमांचकारी अनुभव की गारंटी देता है, जो विश्व स्तर पर दर्शकों को दीवाना कर देगा। लव सेक्स और धोखा 2 में बिना किसी शक एक यूनिवर्सल अपील है जो पीढ़ियों को ट्रांसेंड करती है, न केवल जवान पीढ़ी को लुभाती है बल्कि उत्साही जेन जेड दर्शकों को भी आकर्षित करती है। पहली फिल्म की लिगेसी को आगे बढ़ाते हुए, "एलएसडी 2" सीमाओं को पार करने और पहले से भी ज्यादा साफ तरीके से चीजो को सामने लाने का साहस करता है, जिससे दर्शकों के लिए एक तेज और खास अनुभव करना तय है। पहली फिल्म प्रशंसकों को बहुत पसंद आई थी। ऐसे में अब एलएसडी 2 पहले से भी बड़ी कल्ट क्लासिक होने का वादा करती है।

धनुष की फिल्म डी 50 का पहला पोस्टर जारी

-फिल्म की शूटिंग भी हो चुकी है शुरू

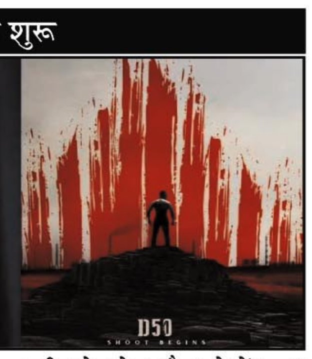

मुंबई (ईएमएस)। कुछ दिनों पहले ही साउथ स्टार धनुष ने अपनी दूसरी डायरेक्टोरियल फिल्म डी 50 की घोषणा की थी। अब हाल ही में सन पिक्चर्स ने फिल्म से धनुष का पहला पोस्टर रिलीज करते हुए बताया कि एक्टर की आगामी मूवी की शूटिंग शुरू हो चुकी है। इस पोस्टर में धनुष अब तक के सबसे अलग लुक में नजर आ रही हैं। धनुष अपने फैंस को इम्प्रेस करने में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं, फिर चाहे उन्हें अपने लुक से ही क्यों न एक्सपेरिमेंट करना पड़े। हाल ही में मेकर्स ने धनुष की फिल्म का नया पोस्टर रिलीज किया, जिसमें एक्टर क्लीन शेव हेड के साथ नजर आ रहे हैं। इस पोस्टर में धनुष का चेहरा तो नहीं दिख रहा है, लेकिन उनकी बैक बॉडी को देखकर ये साफ जाहिर है कि उन्होंने अपनी फिल्म के लिए काफी मेहनत की है। इस पोस्टर में बैकग्राउंड में फैक्ट्री दिखाई गई हैं, जिसमें आसमान तक लाल रंग के निशान हैं। इस पोस्टर को शेयर करते हुए धनुष ने कैप्शन में लिखा, शूट शुरू हो चुका है, ओम नमः शिवाय। धनुष इस फिल्म में सिर्फ अभिनय ही नहीं कर रहे हैं, बल्कि वह फिल्म में निर्देशन की कुर्सी भी संभालते हुए नजर आएंगे। इस पोस्टर के साथ ही धनुष ने बताया कि उनकी फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है। बता दें कि इससे पहले धनुष सुबह अपने दोनों बेटों यात्रा और लिंगा और अपने माता-पिता के साथ तिरुपति मंदिर दर्शन के लिए पहुंचे थें। एक्टर को क्लीन शेव हेड और गले में रुद्राक्ष की माला पहने देखकर फैंस भी हैरान रह गए थे। ऊ50 के अलावा धनुष आनंद एल राय की फिल्म तेरे इश्क में नजर आएंगे, जिसका टीजर ऑ-डियंस के सामने आ चुका है। बता दें कि रांझणा सहित कई सुपरहिट फिल्में देने वाले साउथ स्टार धनुष की गिनती पैन इंडिया स्टार्स में होती है। उन्होंने अपने अभिनय के दम पर अपनी एक अलग पहचान बनाई है। वह सिर्फ एक अच्छे अभिनेता नहीं हैं, बल्कि बेहतरीन डायरेक्टर भी हैं।

नए ट्रैक रतन कलियां पर काम किया आयुष्मान ने

-यह है एक पंजाबी-पॉप फ्यूजन नंबर

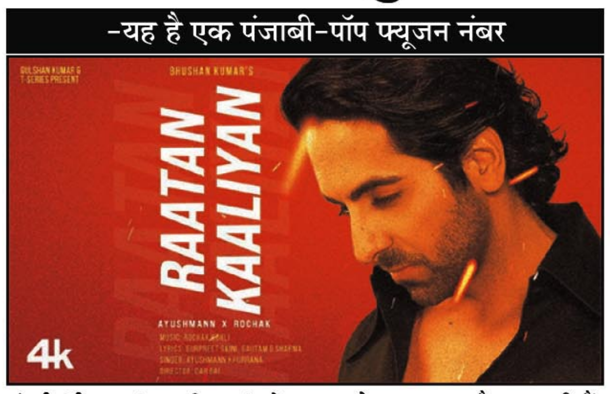

मुंबई (ईएमएस)। पानी दा रंग के कंपोजर रोचक कोहली के साथ बॉलीवुड स्टार आयुष्मान खुराना ने नए ट्रैक रतन कलियां पर काम किया है। आयुष्मान की आवाज ट्रैक में एक नया आयाम जोड़ती है। गाने का म्यूजिक वीडियो डार गाई द्वारा निर्देशित किया गया है। यह एक पंजाबी-पॉप फ्यूजन नंबर है, जिसके बोल गुरप्रीत सैनी और गौतम शर्मा ने लिखे हैं। गाने के बारे में बात करते हुए, आयुष्मान ने कहा, मुझे उम्मीद है कि यह गाना लोगों के दिलों को छू जाएगा और लोगों की प्लेलिस्ट में शामिल हो जाएगा। मेरे बचपन के दोस्त रोचक कोहली के साथ काम करना हमेशा खुशी की बात रही है। उन्होंने आगे उल्लेख किया, जब म्यूजिक की बात आती है तो उनका नाम सबसे पहले दिमाग में आता है। वह बेहद भावुक और बहुमुखी हैं। गीतकार गौतम शर्मा ने कहा, रतन कलियां एक खूबसूरत धुन है और मुझे उम्मीद है कि श्रोता वही भावनाएं महसूस करेंगे जो टीम ने डालने की कोशिश की है और गाने के साथ गहराई से जुड़ेंगे। टी-सीरीज द्वारा निर्मित, रतन कलियां गाना टी-सीरीज के यूट्यूब चैनल पर स्ट्रीम करने के लिए उपलब्ध है।

उन्होंने इस कम्पोजीशन में खूब मेहनत की है। मैं हमारी डिस्कोग्राफी में एक और स्पेशल सॉन्ग जोड़ने के लिए एक बार फिर उनके साथ सहयोग करने के लिए रोमांचित हूं। लिरिसिस्ट गुरप्रीत सैनी ने साझा किया कि टीम एक ऐसा सॉन्ग बनाना चाहती थी, जो जुदाई के दर्द का अनुभव करने वाले हर किसी को पसंद आए!

गुरु दत्तः सुनहरे पर्दे के शानदार अभिनेता

सुनहरे पर्दे के जाने माने अभिनेता गुरु दत्त भारतीय सिनेमा के सबसे महान कलाकारों में से एक थे। हालांकि उन्होंने दस से भी कम फिल्में बनाईं लेकिन माना जाता है कि वह बॉलीवुड का स्वर्णिम युग था। गुरुदत्त ने अपने अभिनय कौशल के माध्यम से उस काल की बदलती सामाजिक परिस्थिति को प्रतिबिंबित किया। अपने छोटे से जीवन में गुरु दत्त ने प्यासा (1957), कागज के फूल (1960) और बाजी (1951) जैसी भारत की सबसे अधिक सामाजिक रूप से जागरूक फिल्में बनाईं। उन्हें वहीदा रहमान को स्टारडम तक पहुंचाने और आगे बढ़ाने का श्रेय भी जाता है। गुरु दत्त का जन्म 9 जुलाई, 1925 को मैसूर में हुआ था। उनकी प्रारंभिक शिक्षा कोलकाता में हुई। गुरु दत्त ने दो साल तक उदय शंकर के अल्मोड़ा स्थित इंडिया कल्चरल सेंटर में नृत्य सीखा। मुंबई जाने के बाद उन्होंने सिनेमा की दुनिया में प्रवेश किया। गुरु दत्त ने फिल्म इंडस्ट्री में बतौर कोरियोग्राफर फिल्म "हम एक हैं" से अपना सफर शुरू किया था। एक अभिनेता के रूप में गुरु दत्त का करियर 1944 में फिल्म "लखरानी" से शुरू हुआ। "बाजी" से गुरु दत्त निर्देशक बने लेकिन "आर पार" (1954) ने उन्हें निर्देशक के रूप में स्थापित किया। फिल्म में नायक की भूमिका निभाकर उन्होंने अपने अभिनय का लोहा भी मनवाया। इसी दौरान गुरु दत्त ने लोकप्रिय पार्श्व गायिका गीता रॉय से शादी कर ली। गुरुदत्त की कुछ अन्य उल्लेखनीय फिल्में "कागज के फूल", "चौदहवीं का चांद" और "साहब बीबी और गुलाम" थीं। उनकी अगली फिल्में, थर्स्ट (1957) और पेपर फ्लावर्स (1959) को उनका सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। प्यासा (1957) उनकी उत्कृष्ट कृति थी, एक कवि के बारे में जो एक पाखंडी, लापरवाह दुनिया में सफलता प्राप्त करने की कोशिश कर रहा है। यह बॉक्स-ऑफिस पर हिट रही और इसे उनकी अब तक की सबसे महान फिल्म का दर्जा दिया गया। इसके विपरीत, पेपर फ्लॉवर्स (1959) बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप रही। फिल्म उद्योग की पृष्ठभूमि पर स्थापित एक दुखद प्रेम प्रसंग की अर्ध-आत्मकथात्मक कहानी को दर्शकों के लिए इतनी खराब समझा गया कि वह दर्शकों के सिर के ऊपर से गुजर गई। हालांकि बाद के वर्षों में फिल्म को अपनी सिनेमैटोग्राफी के लिए आलोचकों की प्रशंसा मिली और इसने एक लोकप्रिय पंथ प्राप्त कर लिया। गुरु दत्त ने इस फिल्म में अपनी आत्मा डाल दी थी, इसलिए इसकी असफलता से टूट गए और उन्होंने कभी दूसरी फिल्म का निर्देशन नहीं किया। गुरु दत्त ने फिल्मों का निर्माण और अभिनय करना जारी रखा, विशेष रूप से पीरियड ड्रामा चौदहवीं का चांद (1960) और साहिब बीबी और गुलाम (1962)। दस अक्टूबर, 1964 को गुरु दत्त अपने बिस्तर पर मृत पाए गए। मृत्यु का कारण शराब और नींद की गोलियों का संयोजन माना गया।

करीना कपूर साथ लिप लॉक वायरल तस्वीर पर शाहिद ने तोड़ी चुप्पी

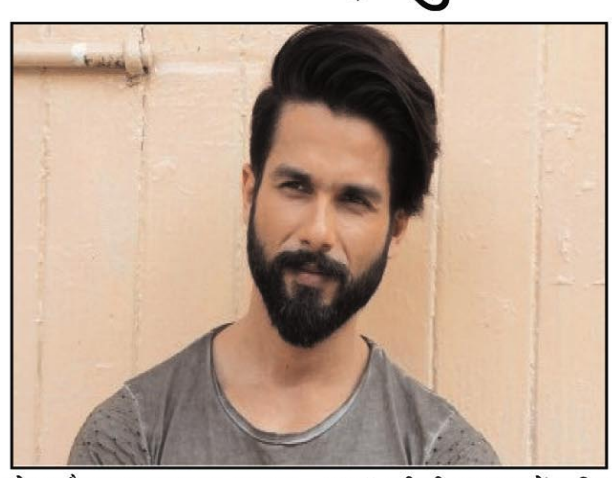

एक समय था जब शाहिद कपूर और करीना कपूर रिलेशनशिप में थे। दोनों ने सार्वजनिक रूप से अपने रिश्ते को स्वीकार किया था। ये दोनों करीब तीन साल तक रिलेशनशिप में रहे, जिसके बाद इनका ब्रेकअप हो गया। 2003 में जब दोनों रिलेशनशिप में थे तो उनकी किस करते हुए एक फोटो वायरल हो गई थी। यह फोटो काफी चर्चा में रही थी। अब करीब 20 साल बाद शाहिद ने इस फोटो को लेकर रिएक्ट किया है। ये तस्वीर 2004 में एक क्लब में क्लिक की गई थी। इसमें शाहिद करीना को किस कर रहे थे। यह तस्वीर एक युवक ने एक क्लब में ली थी और बाद में यह वायरल हो गई। शाहिद ने मीडिया को दिए इंटरव्यू में कहा, "मैं उस वक्त टूट गया था। मैं केवल 24 साल का था और मुझे लगा कि मेरी निजता छीन ली गई है और मैं कुछ नहीं कर सकता।" शाहिद ने कहा, "उस वक्त मुझे नहीं पता था कि असल में क्या हो रहा है। इसका मुझ पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ा। उस उम्र में आपको अपनी भावनाओं का ठीक से पता भी नहीं चलता। आप नहीं जानते कि किसी लड़की के साथ कैसा व्यवहार करना है, लेकिन आप डेट पर हैं और कुछ घटित होता है। शाहिद ने कहा, इसके बाद मैं काफी सतर्क हो गया।" इसी बीच 2007 में शाहिद कपूर और करीना कपूर का ब्रेकअप हो गया। शाहिद ने मीरा कपूर से शादी की है, जबकि करीना ने सैफ अली खान से शादी की है। दोनों अपनी निजी जिंदगी में आगे बढ़ चुके हैं। तो शाहिद कहते हैं कि अब इन बातों से कोई फर्क नहीं पड़ता।

सूडोकू नवताल- 6487

★★★✮☆ मध्यम

6	9			7	4		8	
	8	5	6	2			4	9
7						6		3
	3	9	5				1	
1				8				5
	6				2	9	3	
4		7						2
8	2			5	9	1	7	
	1		2	3			5	8

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल - 6486 का हल

6	5	3	9	1	7	2	8	4
9	1	8	2	6	4	3	7	5
7	4	2	5	3	8	1	9	6
3	7	1	6	9	2	4	5	8
8	6	9	1	4	5	7	2	3
5	2	4	8	7	3	9	6	1
2	9	5	4	8	1	6	3	7
4	3	6	7	5	9	8	1	2
1	8	7	3	2	6	5	4	9

शब्दजाल - 7234

प्र	अ	मे	क	ना	ग	री	क	र	ण	गो
न	का	क	अ	इं	डो	ने	ग	श	मा	ला
अ	दा	र	भि	मा	ग	अ	द	ह	प	का
श्रे	ग	प्र	क	र	ण	नु	धि	री	लि	र
णी	अ	अ	र	न	न	क	ह	क	न	दे
क	ना	का	ण	व	प	र	त	र	र	बां
र	मा	ल	म	श	अ	ण	वा	ण	न	ण
ण	न	भा	र	न	मी	स	ष्पी	ल	वि	ला
क	न	बा	अ	लं	का	क	क	न	जू	दे
र	का	ति	मा	न	सिं	ब्रा	र	का	प	श
वि	द्यु	ती	क	र	ण	स	ण	ण	र	र

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछे 'करण' लगा हो.शब्द ऊपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

नागरीकरण, श्रेणीकरण, प्रकरण, अभिकरण, शमीकरण, वाष्पीकरण, अधिकरण, अनुकरण, शहरीकरण, विद्युतीकरण

शब्दजाल - 7233 का हल

म	अ	मु	क्रि	मी	न	ल	ज	ग	ल	य
रा	वि	ली	प्रे	क	न्या	स	द	ज	कां	ड़
चु	म	न	बा	दी	छ	मि	आ	ब	सौ	क
इं	नौ	ब	न	बा	वा	से	ल	ल	दा	क
डि	आ	यु	ल	य	चा	न	क्रो	न	ग	च
या	ल	ग	र	रा	ल	ली	ती	ण	र	र
द	सिं	पु	ग	ट्रे	न	गा	स	बा	व	दु
क	ह	रु	ई	द	ब	क	र	चो	श	हिं
रा	म	ष	ला	रा	म	स	या	औ	र	दु
बों	गॉ	ल	प	लि	खा	मो	शी	म	प	स्ता
बे	ड	क	र्क	या	क	र्त	य	दु	श्म	नी

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-6187

3			6	4		1
4	33	4	40	7	31	2
	2	6	3		1	
1	29		37		35	5
	1		4	3	5	
6	30	2	24	1	30	3
5		1	4			7

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6186 का हल

1	2	3	7	5	6	4
3	29	6	37	2	31	1
4	3	7	1	6	2	5
5	29	1	33	4	37	6
6	1	2	5	7	4	3
2	33	4	31	3	30	7
7	6	5	4	1	3	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

पाकिस्तान ने दी वर्ल्ड कप के बायकॉट की धमकी : खेल मंत्री बोले– भारत एशिया कप के लिए न्यूट्रल वेन्यू पर अड़ा, हम भी ऐसा करेंगे

नई दिल्ली ।
भारत में 5 अक्टूबर से शुरू हो रहे वनडे क्रिकेट वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के पार्टिसिपेशन पर संशय बरकरार है। पाकिस्तान के खेल मंत्री एहसान मजारी ने कहा– मैं चाहता हूं कि भारत भी एशिया कप मैच न्यूट्रल वेन्यू पर खेलने की मांग को छोड़े वरना हम भी वर्ल्ड कप में खेलने के लिए भारत नहीं जाएंगे। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल 27 जून को वर्ल्ड कप के लिए शेड्यूल जारी कर चुका है। भारत और पाकिस्तान के बीच हाई वोल्टेज मैच 15 अक्टूबर को अहमदाबाद में खेला जाएगा। इसके अलावा पाकिस्तान को अपने लीग के 8 मैच चार शहरों हैदराबाद, बेंगलुरु, चेन्नई और कोलकाता में खेलना हैं।

मजारी 14 सदस्यीय सिक्योरिटी टीम का हिस्सा

मजारी ने कहा– प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी की अध्यक्षता में 14 सदस्यीय कमेटी का गठन किया है। उसमें मेरे साथ कुल 11 मंत्री हैं। हम इस मुद्दे पर चर्चा करेंगे कि पाकिस्तान को भारत जाकर क्रिकेट खेलना चाहिए कि नहीं। अपनी सिफारिश हम प्रधानमंत्री को भेजेंगे। उसी के आधार पर प्रधानमंत्री वर्ल्ड कप में पाकिस्तान क्रिकेट टीम के भेजने का अंतिम फैसला लेंगे। पीसीबी मेरे विभाग में आता है। मेरे विचार में भारत भी एशिया कप मैच न्यूट्रल वेन्यू पर खेलने की मांग को छोड़े वरना हम भी वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के मैच भारत के बजाय न्यूट्रल वेन्यू पर करने की मांग करेंगे।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने की है कमेटी गठित

पाक पीएम द्वारा गठित कमेटी में खेल मंत्री एहसान मजारी के अलावा पाकिस्तान के कई मंत्री और सुरक्षा एजेंसियों के प्रमुख शामिल हैं। कमेटी में पाकिस्तान सरकार में शामिल अन्य पार्टियों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहेंगे। इस कमेटी का अध्यक्ष विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी को बनाया गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, भुट्टो देश के अगले प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार भी हो सकते हैं। कमेटी जांच करने के लिए भारत कब आएगी, इस पर अब तक जानकारी नहीं मिल सकी है। लेकिन कमेटी की जांच के बाद ही तय होगा कि पाकिस्तान टीम भारत में वर्ल्ड कप खेलने आएगी या नहीं।

एशिया कप पाकिस्तान और श्रीलंका में

एशियन क्रिकेट काउंसिल ने वर्ल्ड कप से पहले एशिया कप श्रीलंका और पाकिस्तान में कराने का फैसला किया है। इसके तहत पाकिस्तान में टूर्नामेंट के सिर्फ 4 मैच होंगे। बाकी 9 मुकाबले श्रीलंका में होंगे। ग्रुप स्टेज के चार मैच पाकिस्तान में होंगे। इनमें एक ग्रुप से पाकिस्तान और नेपाल मैच और दूसरे ग्रुप से अफगानिस्तान और बांग्लादेश, अफगानिस्तान और श्रीलंका और बांग्लादेश और श्रीलंका मैच शामिल हैं। यानी पाकिस्तान में भारत का एक भी मैच नहीं होगा। अगर टीम इंडिया फाइनल में पहुंची तो ये मुकाबला भी श्रीलंका में ही खेला जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

गुरबाज-जदरान की सेंचुरी से जीता अफगानिस्तानः बांग्लादेश को पहली बार वनडे सीरीज हराई; फारूकी-मुजीब ने 3-3 विकेट लिए

चट्टोग्राम। अफगानिस्तान क्रिकेट टीम ने बांग्लादेश को दूसरा वनडे 142 रन से हरा दिया। चट्टोग्राम में 3 मैचों की सीरीज का दूसरा मुकाबला अफगानिस्तानी ओपनर्स के नाम रहा। रहमानुल्लाह गुरबाज ने 145 और इब्राहिम जदरान ने 100 रन बनाए। दोनों ने 256 रन की पार्टनरशिप की और टीम ने 50 ओवर में 9 विकेट पर 331 रन बना लिए। 332 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी बांग्लादेश टीम 43.2 ओवर में 189 रन पर ही ऑलआउट हो गई थी। अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज फजलहक फारूकी और स्पिनर मुजीब-उर रहमान ने 3-3 विकेट लिए। अफगानिस्तान ने पहला वनडे 17 रन से जीता था, अब दूसरा मैच भी जीतने के बाद टीम ने 3 वनडे की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। इसी के साथ अफगानिस्तान ने पहली बार बांग्लादेश को वनडे सीरीज हराई। इससे पहले दोनों के बीच 2016 और 2022 में 2 वनडे सीरीज हुई थी, दोनों में बांग्लादेश को ही 2-1 से जीत मिली थी। सीरीज का तीसरा वनडे 11 जुलाई को चट्टोग्राम में ही खेला जाएगा। वनडे के बाद दोनों टीमें 3 टी-20 भी खेलेंगी। दोनों के बीच एक टेस्ट भी खेला गया था, जिसे बांग्लादेश ने 546 रन से जीता।

कैफ ने पुजारा को वेस्टइंडीज दौरे से बाहर रखने पर नाराजगी जतायी, रहाणे को उपकप्तान बनाया जाना भी गलत

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने वेस्टइंडीज दौरे के लिए अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा को शामिल नहीं किये जाने पर नाराजगी जतायी है। कैफ ने कहा कि चयन का तरीका उन्हें समझ नहीं आया। कई खिलाड़ियों ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में रन नहीं बनाये पर केवल पुजारा को ही बाहर रखा गया। कैफ ने इस प्रकार के फैसले पर चिंता जताई है। पुजारा डब्ल्यूटीसी फाइनल की दोनो पारियों में रन नहीं बना पाये थे। इसके बाद वेस्टइंडीज दौरे के लिए चयनित टीम उन्हें जगह नहीं मिली। कैफ ने कहा कि टीम प्रबंधन को निर्णायक विकल्प चुनने की जरूरत है। कैफ ने टीम द्वारा की गई रणनीतिक गलतियों को लेकर कहा, डब्ल्यूटीसी में केवल पुजारा ही नहीं कई अन्य खिलाड़ियों ने भी रन नहीं बनाये थे पर ऐसा लगता है कि केवल एक खिलाड़ी को ही निशाना बनाया गया है।, ऐसा लगता है कि पुजारा को हमेशा बाहर किया जा रहा है। यह समझना कठिन है कि उन्हें क्यों बाहर रखा गया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डब्ल्यूटीसी फाइनल में भारत ने पहले गेंदबाजी करते हुए 469 रन दिए और दोनों पारियों में 300 रन तक भी नहीं पहुंच पायी। उन्होंने कहा, अगर पुजारा जैसा कोई व्यक्ति आपकी दीर्घकालिक योजनाओं में नहीं है, तो आपको यह निर्णय लेना होगा। यही बात अनुभवी आजिंक्या रहाणे के लिए भी लागू होती है। एक बार जब आपके पास युवा खिलाड़ी हों, तो रहाणे और पुजारा से आगे बढ़ें। उनके फॉर्म में वापस आने और फिर उन्हें वापस लाने का इंतजार न करें।

शॉटपुट एथलीट करणवीर सिंह डोप टेस्ट में विफल, एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम से बाहर

नई दिल्ली । शॉटपुट एथलीट करणवीर सिंह प्रतियोगिता से इतर डोप टेस्ट में विफल हो गए हैं और

अगले हफ्ते बैंकाक में होने वाली एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप से भारतीय टीम से बाहर भी हो गए हैं। राष्टीय क्रीड़ा संस्थान (एनआईएस) पटियाला में ट्रेनिंग करने वाले करणवीर सिंह का नाम पहले 12 से 16 जुलाई तक होने वाली चैंपियनशिप की 54 सदस्यीय भारतीय टीम में शामिल किया गया था। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के अध्यक्ष आदिल सुमारीवाला ने करणवीर के डोप टेस्ट में विफल होने की पुष्टि की है। उनके डोप टेस्ट के नमूना लेने की तारीख और उनके नमूने में कौन सा प्रतिबंधित पदार्थ पाया गया है, इसके बारे में अभी पता नहीं चला है। 25 साल के करणवीर ने मई में हुए फेडरेशन कप में 19.05 मीटर की थ्रो के साथ कांस्य पदक जीता था। जून में वह राष्टीय अंतर-राज्य चैंपियनशिप में विजेता तेजिंदर पाल सिंह तूर के बाद 19.78 मीटर के साथ दूसरे स्थान पर रहे थे।

फाइनल में पहुंचे लक्ष्य सेन, पीवी सिंधु सेमीफाइनल में हारीं, यामागुची ने 11वीं बार दी शिकस्त

कालगैरी ।
राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन बैडमिंटन प्लेयर लक्ष्य सेन ने जापान के केंटा निशिमोटो पर सीधे गेम में जीत दर्ज कर कनाडा ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। सेन ने जापान के 11वीं रैंकिंग के खिलाड़ी को 21-17 21-14 से हराकर अपने दूसरे सुपर 500 फाइनल में जगह बनाई। यह एक साल में उनका पहला बीडब्ल्यूएफ फाइनल भी होगा। वहीं, दूसरी तरफ वर्ल्ड नंबर-वन अकाने यामागुची ने भारत की वर्ल्ड नंबर-15 पीवी सिंधु को सेमीफाइनल में हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। सीजन की शुरुआत में लक्ष्य फॉर्म में नहीं दिखे थे, जिससे वह रैंकिंग में 19वें नंबर पर खिसक गए थे। 2021 विश्व चैंपियनशिप में इस 21 साल के खिलाड़ी ने कांस्य पदक जीता था। अब रविवार को फाइनल में उनका सामना चीन के लि शि फेंग से होगा जिनके खिलाफ उनका जीत का रिकॉर्ड 4-2 का है।

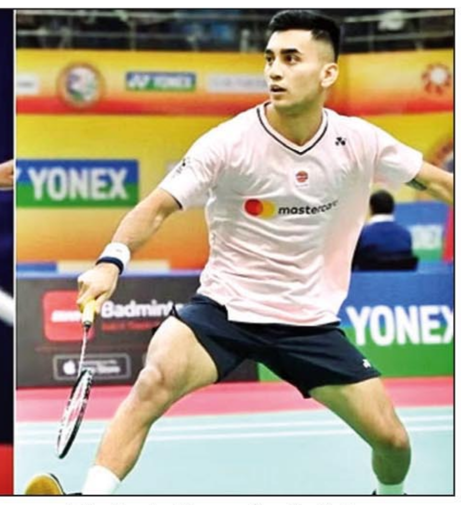

लक्ष्य ने इस तरह जीता सेमीफाइनल मैच

कनाडा ओपन के सेमीफाइनल में शुरू में लक्ष्य सेन 0-4 से पिछड़ रहे थे, लेकिन जल्द ही उन्होंने 8-8 से बराबरी हासिल की। ब्रेक तक निशिमोटो ने 11-10 से बढ़त बनाया हुआ था, लेकिन जल्द ही भारतीय खिलाड़ी ने अपने पसंदीदा स्मैश और तेज रिटर्न से अपने प्रतिद्वंद्वी को चौंका दिया। फिर लांग शॉट से गेम अपने नाम किया।

दूसरे गेम में दोनों ने एक दूसरे को बराबरी की टक्कर दी, लेकिन लक्ष्य की सतर्कता निशिमोटो पर भारी पड़ी। एक समय 2-2 के समान स्कोर के बाद दोनों 9-9 की बराबरी पर थे। ब्रेक तक सेन ने दो अंक की बढ़त बना ली। ब्रेक के बाद सेन 19-11 से आगे थे और निशिमोटो के फिर से नेट पर शॉट लगाने से भारतीय खिलाड़ी ने मुकाबला जीत लिया।

सिंधु को सेमीफाइनल में मिली हार

वहीं, दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सकीं और महिला सिंगल्स के सेमीफाइनल में जापान की नंबर एक खिलाड़ी अकाने यामागुची से 14-21 15-21 से हार गईं। यामागुची ने सिंधु के खिलाफ 11वीं जीत हासिल की। वहीं, भारतीय शटलर ने इस जापानी खिलाड़ी के खिलाफ 14 मैच जीते हैं।

सिंधु 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के बाद चोटिल हो गई थीं। इस साल उन्होंने बैडमिंटन कोर्ट में वापसी की, लेकिन उनका फॉर्म चिंता का विषय रहा है। 2022 राष्ट्रमंडल खेलों के बाद से वह नौ टूर्नामेंट्स खेल चुकी हैं और पांच में वह पहले राउंड में ही हारकर बाहर हो गई थीं।

सिंधु मैड्रिड मास्टर्स के फाइनल में जरूर पहुंचीं, लेकिन खिताबी मुकाबले में उन्हें शिकस्त मिली थी। वह मलेशिया मास्टर्स और अब कनाडा ओपन के सेमीफाइनल में हार गईं। सिंधु ने इस साल कुल 26 मैच खेले हैं। इनमें से 14 में जीत और 12 में हार मिली है। सिंधु को अब भी इस साल पहले खिताब का इंतजार है।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और पूर्व विश्व चैंपियन सिंधू चोट के बाद वापसी करते हुए फॉर्म हासिल करने के लिए जूझ रही हैं। सिंधु के लिए पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करने की राह मुश्किल होती जा रही है। उन्हें पेरिस ओलंपिक क्वालिफिकेशन चक्र (एक मई 2023 से 28 अप्रैल 2024) में उनके टूर्नामेंटों की भरपाई भी करनी है जिनमें वह चोट के कारण हिस्सा नहीं ले पाईं।

बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर को छह लेवल में बांटा गया है। इनमें वर्ल्ड टूर फाइनल, चार सुपर 1000, छह सुपर 750, सात सुपर 500 और 11 सुपर 300 टूर्नामेंट्स शामिल हैं। टूर्नामेंट की एक और कैटेगरी बीडब्ल्यूएफ टूर सुपर 100 लेवल भी रैंकिंग अंक देती है।

वेस्ट और साउथ जोन के बीच होगा दलीप ट्रॉफी फाइनल

पहली इनिंग्स में लीड के दम पर जीता वेस्ट जोन, विहारी-अग्रवाल ने साउथ को जिताया

बेंगलुरु ।
वेस्ट जोन और साउथ जोन दलीप ट्रॉफी के फाइनल में पहुंच गया है। शनिवार को दोनों सेमीफाइनल मुकाबलों के नतीजे आए। इसमें सेंट्रल जोन और वेस्ट जोन के बीच पहला मुकाबला बारिश के कारण ड्रॉ रहा, लेकिन वेस्ट जोन शनिवार को पहली पारी में बढ़त के आधार पर दलीप ट्रॉफी के फाइनल में पहुंच गया है। दूसरी ओर अलूर में खेले दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में साउथ जोन ने नॉर्थ जोन को रोमांचक मुकाबले में 2 विकेट से हराया। अब वेस्ट जोन और साउथ जोन के बीच फाइनल मुकाबला 12 जुलाई से एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में होगा।

मयंक अग्रवाल के 2 अर्धशतक

मयंक अग्रवाल और तमिलनाडु के आर साई किशोर के शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत साउथ जोन ने शनिवार को रोमांचक मुकाबले में नॉर्थ जोन को हराया। नॉर्थ जोन से दूसरी पारी में 211 रन बनाए और 215 रन का टारगेट दिया। टारगेट का पीछा करते हुए ओपनर मयंक अग्रवाल ने 54 रन की शानदार पारी खेली और कप्तान हनुमा विहारी की 42 रन की पारी ने मैच में साउथ की उम्मीदों को जिंदा रखा। अग्रवाल ने पहली 76 रन बना कर अर्शतक लगाया था।

बारिश ने किया परेशान

साउथ जोन और नॉर्थ जोन के मैच के दौरान दो बार बारिश आई। आखिरी सेशन खत्म होने में 2 घंटे रह गए थे और मैच शुरू हुआ। रविकुमार समर्थ ने 5 और साई सुदर्शन ने 17 रन बनाए। 4 विकेट के बाद साउथ को रिकी भुई (29) और तिलक वर्मा (19) प्रदर्शन किया और टीम को स्थिरता दिलाई। इसके बाद राणा और बलतेज की गेंदबाजी ने साउथ को 213/8 के स्कोर पर खड़ा कर दिया।

गांगुली बोले- भारत और पाकिस्तान में सेमीफाइनल होगाः टीम इंडिया पर कहा- अहम मौकों पर अच्छा परफॉर्म नहीं करते, पर इस बार जीतेंगे

नई दिल्ली ।
सौरव गांगुली ने उम्मीद जताई है कि वनडे वर्ल्ड में भारत और पाकिस्तान सेमीफाइनल खेलेंगे। उन्होंने कहा कि इस बार हमारे चैंपियन बनने के आसार हैं। सौरव गांगुली शनिवार को 51 साल के हो गए हैं। सचिन तेंदुलकर ने उन्हें बर्थडे विश किया। उन्होंने दादा को दादी लिखा। कहा- दादी इकलौते इंसान हैं, जो अपना बर्थडे भी ऑफ साइड पर मनाते हैं। इससे जाहिर होता है कि उन्हें ऑफ साइड कितना ज्यादा पसंद है। सौरव ने अपने बर्थडे पर एक ऐप लॉन्च किया है। जिसका नाम सौरव गांगुली मास्टर क्लास है। इसमें वे प्लेयर्स को क्रिकेट के बारे में बताएंगे। पूर्व भारतीय कप्तान गांगुली बोले, हम अहम मौकों पर अच्छा परफॉर्म नहीं करते। मुझे नहीं लगता कि ये मेंटल प्रेशर है, लेकिन एग्जीक्यूशन की कमी है। टीम के सभी खिलाड़ी मेंटली स्ट्रॉन्ग है, उम्मीद है कि इस बार लाइन क्रॉस करेंगे। हम फाइनल के लिए क्वालिफाई तो करते हैं, ये अपने आप में एक अचीवमेंट है। हमारे पास बहुत से अच्छे खिलाड़ी हैं, इस बार चांस भी है, उम्मीद है हम चैम्पियन बनेंगे। भारत ने 2011 में पिछली बार वनडे वर्ल्ड कप होस्ट किया और उसे जीता भी। क्या कप्तान रोहित शर्मा और कोच राहुल द्रविड़ पर होम वर्ल्ड कप का प्रेशर रहेगा। इस पर गांगुली बोले, प्रेशर हमेशा ही रहेगा। पिछली बार जब देश में वर्ल्ड कप था, प्रेशर तब भी था। रोहित शर्मा ने 2019 में 5 शतक लगाए। प्रेशर तो रहेगा, लेकिन ये कोई परेशानी नहीं है। मुझे यकीन है कि टीम कोई रास्ता निकाल लेगी। राहुल द्रविड़ जब खेलते थे, प्रेशर तब भी था। अब जब वो कोच हैं तो उन पर टीम के अच्छे परफॉर्मेंस का प्रेशर है। ये कभी खत्म नहीं होगा, लेकिन इससे ज्यादा दिक्कतें भी नहीं होंगी। गांगुली ने वर्ल्ड कप में सेमीफाइनल की दांवेदार टीमें भी बताई। वह बोले, कहना कठिन है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और भारत। न्यूजीलैंड को भी कम नहीं मान सकते। मैं पाकिस्तान को मिलाकर पांच टीमें चुनूंगा। पाकिस्तान क्वालिफाई कर जाए तो अच्छा रहेगा, हमें ईडन गार्डन्स स्टेडियम में भारत-पाक सेमीफाइनल तो देखने को मिलेगा। ईडन गार्डन्स स्टेडियम में 16 नवंबर को वनडे वर्ल्ड कप का दूसरा सेमीफाइनल होगा, जबकि मुंबई में पहला सेमीफाइनल खेला जाएगा। भारत और पाकिस्तान के बीच लीग स्टेज का मुकाबला 15 अक्टूबर को अहमदाबाद में होगा। लेकिन गांगुली का मानना है कि दोनों टीमें सेमीफाइनल में भी भिड़ेंगी।

ऐशेज में लीड्स टेस्ट के तीसरे दिन बारिश का खलल : दूसरी पारी में कंगारू 224 पर ऑलआउट; इंग्लैंड को 251 रन का टारगेट

लीड्स ।
द ऐशेज सीरीज के लीड्स टेस्ट का तीसरा दिन वर्षा बाधित रहा। दिन भर रुक-रुक बारिश होती रही। ऐसे में बार-बार खेल रोकना पड़ा, हालांकि बारिश के बावजूद यहां शनिवार को करीब 20 ओवर का खेल हुआ स्टंप्स तक इंग्लैंड ने दूसरी पारी में बिना नुकसान के 27 रन बना लिए हैं। टीम को जीत के लिए 251 रन का टारगेट मिला है। इंग्लिश टीम अब भी 224 रन से पीछे है। 84 रन बनाने में ऑस्ट्रेलिया ने गंवाए 6 विकेट ऑस्ट्रेलिया ने अपनी दूसरी पारी 116/4 के स्कोर से दिन की शुरुआत की। टीम अपने स्कोर में इजाफा कर पाती कि बारिश आ गई और खेल रोकना पड़ा। कुछ देर बाद खेल शुरू हुआ तो ऑस्ट्रेलियाई टीम 84 रन बनाने में 6 विकेट गंवा दिए। ट्रेविस हेड ने 77 रन की पारी खेली, जबकि मिचेल मार्श ने 28 रनों का योगदान दिया। स्टाअर्ट ब्रॉड और क्रिस वोक्स को तीन-तीन विकेट मिले। पैट कमिंस ने चटकाए 6 विकेट पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया के 263 रनों के जवाब में इंग्लिश टीम 237 रन पर ऑलआउट हो गई। कप्तान बेन स्टोक्स (80 रन) टीम के टॉप स्कोरर रहे, जबकि ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने 6 विकेट चटकाए। पहली पारी में फ्लॉप रहा ऑस्ट्रेलिया का टॉप ऑर्डर टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी ऑस्ट्रेलिया टीम का टॉप आर्डर पूरी तरह फेल रहा। डेविड वॉर्नर और उस्मान ख्वाजा ओपनिंग करने उतरे। वॉर्नर टेस्ट करियर में 16वीं बार स्टुअर्ट ब्रॉड का शिकार हुए। ऑफ स्टंप के बाहर आउट स्विंगर बॉल पर वार्नर सेकेंड स्लिप में जैक क्रॉले को कैच थमा बैठे। उन्होंने 4 रन बनाए।

उस्मान ख्वाजा 13 रन बनाकर मार्क वुड की गेंद पर बोल्ड हो गए। दूसरे टेस्ट में शतक लगाने वाले स्टीव स्मिथ 22 रन बना कर आउट हुए। वहीं मार्नस लाबुशेन 21 रन बना कर क्रिस वोक्स का शिकार हुए। इस

तरह ऑस्ट्रेलिया के 4 विकेट 25 ओवर के अंदर ही गिर गए।

मार्श ने लगाया शतक

शुरुआती ओवरों में विकेट गंवाने के बाद ऑस्ट्रेलिया को मिचेल मार्श और ट्रेविस हेड ने संभाला। दोनों ने 115 रन की साझेदारी की। हेड 39 रन बनाकर आउट हुए। उनके बाद विकेटकीपर एलेक्स कैरी भी 8 रन ही बनाकर पवैलियन लौट गए। मिचेल मार्श ने 118 रन की पारी खेली। उनके अलावा मिचेल स्टार्क 2, कप्तान पैट कमिंस 0 और टॉड मर्फी 13 रन बना कर आउट हुए। स्कॉट बोलैंड 0 रन के स्कोर पर नाबाद रहे।

बृजभूषण बोले– 18 जुलाई को होऊंगा पेश

कहा- मुझे नहीं चाहिए कोई छूट; यौन शोषण केस में राउज एवेन्यू कोर्ट ने किया है तलब

पानीपत।
भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण पर 6 बालिग पहलवानों के यौन शोषण केस की शुक्रवार को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने बृजभूषण सिंह और सेक्रेटरी विनोद तोमर को तलब किया है। इसको लेकर कोर्ट ने समन जारी कर दोनों को 18 जुलाई को कोर्ट में पेश होने का आदेश दिए हैं। जिसके बाद बृजभूषण ने एक न्यूज एजेंसी से कहा कि मैं 18 जुलाई को कोर्ट के सामने पेश होऊंगा। मुझे अदालत में पेश होने से कोई छूट नहीं चाहिए। इससे पहले भी बृजभूषण अपने बयानों में कहा चुके हैं कि उन्हें न्यायपालिका पर पूरा विश्वास है। अब मामला न्यायालय में विचाराधीन है, इसलिए वह कोई टिप्पणी नहीं करेंगे। कोर्ट में पेश होने के सवाल पर भी उन्होंने सिर्फ 2 ही लाइन में अपनी बात खत्म कर दी।

नाबालिग पहलवान और उसके पिता को नोटिस दे चुकी कोर्ट

बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ नाबालिग पहलवान के बयानों पर दर्ज केस की क्लोजर रिपोर्ट पर बीते मंगलवार को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई हुई। कैंसिलेशन रिपोर्ट पर चर्चा के बाद कोर्ट ने बयान बदलने पर नाबालिग पहलवान और उसके पिता को नोटिस जारी कर बयान बदलने की वजह पूछी है। कोर्ट ने 1 अगस्त तक जवाब मांगा है। इस दौरान जज ने कहा कि कोर्ट नाबालिग का पक्ष जनना चाहता है। नाबालिग का पक्ष आने के बाद ही कोर्ट केस को रद्द करने पर फैसला लेगा। कुछ दिन पहले नाबालिग पहलवान ने कोर्ट में भी अपने बयानों को बदलते हुए कहा था कि मामला यौन शोषण का नहीं, भेदभाव का है। उसने झूठी शिकायत दी थी। इस पर दिल्ली पुलिस ने 15 जून को कोर्ट में कैंसिलेशन रिपोर्ट दायर की थी। इसमें कहा था कि जांच में यौन शोषण के कोई सबूत नहीं मिले हैं। इसलिए इस केस को बंद कर

रहे हैं। 5 जून को राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश की थी चार्जशीट बता दें कि दिल्ली पुलिस ने 15 जून को राउज एवेन्यू कोर्ट में चार्जशीट पेश की थी। आरोपियों में बृजभूषण के अलावा असिस्टेंट सेक्रेटरी विनोद तोमर का नाम भी है। चार्जशीट में पहलवानों के मजिस्ट्रेट के सामने दिए गए बयान को अहम आधार माना गया है। बृजभूषण के खिलाफ करीब 7 गवाह मिले हैं। वहीं यौन शोषण की कथित जगह पर उनकी मौजूदगी के भी सबूत मिले हैं। चार्जशीट की पहली सुनवाई पर कोर्ट ने इसे कोर्ट में ट्रांसफर किया था। इसके अलावा, सोमवार को कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को चार्जशीट की एक कॉपी शिकायतकर्ता पहलवानों को देने के आदेश दिए हैं।

रास्ता रोकने या पीछा करने का केस 2012 का

दिल्ली पुलिस के सूत्रों के मुताबिक, बृजभूषण पर जो रास्ता रोकने या पीछा करने का केस है, वह 2012 का है। इसमें शिकायत करने वाली महिला पहलवान ने बताया था कि बृजभूषण ने एक टूर्नामेंट के दौरान उसकी मां से बात की और उसे अपने कमरे में बुलाकर कस कर गले लगाया। जब महिला पहलवान घर लौटी तो अलग-अलग बहाने से कई बार उसकी मां के नंबर पर फोन करना शुरू कर दिया। उसने यह भी दावा किया कि बृजभषण की कॉल से बचने के लिए उसे अपना फोन नंबर तक बदलना पड़ा। हालांकि, इन आरोपों को साबित करने के मामले में कोई टेक्निकल एविडेंस नहीं मिले हैं। बालिग पहलवानों के केस में पुलिस ने 1500 पन्नों की चार्जशीट पेश की। इसमें पुलिस ने पहलवानों की धारा 164 के तहत मजिस्ट्रेट के आगे दिए बयान को चार्जशीट का प्रमुख आधार माना है। पुलिस ने कहा कि बालिग पहलवानों ने जिस जगह पर उनके साथ यौन शोषण के आरोप लगाए हैं, वहां आरोपियों की मौजूदगी के सबूत मिले हैं। पहलवानों ने पुलिस को जांच के दौरान सबूत के तौर पर 5 फोटो सौंपी हैं। इसके अलावा और भी डिजिटल सबूत दिए गए, उन्हें पेन ड्राइव में कोर्ट को सौंपा गया है। चार्जशीट में करीब 25 गवाहों के बयान दर्ज किए गए हैं। 7 गवाहों ने पीड़ित बालिग पहलवानों के आरोपों का सपोर्ट किया है।

पानी में हल्दी मिलाकर पीने के हैं ये फायदे

ज्यादातर लोग स्वस्थ और फिट रहने के लिए सुबह उठते ही गर्म पानी में नींबू और शहद मिलाकर पीते है। इसे लेने से वजन कम होता है और इसके नियमित सेवन से सेहत से जुड़ी कई समस्याओं से हमेशा के लिए निजात मिल सकती है, जैसे शरीर के विषैले तत्व बाहर निकलते है, पाचन संबंधी समस्याएं दूर होती है, रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है और त्वचा में चमक आती है।

इसके अलावा किसी प्रकार की भी कमजोरी आने पर लोग हल्दी वाला दूध पीते हैं। लगभग हम सभी लोग गर्म पानी में नींबू मिलाकर और हल्दी वाले दूध पीने के फायदों के बारे में जानते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि अगर इस मिश्रण में थोड़ी सी हल्दी भी मिला दी जाए तो इसके गुण और भी बढ़ जाते हैं। यकीन नहीं हो रहा न, लेकिन हल्दी वाला पानी स्वास्थ्यवर्धक गुणों से भरपूर होता है।

पाचन दुरुस्त रखें

कई शोधों से यह बात साबित हुई है कि नियमित रूप से हल्दी का सेवन करने से पित्त ज्यादा बनता है, जिससे आपका आहार आसानी से हजम हो जाता है और आहार के अच्छे से हजम होने से आप पेट संबंधी बीमारियों से बचे रहते हैं। इसलिए अगर आप अपने पाचन को दुरुस्त रखना चाहते हैं तो आज से ही अपनी दिनचर्या में हल्दी वाले पानी को शामिल करें।

शरीर की सूजन कम करें

हल्दी में करक्यूमिन नामक केमिकल की मौजूदगी के कारण यह दवा के रूप में काम करता है और यह शरीर की सूजन कम करने में सहायक होता है।

शरीर में चाहे कितनी भी सूजन क्यूं न हो, हल्दी वाला पानी पीने से कम हो जाती है। इसके अलावा करक्यूमिन के कारण यह जोड़ों के दर्द और सूजन को दूर करने में दवाइयों से भी ज्यादा अच्छी तरह से काम करता है।

दिमाग तेज करें

हल्दी दिमाग के लिए बहुत अच्छी होती है, अगर आप सुबह के समय गर्म पानी में हल्दी मिलाकर पीते हैं यह आपके दिमाग के लिए बहुत अच्छा रहता है। भूलने की बीमारी जैसे डिमेंशिया और अल्जाइमर को भी इसके नियमित सेवन से कम किया जा सकता है।

हल्दी वाला पानी बनाने का तरीका

सामग्री

- 1/2 - नींबू
- 1/4 - टी स्पून हल्दी
- 1 गिलास - गर्म पानी
- थोड़ी सी शहद

हल्दी वाला पानी बनाने की विधि

एक गिलास में आधा नींबू निचोड़ कर उसमें हल्दी और गर्म पानी मिलाकर अच्छे से मिक्स कर लें। फिर उसमें स्वादानुसार शहद मिलाएं। हल्दी कुछ समय बाद नीचे बैठ जाती है, इसलिए पीने से पहले इसे अच्छे से हिलाकर पीएं।

दिल को दुरुस्त रखें

हल्दी वाला दूध दिल की सेहत के लिए भी बहुत अच्छा होता है। इसे पीने से खून जमता नहीं है और साथ ही यह खून साफ करने में भी मददगार होता है। इसके अलावा इससे खून की धमनियों में जमाव भी हट जाता है। हल्दी वाला पानी भी दिल को दुरुस्त रखने के लिए ऐसे ही काम करता है।

लीवर की रक्षा करें

हल्दी का पानी टॉक्सिक चीजों से आपके लीवर की रक्षा करता है और खराब लीवर सेल्स को दोबारा ठीक करने में मदद करता है। इसके अलावा यह पित्ताशय के काम को ठीक करने में मदद करता है, जिससे आपके लीवर की रक्षा होती है।

एंटी-कैंसर गुणों से भरपूर

हल्दी में करक्यूमिन नामक केमिकल की मौजूदगी इसे एक ताकतवर एंटीऑक्सीडेंट बनाता है। जो कैंसर पैदा करने वाली कोशिकाओं से लड़ती है।

उम्र के असर को करें बेअसर

गर्म पानी में नींबू, हल्दी पाउडर और शहद मिलाकर पीने से यह शरीर के विषैले पदार्थ बाहर निकालने में बहुत मददगार होता है। इसके अलावा इसे नियमित रूप से पीने से फ्री रैडिकल्स से लड़ने में मदद मिलती है जिससे शरीर पर उम्र का असर कम और धीरे-धीरे पड़ता है।

स्वस्थ रहने के लिए कीजिए खूब सारी बातें

क्या आप यह सुनन-सुनत थक गए हं कि ज्यादा बातें करना अच्छी बात नहीं? ...तो यह भी सुन लीजिए कि वैज्ञानिकों ने यह पाया है कि बातें करने से आपका दिमाग तेज होता है और मानसिक स्वास्थ्य बढ़िया रहता है। माना जाता है, बातें बनाना बुरी बात है। लोग अक्सर कहते भी हैं, इस तरह बातें बनाने से बात नहीं बनेगी। लोग बातूनी लोगों को अक्सर व्यग्य स इस तरह वाक्यपटु कहते हैं मानो उन्हें चिड़ा रहे हों। लेकिन बातें बनाना या ज्यादातर लोगों से संवाद स्थापित कर लेना न तो किसी बेवकूफी की निशानी है और न ही इससे कोई नुकसान है। भले ही लोग कहते हों कि बातें बनाने से कुछ नहीं होगा, मगर वैज्ञानिकों ने एक विस्तृत शोध के जरिए साबित किया है कि बातें बनाना न सिर्फ बुद्धिमान बनने का जरिया है, बल्कि निरंतर और हर तरह के लोगों से संवाद कला में माहिर होने वाले लोग जीनियस भी साबित होते हैं। एक शोध में पाया है कि जब आप रोजाना 10 मिनट किसी के साथ किसी भी विषय पर बातचीत करते हैं तो इससे न केवल आप धीरे-धीरे संवाद कला में माहिर होते जाते हैं, बल्कि इससे याददाश्त भी तेज होने लगती है और बुद्धिमत्ता भी बढ़ने लगती है। कुछ भी करने से पहले डॉ. से जरूर सलाह लें।

ऐसे करें स्मोकी आई मेकअप...

स्मोकी मेकअप आजकल चलन में हैं। खासतौर पर रात के फंक्शन या डीजे पार्टीज में स्मोकी आई बहुत ही ट्रैंडी और सुंदर लुक देती है। स्मोकी आई मेकअप ज्यादातर ब्लैक और ग्रे टोन में ही किया जाता है लेकिन फिर भी अगर आप किसी और कलर्स से अपनी आंखों को स्मोकी लुक देना चाहती हैं तो कर सकती है। ब्लैक के साथ आप अन्य डार्क क्लर्स का इस्तेमाल करके स्मोकी आई मेकअप कर सकती है, जिससे आंखें दूर से ही हाइलाइट हो जाती है लेकिन इन्हें स्टेप-वाइज-स्टेप ही किया जाना चाहिए नहीं तो यह स्मोकी लुक नहीं देगा। सबसे पहले एक बूंद प्राइमर लें और उसे आईलिड पर लगाएं। इसे लगाना बहुत ही जरूरी है क्योंकि गर्मी और ऑयलिंग फेस की वजह से आईशेडो क्रीज लाइन से फैल जाता है लेकिन अगर आप प्राइमर यूज करेंगी तो मेकअप फैलेगा नहीं। उसके बाद आप लैशलाइन पर आईलाइनर लगाएं। आईलाइनर जैल या स्कैच हो तो बढ़िया है। अब स्मजर ब्रश या आई बड की मदद से आईलाइनर को अच्छी तरह से स्मज कर लें। अब बारी आईशैडो लगाने की हैं। कलर्स का चुनाव अपनी मर्जी से करें। आंखों पर अपनी पसंद का आईशैडो लगाएं। ब्रश की मदद से क्रीज लाइन के नीचे आईशैडो को अच्छी तरह से स्मज करें। आप आईशैडो इस्तेमाल कर सकते हैं। राउंड ब्लैडिंग ब्रश की मदद से आईशैडो के ऊपर नए रंग का आईशैडो लगाएं। आप ग्रे ब्लैक, मैहरून, पर्पल या ब्राउन किसी भी कलर्स का इस्तेमाल कर सकती है लेकिन ध्यान रहे कि इस वाले आईशैडो को क्रीज लाइन के नीचे लगे आईशैडो के ऊपर गोलाई में स्मज करना है ताकि आंखें पूरी तरह से स्मोकी लुक दें। इस तरह आपकी आंखें देगी परफैक्ट स्मोकी लुक। अगर आप स्मोकी प्लस गिलटरी लुक चाहती हैं तो स्मोकी मेकअप के बाद ग्लिटर का इस्तेमाल करें।

नया बैटरी सेवर फीचर...

कई महीनों की बीटा टेस्टिंग के बाद ओपेरा ने अपने डेस्कटॉप और लैपटाप यूजर्स के लिए ओपेरा ब्राउजर का बैटरी सेवर फीचर वाला नया वर्जन रिलीज कर दिया है। कंपनी का कहना है कि ब्राउजर में बैटरी सेवर फीचर एक्टिव रखने से बैटरी लाइफ में 50 प्रतिशत तक का इजाफा होगा। आपको बता दें कि ओपेरा का यह नया बैटरी सेवर फीचर तभी काम करेगा जब लैपटॉप में पावर केबल नहीं लगी होगी। इसमें एक बैटरी आइकन सर्च और एड्रेस फील्ड के बगल में नजर आएगा और एक पॉप अप डायलॉग बॉक्स में मौजूद होगा, जिसे क्लिक कर आप पावर सेवर मोड को एक्टिवेट कर सकेंगे। इसमें यूजर बैटरी सेविंग फीचर को अपनी मर्जी के मुताबिक स्विच ऑन/ ऑफ कर सकते हैं। यह ब्राउजर लैपटॉप की बैटरी कम होने पर पावर सेवर मोड को एक्टिव करने का सुझाव भी देगा। यह नया फीचर बैकग्राउंड टैब में एक्टिविटी को कम कर देगा और इस्तेमाल होने वाले प्लग-इन को पॉज कर देगा, साथ ही यह फ्रेम रेट को भी 30 फ्रेम प्रति-सेकेंड के हिसाब से कम कर देगा। ओपेरा ने यह भी दावा किया है कि जब बैटरी सेवर फीचर को एक्टिव किया जाएगा तो यह लैपटॉप-पीसी को 3 डिग्री ठंडा भी रखेगा।

घर में कैद 50 फीसदी महिलाएं...

देश में साक्षरता के स्तर में निरंतर सुधार और महिलाओं का पढ़ने-लिखने के प्रति रुझान बढ़ने के बाद भी महिलाओं का घर की चार दीवारी तक ही सीमित रहना बेहद चिंतनीय है। एक मोटे अनुमान के अनुसार देश में पढ़ी-लिखी महिलाओं में से चार दीवारी से बाहर निकल कर रोजगार से जुड़ने वाली महिलाओं का आंकड़ा 27 फीसदी ही है। यह भी आश्चर्यजनक सत्य सामने आया है कि शहरी महिलाओं की तुलना में ग्रामीण महिलाओं का रोजगार के प्रति अधिक रुझान है। रोजगार से नहीं जुड़ने के कारण महिलाओं का जीडीपी में योगदान कम है। पुरुषों के बराबर नौकरीपेशा महिलाएं हो जाएं तो जीडीपी में सीधे सीधे 27 फीसदी की बढ़ोतरी हो जाए। अन्य एशियाई देशों की तुलना में हमारे देश में कामकाजी महिलाएं कम हैं। पिछले वर्षों में समग्र प्रयासों से महिलाओं की साक्षरता दर बढ़ी है। महिलाओं ने रोजगार के लिए जोखिम वाले क्षेत्रों में भी प्रवेश किया है। आज जोखिम वाले काम भी महिलाएं बड़ी सहजता और सफलता से करने लगी हैं। एक समय था जब नौकरीपेशा महिला का मतलब अध्यापिका या नर्स की नौकरी से लगाया जाता था। आज स्थिति में तेजी से बदलाव आया है और अब तो सेना के विमान उड़ाने तक की महिलाओं का अनुमति दी जा रही है। सेना के तीनों अंगों में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी तय की जा रही है। बैंकिंग क्षेत्र में तो आज महिलाओं का दबदबा है ही कारोबारी क्षेत्र में भी महिल उद्यमियों ने अपनी पहचान बनाई है। ऐसे में अन्य देशों की तुलना में देश में कामकाजी महिलाओं के कम होने का सीधा- सीधा अर्थ महिला शक्ति का आर्थिक विकास में भागीदारी प्रभावित होना है।

स्टाइलिश एक्सेसरीज...

गर्मी हो या सर्दी महिलाओं का फैशन आए दिन बदलता रहता है। गर्मियों में तो ईयररिंग्स से लेकर फुटवियर तक सब कुछ ही फैशन पर ही बेस्ड होता है। इन गर्मियों में आप शैंडलियर ईयररिंग्स से लेकर कॉकटेल रिंग्स और हूप्स जैसी एक्ससेरीज का इस्तेमाल कर सकती हैं।

सोलिटेयर स्टड्स

इस तरह के एयररिंगस सिंपल होने के साथ-साथ फैंशनऐबल भी होते हैं। पहनने में लाइट वेट ये हर परिधान के साथ सूट करते हैं और आपके आकर्षण में चार चांद लगा सकते हैं।

शैंडलियर ईयररिंग्स

महिलाओं को आजकल हूप्स और शैंडलियर ईयररिंग्स बहुत पसंद आ रहे हैं। ये आपकी पर्सनैलिटी को चार चांद लगा देते हैं। बाजार में इसकी बेशुमार वैरायटी उपलब्ध है।

कॉकटेल रिंग

यह आपके परिधान को भी खास बना देती है और आपको बेहद ग्लैमरस और खास दिखने में मदद करती है।

हीरों का नेकलेस

पार्टी हो या फिर गैट टूगैदर हीरों का नेकलेस बहुत खास एक्सेसरी है। ये चौड़ी और बोट शेप नेकलाइन्स पर बेहद शानदार लगते हैं। बाजार में तरह-तरह के पत्थरों से बने ब्रेसलेट भी बेहद शानदार और खास लुक देते हैं।

कलरफुल डॉर्क ज्वैलरीज

ज्वैलरी नए डिजाइन में हो और पहनने में भी कंफ्टेबल हो तो बात ही अलग है। अगर आप नए तरह के कलरफुल ईयरिंग्स, पेंडेंट्स और डिजाइनर रिंग्स वियर करने का शौंक रखती हैं तो मार्केट में ट्रेंडी और स्टाइलिश लुक देती कलरफुल डॉर्क ज्वैलरीज को जरूर ट्राई कीजिए। ये ज्वैलरी कई सारे डिजाइंस के साथ ही कई सारे कलर्स में भी अवेलेबल हैं। जिसे कॉलेज गर्ल से लेकर ऑफिस वूमन्स तक कैरी कर सकती हैं। इसकी खास बात है कि ये अंधेरे में शाइन करती हैं।

झूमर का ट्रैंड

समय के साथ-साथ गहने कैरी करने का अंदाज भी बदलता रहता हैं। जैसे पहले महिलाएं गहनों में नथ, मांग-पट्टी, कंगन और नेकलेस पहनती थी। वहीं मांग पट्टी की जगह अब झूमर ज्वैलरी ने ले ली हैं। इसे पासा भी कहते हैं। अब यह कॉमन ट्रैंड में चल रहा है।

कुंदन और पोल्की ज्वैलरी

बहुत सारे लोग कुंदन और पोल्की ज्वैलरी को एक जैसे ही मानते हैं। वैसे कुंदन और पोल्की दोनों ही स्टोन होते हैं लेकिन पोल्की ज्वैलरी में अनफिनिशिड नैचुरल डायमंड्स का इस्तेमाल किया जाता है। अपनी नैचुरल लुक की वजह से पोल्की ज्वैलरी हमेशा से ही डिमांड में रही है और अपनी डायमंड शाइनी लुक की वजह से यह कुंदन ज्वैलरी से ज्यादा कीमती होती है। इन्हें जमीन से ही खुदाई करके निकाला जाता है और इन्हें पॉलिशिंग की जरूरत नहीं होती। वहीं कुंदन ज्वैलरी ग्लास स्टोन की बनी होती हैं। कुंदन ज्वैलरी को पॉलिश कर इसकी लुक हो बारीक बनाया जाता है। इनके डिजाइन से लेकर इन्हें तैयार करने की पूरी प्रकिया को सावधानीपूर्वक किया जाता है क्योंकि इन्हें काफी बारीकी से तैयार किया जाता है। पोल्की को मुगलों द्वारा भारत में पेश किया गया था जबकि कुंदन राजस्थानी ट्रैडीशनल ज्वैलरी है। जयपुर और हैदराबाद कुंदन और जड़ाऊ गहनों के लिए प्रसिद्ध हैं। बॉलीवुड की जानी-मानी हस्तियों ने भी अपने वैडिंग पर कुंदन और पोल्का की खास ज्वैलरी पहनीं। एक्ट्रैस ऐश्वर्या राय बच्चन ने गोल्ड कुंदन ज्वैलरी पहनीं, जिसमें वह किसी राजकुमारी से कम नहीं लग रही थी। वहीं एक्ट्रैस शिल्पा शैट्टी, विद्या बालन दिया मिर्जा और ऐशा देओल भी अपनी पोल्का और कुंदन ज्वैलरी में प्रफैक्ट लुक दे रही थीं।

कैलेंडर को झुठला दें...

हर महिला को चालीस के बाद अपनी त्वचा व बालों पर ध्यान देना अत्यंत जरूरी हो जाता है, वरना त्वचा पर उम्र का असर दिखने लगता है। उम्र से होने वाले परिवर्तन को हम रोक तो नहीं सकते हैं पर किसी हद तक इस प्रक्रिया को आगे बढ़ा सकते हैं। अपनी जीवन शैली में नियमितता बनाए रखें। समय पर भोजन, थोड़ा व्यायाम व अच्छी नींद त्वचा व बालों के लिए बहुत जरूरी है। तनाव को कम करने की कोशिश कीजिए। हमारे जीवन में होने वाले तनावों से हम भाग तो नहीं सकते हैं, लेकिन अपने शरीर पर होने वाले उन दुष्प्रभावों को हम रोक सकते हैं, जो तनाव के कारण होते हैं। नियमित व्यायाम कीजिए व तनाव को दूर करने के लिए रोज कम से कम पंद्रह बीस मिनट तक यौगिक क्रियाएं कीजिए। योग करने से पहले किसी योग प्रशिक्षक के प्रशिक्षण अवश्य ले लें। ऐसा कर आप कैलेंडर को झुठला सकती हैं

आधा लीटर दूध लें

कम से कम एक नींबू व आधा लीटर मलाई निकला दूध अपने भोजन में अवश्य शामिल करें। नींबू से आपको विटामिन-सी मिलेगा व दूध से कैल्शियम आदि जरूरी तत्व मिलेंगे। यह उम्र रजोनिवृत्ति की होती है अतः इस उम्र में अक्सर महिलाओं को घुटने में दर्द, पैरों में दर्द व हॉट फ्लॅश आदि समस्याएं होती हैं। अतः अपने खानपान पर विशेष ध्यान रखना चाहिए। डॉक्टर की सलाह लेकर आप रोज अतिरिक्त विटामिन सी व कैल्शियम की गोलियां भी खा सकती हैं।

नहाने से पहले

इस उम्र में हमारी त्वचा में डीहाइड्रेशन भी अधिक होता है व त्वचा अपनी नमी खो देती है। अतः आप जब भी नहाए तो एक-डेढ़ घंटे पहले बादाम या जैतून का तेल शरीर पर हल्की-सी मालिश करते हुए लगाएं। नहाते समय साबुन या बाथ जैल जो भी आप उपयोग करती हैं, उसे सीधे अपनी त्वचा पर न लगाते हुए एक छोटी टर्किश टॉवेल को गीला करके उसमें साबुन या बाथ जैल लगाएं व उसे अच्छी तरह से रगड़ते हुए त्वचा पर लगाएं। इससे आपकी त्वचा अच्छी तरह से साफ होगी, डैड सेल्स निकल जाएंगे व घर्षण से रक्त का बहाव भी अच्छा होगा। चेहरे व शरीर की त्वचा तरोताजा होगी।

शॉवर या बाथ टब

यदि नहाते समय शॉवर या बाथ टब का उपयोग करती हैं तो बहुत अच्छा है। टब या शॉवर में कम से कम दस मिनट तक रहिए ताकि आपकी त्वचा पानी को एब्जॉर्ब कर सके व रीहाइड्रेट हो जाए। नहाकर निकलने के बाद हार्ड टॉवेल से अपना शरीर न पोंछें। हमेशा कॉटन की टर्किश टॉवेल का ही उपयोग करें। पानी को रगड़कर न पोंछें। एकदम हल्के हाथों से त्वचा को थपकाएं ताकि पूरा पानी न सूखे। फिर नम, हल्की गीली त्वचा पर ही कोई अच्छा-सा बॉडी लोशन लगा लें, ताकि आपकी त्वचा की नमी बरकरार रहे। सप्ताह में दो बार दो चम्मच शहद, पंद्रह से बीस बूंद नींबू का रस, आधा चम्मच मलाई या घी व एक चम्मच ओट मील डालकर पेस्ट की तरह चेहरे पर लगाएं। आधे घंटे बाद गुनगुने पानी से चेहरा साफ करके अच्छी विटामिन क्रीम लगाएं। यदि आपकी ऑइली स्किन है तो मलाई का प्रयोग न करें व क्रीम के बदले मॉइश्चराइजर का प्रयोग करें।

हाथ व गर्दन की देखभाल

याद रखिए किसी भी महिला की उम्र का अंदाजा उसके हाथ व उसकी गर्दन से लगाया जा सकता है। अतः इनकी अच्छी तरह से देखभाल करें। चेहरे पर कुछ लोशन या क्रीम लगाती हैं तो उसे अपनी गर्दन व हाथों पर लगाना न भूलें। सप्ताह में एक बार आप मिल्क बाथ भी ले सकती हैं। एक बीस लीटर की बाल्टी में एक कप दूध या एक टेबल स्पून मिल्क पाउडर डालें। उसमें कुछ बूंदें चंदन के तेल की व कुछ बूंदें अपनी पसंद के परफ्यूम की डाल दें। इस पानी को धीरे-धीरे अपनी त्वचा पर डालते हुए नहाएं।

सिंथेटिक कपड़े कम पहनें

सिंथेटिक वस्त्रों का प्रयोग कम से कम करें। ये भी हमारी त्वचा की नमी सोखते हैं। वूलन कपड़े भी सीधे अपनी त्वचा पर न हों, इस बात का ध्यान रखें। सप्ताह में एक बार पेडीक्योर व मेनीक्योर अवश्य करें। इससे हाथ व पैरों की अच्छी सफाई होकर मसाज होगी तो आपके हाथ-पैरों पर उम्र का असर कम दिखेगा। ताजे व रसीले फलों का नियमित सेवन करें। फलों का रस पीने के बदले पूरे फल खाएं। जैसे संतरा, मौसंबी, पाइनेपल, सेव, अंगूर आदि का रस पीने के बजाए फल खाएं। इससे आपको रफेज भी मिलेगा और पाचन तंत्र अच्छा रहेगा।

प्राइवेट ब्राउजिंग का बड़ा फायदा...

बिना अपने कम्प्यूटर पर कूकीज डाउनलोड किए या फिर अपने बारे में किसी भी वेबसाइट को कम जानकारी देकर भी आप ब्राउजिंग कर सकते हैं। उसके लिए आपको प्राइवेट ब्राउजिंग या इनकौगनीटो मोड में करना होगा और उसको करना बहुत आसान है। अगर आप किसी भी प्रोडक्ट या सर्विस के लिए वेब सर्च कर रहे हैं तो प्राइवेट ब्राउजिंग से सर्च सेव नहीं होता है। कोई भी जब आपका कंप्यूटर इस्तेमाल करेगा तो उसे पता नहीं चलेगा कि आपने क्या सर्च किया है। वर्ना सभी सर्च जो आपके गूगल अकाउंट से किया जाता है उसका गूगल के पास रिकॉर्ड होता है।

क्या और कैसे करें?

गूगल क्रोम पर प्राइवेट ब्राउजिंग करने के लिए ब्राउजर लांच करने के बाद दाहिनी तरफ ऊपर में ये तीन लाइन दिखाई देती हैं उनपर क्लिक कीजिये। वहां पर न्यू इनकौगनीटो विंडो लिखा दिखाई देगा जिसपर आपको क्लिक करना होगा। उसके बाद जो ब्राउजर खुलेगा उस पर आप प्राइवेट ब्राउजिंग कर सकते हैं। यह प्राइवेट ब्राउजिंग तब तक चलेगा जब तक आप उसी विंडो पर किसी भी वेबसाइट पर जाएंगे।

ऑफ द रिकॉर्ड हिस्ट्री

अगर आप क्रोम ब्राउजर इस्तेमाल करते हैं तो प्राइवेट ब्राउजिंग के समय भी अपने ब्राउजिंग की हिस्ट्री को सुरक्षित रखने के लिए एक एक्सटेंशन डाउनलोड कर सकते हैं।ऑफ द रिकॉर्ड हिस्ट्री नाम के इस एक्सटेंशन को इस्तेमाल करके आप जितनी देर प्राइवेट ब्राउजिंग करेंगे, आपकी हिस्ट्री बरकरार रहेगी। एक बार आप ब्राउजर को बंद कर देंगे तो ये हिस्ट्री मिट जाएगी।

बच नहीं सकते

वैसे अपने रोजाना के ब्राउजिंग के बारे में जानने के लिए ब्राउजर की सेटिंग में जाकर बीते दिनों आप जिस भी वेबसाइट पर थे उनके बारे में जानकारी मिल जाएगी। यह हिस्ट्री आप अपने कंप्यूटर से मिटा तो सकते हैं लेकिन आपके ब्रॉडबैंड सर्विस प्रोवाइडर के पास ये जानकारी हमेशा रहती है। प्राइवेट ब्राउजिंग करके आप कानूनी एजेंसियों से भी बच नहीं सकते हैं। लेकिन इ कॉमर्स या फेसबुक, ट्विटर जैसे कंपनियों की कूकीज से बचने का ये बहुत बढ़िया तरीका है। प्राइवेट ब्राउजिंग करने पर ऐसे वेबसाइट को आपके बारे में सीमित जानकारी मिल पाती है और वो आपको सिर्फ आपके पसंद के विज्ञापन नहीं दिखा पाएंगे।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**